आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
15.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.39
सूर्यास्त 06.06

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी 11:10 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

रविवार, 22 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 18, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ राहुल भिवंडी की अदालत में पेश हुए सपकाल को नया जमानतदार बनाया- 12

■ इंडिया सोलर एंड ई-व्हीकल एक्सपो में उमड़े उद्यमी - 12

■ सर्वसम्मति पर आधारित होगा हिंद महासागर में संयुक्त समुद्री तंत्र - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक और सूर्यकुमार को संभालना होगा मोर्चा - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, त्योहार में मनमुटाव दूर कर लगाएं अपनों को गले व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

ट्रंप ने 24 घंटे के भीतर ग्लोबल टैरिफ 10% से बढ़ाकर 15% किया

● राष्ट्रपति बोले- भारत से ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह सभी देशों पर 15 प्रतिशत का वैश्विक शुल्क लगाएंगे। उन्होंने एक दिन पहले 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने अभी तक इस संदेश का जवाब नहीं दिया है, जिसमें पूछा गया था कि राष्ट्रपति नई घोषणा पर कब हस्ताक्षर करेंगे और शुल्क को 15 प्रतिशत करेंगे। ट्रंप की ओर से पहले लगाए गए भारी भरकम शुल्क को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा रद्द किए जाने के बाद

शुक्रवार को राष्ट्रपति ने भारत समेत सभी देशों पर 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए प्रभावी 10 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान किया था। अमेरिका के 10 प्रतिशत शुल्क पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत सरकार ने शनिवार को कहा कि वह इन शुल्कों और उनके प्रभावों का अध्ययन कर रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह यह घोषणा अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा शुल्क को लेकर कल जारी किए गए हास्यास्पद, खराब ढंग से लिखे गए और असाधारण रूप से अमेरिका विरोधी फैसले की पूरी, विस्तृत और संपूर्ण समीक्षा के आधार पर कर रहे हैं। अस्थायी शुल्क को ट्रंप 15 प्रतिशत करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि इसके अलावा वह अन्य संघीय कानूनों के तहत भी शुल्क लगाने की प्रक्रिया में हैं, जिसके लिए वाणिज्य विभाग द्वारा समीक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा, आने वाले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन नए और कानूनी रूप से स्वीकार्य शुल्क निर्धारित करेगा और लागू करेगा, जो अमेरिका को पुनः महान बनाने की हमारी सफल प्रक्रिया को जारी रखेंगे।

नई दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार अमेरिका में शुल्क से जुड़े ताजा घटनाक्रम और उनके संभावित प्रभावों का अध्ययन कर रही है। मंत्रालय ने बयान में कहा, शुक्रवार को सीमा शुल्क के बारे में आए अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा संबोधित संवाददाता सम्मेलन की जानकारी हमारे संज्ञान में है। अमेरिकी प्रशासन की ओर से कुछ कदमों की घोषणा की गई है। हम इन सभी घटनाक्रमों का उनके प्रभावों के संदर्भ में अध्ययन कर रहे हैं।

भारतीय मूल के वकील नील ने अवैध टैरिफ के खिलाफ दलील दे पलटा ट्रंप का खेल

न्यूयॉर्क। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक प्रभाव वाले वैश्विक टैरिफ को निरस्त करने संबंधी ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल के वकील नील कात्याल हैं, जिन्होंने अमेरिका की शीर्ष अदालत में इन शुल्कों की अवैधता के खिलाफ दलील दी। भारतीय प्रवासी के पुत्र और राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में पूर्व अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल रहे नील कात्याल ने छोटे व्यवसायों की ओर से इस महत्वपूर्ण टैरिफ मामले में बहस की और जीत हासिल की। फैसला आने के तुरंत बाद कात्याल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, विजय। कात्याल ने एक साक्षात्कार में कहा, आज जो कुछ हुआ है वह अमेरिकी प्रणाली में बेहद खास है। मैं प्रवासी माता-पिता

का बेटा हूं, मैं अदालत में गया और अमेरिका के छोटे व्यवसायों की ओर से यह दलील दी, देखिए, राष्ट्रपति अवैध तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अपना पक्ष रखने में सक्षम था, उन्होंने मुझसे बेहद कठिन सवाल पूछे। यह बहुत ही तीखी और गहन मौखिक बहस थी, और अंत में उन्होंने मतदान किया और हम जीत गए। उन्होंने आगे कहा, इस देश की यही बात असाधारण है। हमारे पास एक ऐसी व्यवस्था है जो स्वयं को सुधारती है, जो हमें यह कहने की अनुमति देती है कि आप दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन फिर भी आप संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते। कात्याल का जन्म शिकागो में चिकित्सक मां और अभियंता पिता के घर 1970 में हुआ था। उनके माता पिता भारत से यहां आये थे।

ब्रीफ न्यूज

अंतर्राज्यीय नशा तस्करी गिरोह के 5 सदस्य पकड़े सभी बदायूं के रहने वाले

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में स्मैक की आपूर्ति करने वाले एक अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से लगभग 60 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। मुख्य आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अमीन खान (24) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान खान ने खुलासा किया कि वह बदायूं के आपूर्तिकर्ताओं से स्मैक खरीदता था। इसके बाद पुलिस ने बदायूं से उसके दो आपूर्तिकर्ताओं राशिद (38) और बलबीर (34) को गिरफ्तार किया। खान के कॉल रिकॉर्ड की जांच के बाद उसके दो स्थानीय सहयोगियों आसिफ (27) और इकरार (42) का पता चला और गिरफ्तार कर लिया गया।

एसआईआर पर बैठक, न्यायिक अफसरों की छुट्टियां रद

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल की विभिन्न अदालतों में तैनात सभी न्यायिक अधिकारियों की छुट्टियां नौ मार्च तक रद्द करने का शनिवार को आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश ने ऐसा एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किया। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि चिकित्सा आपातकाल को छोड़कर, किसी भी न्यायिक अधिकारी को पहले दी गई सभी छुट्टियां 9 मार्च तक रद्द कर दी गई हैं और जो लोग पहले से ही छुट्टी पर हैं, उन्हें 23 तक कार्यालयों में वापस आने का निर्देश दिया गया है।

भारत-ब्राजील रिश्तों को नई मजबूती 20 अरब डॉलर का व्यापार समझौता

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के बीच खनिज, सुरक्षा को लेकर हुई वार्ता

● मोदी बोले- लातिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है ब्राजील

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा शनिवार को व्यापक वार्ता की। दोनों देशों ने अगले पांच वर्ष में 20 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया तथा महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा एवं डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना सहित कई अन्य क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने का भी संकल्प लिया, और साथ ही अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति से निपटने के लिए भारत-ब्राजील के बीच गहन रणनीतिक जुड़ाव पर जोर दिया।

मोदी ने कहा, भारत और ब्राजील इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद और उसके समर्थक मानवता के दुश्मन हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक है। राष्ट्रपति लूला पांच दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उनकी यह यात्रा 18 फरवरी से शुरू हुई थी जिसका मुख्य उद्देश्य 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेना और मोदी के साथ वार्ता करना है। वर्ष 2024-25 में भारत-ब्राजील व्यापार 12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारतीय निर्यात 6.77 अरब अमेरिकी डॉलर और ब्राजील से आयात 5.43 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। मोदी ने कहा कि जब भारत-ब्राजील मिलकर काम करते हैं, तो 'ग्लोबल साउथ' की आवाज मजबूत होती है।

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ हाथ मिलाते प्रधानमंत्री मोदी। ● एजेंसी

राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकी हमलों की निंदा की

वहीं, लूला ने अपनी टिप्पणियों में पहलगाम में हुई आतंकी हमलों की निंदा की और कहा कि आतंकवाद को किसी भी धर्म या राष्ट्रीयता से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि अशांत वैश्विक माहौल के लिए भारत और ब्राजील को अपने रणनीतिक संबंधों को गहरा करने की आवश्यकता है तथा दोनों शक्तियों के बीच संवाद सर्वोत्तम स्तर की बातचीत है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ 'ग्लोबल साउथ' के दो सबसे बड़े लोकतंत्र ही नहीं हैं। यह एक डिजिटल महाशक्ति और नवीकरणीय ऊर्जा महाशक्ति का मिलन है। हम दोनों ही अत्यधिक विविधता वाले देश हैं और हम दोनों ही बहुपक्षवाद एवं शांति के समर्थक हैं।

विकसित भारत के लिए 'मेड इन इंडिया' चिप अत्यंत महत्वपूर्ण : मोदी

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत की नींव आत्म-निर्भरता के आधार पर रखी जाएगी, जिसके लिए भारत में निर्मित सेमीकंडक्टर चिप का होना बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम 'इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड' के सेमीकंडक्टर संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से शिलान्यास करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान छोटी चिप की कमजोर आपूर्ति श्रृंखला ने कई अर्थव्यवस्थाओं के विकास को रोक दिया था और विभिन्न कारखानों में काम ठप हो गया था। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, विकसित भारत का निर्माण तभी होगा जब भारत आत्मनिर्भर बनेगा। इसके लिए भारत में बनी चिप बहुत जरूरी हैं। (विस्तृत कारोबार पेज पर)

योगी ने अन्नदाताओं के खाते में 460 करोड़ किए ट्रांसफर

राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में किसान को चेक प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी।

● 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ की बीमा राहत, 3500 परिवारों को 175 करोड़ सहायता

● पांच शहरों में लगेंगे डॉप्लर वेदर राडार, आपदा मित्रों को पांच लाख का बीमा कवर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ-2025) के तहत 2.51 लाख अन्नदाता किसानों को 285 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि वितरित की। साथ ही मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 3500 लाभार्थी परिवारों को 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। एक बटन दबाकर कुल 460 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर किए गए।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि लाभार्थियों के खातों में राशि हर हाल में अगले 24 घंटे में पहुंच जानी चाहिए। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे।

2026-27 बजट का लाभ सीधे खातों में : सीएम योगी ने कहा कि हाल ही में पारित 2026-27 के बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के लिए कई योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों के खातों में पहुंचे।

फसल बीमा से 2.51 लाख किसानों को संबल : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सूखा और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल बीमा संकट की घड़ी में सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। गत 16 जून 2025 को भी 11,690 किसानों और आश्रितों को 561.86 करोड़ वितरित किए गए थे।

पांच शहरों में डॉप्लर वेदर राडार : मुख्यमंत्री ने बताया कि लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी व आजमगढ़ में डॉप्लर वेदर राडार लगाए जाएंगे। इससे मौसम पूर्वानुमान के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावित जगह की सटीक जानकारी मिल सकेगी। प्रदेश में 450 ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन और 2000 ऑटोमेटिक रेन गेज की स्थापना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

कई परियोजनाओं का शिलान्यास : सीएम ने बागपत, शामली, कासगंज और भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, झांसी के मऊरानीपुर में 50 शैय्या छात्रावास तथा लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास भी किया।

दुर्घटना में मौत पर पांच लाख की सहायता

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत अब किसान के साथ-साथ उसके परिवार के सदस्य, बटाईदार और सह किसान भी कवर किए जा रहे हैं। दुर्घटना में मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये की सहायता दी जाती है। अब तक इस योजना में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक वितरित किए जा चुके हैं।

आपदा के 24 घंटे में राहत पहुंचाने का लक्ष्य

सीएम योगी ने कहा कि पहले आपदा पीड़ितों को वर्षों तक मुआवजा नहीं मिलता था, लेकिन अब सरकार का लक्ष्य है कि बाढ़, आकाशीय बिजली या आगजनी जैसी घटनाओं में 24 घंटे के भीतर सहायता राशि खातों में पहुंच जाए। राज्य आपदा मोचक निधि में 2025-26 के लिए 876 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। फसल क्षति से प्रभावित 5.14 लाख किसानों को 260 करोड़, जनहानि के 5398 मामलों में 216 करोड़ और मकान क्षति के 27,448 मामलों में 24 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश

● यौन शोषण मामले में एडीजे (पॉक्सो एक्ट) ने दिया आदेश

प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज की एक विशेष अदालत ने ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों के मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) विनोद कुमार चौरसिया ने पुलिस को मामले में एफआईआर दर्ज कर विधिवत विवेचना करने के निर्देश दिए हैं।

अदालत के आदेश के बाद झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। यह अर्जी शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173(4) के तहत दाखिल की गई थी। आरोप है कि संबंधित आश्रम में नाबालिग बच्चों के साथ यौन शोषण हुआ। आवेदक ने अदालत में कथित साक्ष्य के रूप में सीडी भी प्रस्तुत करने का दावा किया है। गौरतलब है कि 13 फरवरी को आरोप लगाने वाले दोनों नाबालिगों के बयान अदालत में वीडियोग्राफी के साथ दर्ज किए गए थे।

हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, सच्चाई जल्द सबके सामने आएगी

वाराणसी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और सच्चाई सबके सामने आ जाएगी। प्रयागराज के पाक्सो अदालत ने शंकराचार्य और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे दिया है। शंकराचार्य ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "मेरे खिलाफ फर्जी केस दर्ज कराया गया है। हम मुकदमे का सामना करेंगे। आरोप लगाने वाले खुद हिस्ट्रीशीटर हैं। हमारी न्यायपालिका और सच्चाई पर पूरा भरोसा है।

आतंकी खतराः प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों की बढ़ाई सुरक्षा

नई दिल्ली। दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से सहित राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटीटी) ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है। सूत्रों ने बताया कि ऐसी खुफिया सूचना है कि चांदनी चौक स्थित एक मंदिर को भी निशाना बनाया जा सकता है।

'पुलिस ने घेर लिया है, सरेंडर कर दो' कोर्ट- एसपी बहराइच हाजिर हों

विधि संवाददाता, लखनऊ

● पुलिस की एफआईआर में ऐसे फ़िल्मी डॉयलॉग पर हाईकोर्ट चकित

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पुलिस अधिकारियों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली प्राथमिकी में फ़िल्मी डॉयलॉग के इस्तेमाल पर आश्चर्य जताया है। दरअसल, बहराइच जनपद के गो-हत्या के एक मामले में पुलिस द्वारा दर्ज कराई गई एक एफआईआर में लिखा है कि जब पुलिस टीम अभियुक्तों को गिरफ्तार करने पहुंची तो पहले चेतावनी दी कि तुम लोग पुलिस से घिर चुके हो, आत्मसमर्पण कर दो।

कोर्ट ने कहा कि यह अजीब है कि फिल्मों में ऐसे डॉयलॉग इस्तेमाल होते हैं, वही पुलिस की एफआईआर में भी हैं। कोर्ट ने एसपी बहराइच को सम्बंधित मामले में पाई गई विसंगतियों पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही, याची अभियुक्त की गिरफ़्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति पीके श्रीवास्तव की खंडपीठ ने अकबर अली की याचिका पर पारित किया। याची ने 22 जनवरी 2026 को बहराइच जिले के जरवल रोड थाने में दर्ज एफआईआर को चुनौती दी है।

मामले में अभियोजन के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर पुलिस दल ने गो-हत्या एवं हत्या के प्रयास के आरोप में तीन व्यक्तियों को मौके से गिरफ्तार किया था और घटनास्थल से फरार हो गये चौथे अभियुक्त के रूप में याची का नाम सामने आया। एफआईआर का अवलोकन करते हुए कोर्ट ने पाया कि घटना का समय प्रातः 10:45 अंकित है। जबकि एफआईआर में कहा गया है कि अभियुक्तगण आपस में बात कर रहे थे कि 'अब उजाला होने वाला है'। कोर्ट ने कहा कि पौने 11 बजे अभियुक्तगण यह कैसे कह रहे थे कि अब उजाला होने वाला है? एफआईआर की तमाम बातें फिल्मी पटकथा जैसी प्रतीत हो रही हैं।

बढ़ते कदम | केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- दुनिया भर के देशों ने 'सभी के कल्याण और सभी की खुशी' के सिद्धांतों को मान्यता दी

भारत के विजन पर 88 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

● हस्ताक्षर करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन डेनमार्क और जर्मनी भी शामिल

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के घोषणापत्र पर कुल 88 देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, डेनमार्क और जर्मनी भी शामिल हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रभावों पर आयोजित शिखर सम्मेलन को मिले वैश्विक समर्थन को दर्शाता है। इस घोषणा का मूल सिद्धांत 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' यानी 'सबके कल्याण के लिए, सबकी खुशी के लिए है। वैष्णव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के मानव-केंद्रित एआई की दृष्टि को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया है। एआई संसाधनों, सेवाओं और प्रौद्योगिकी को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का लक्ष्य सभी देशों ने स्वीकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक भलाई को संतुलित करने को प्राथमिकता दी जा रही है। वैष्णव ने कहा, सिर्फ आर्थिक वृद्धि ही नहीं, सामाजिक सामंजस्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। सुरक्षा और भरोसा इस योजना के केंद्र में हैं और इन्हें मुख्य बिंदुओं में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार और मानव संसाधन के विकास पर भी जोर दिया गया है। वैष्णव ने कहा, इन सभी क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सभी देशों ने सहमति जताई है। एआई इंपैक्ट समिट में केवल एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे के लिए 250 अरब डॉलर से अधिक का निवेश सुनिश्चित किया गया।

घोषणा को समर्थन में यह देश

इस घोषणा का 86 देशों और दो अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने समर्थन किया है। इनमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भूटान, ब्राजील, कनाडा, डेनमार्क, एस्टोनिया, इथियोपिया, जापान, इटली, इजराइल और आयरलैंड शामिल हैं। समर्थन देने वाले अन्य देशों में इंडोनेशिया, ईरान, हंगरी, यूनान, जर्मनी, फिनलैंड, मेक्सिको, म्यांमार, नेपाल, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, फिलीपींस, पेरू, रोमानिया, रवांडा, सेनेगल, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, स्पेन, श्रीलंका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, तंजानिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूक्रेन शामिल हैं। इसके अलावा यूरोपीय संघ (ईयू) और अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के रूप में दो अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी इस घोषणा का समर्थन किया है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 22 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में पीएम का कार्यक्रम ऐतिहासिक बने : मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल, रेलवे स्टेशन और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नमो भारत रैपिड रेल के विस्तार और मेरठ मेट्रो सेवा की शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों की सहभागिता संभावित है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं सुचारु और सुरक्षित रहें। उन्होंने पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सीसीटीवी निगरानी और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रविवार को प्रधानमंत्री करीब 12,930 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री शताब्दी नगर स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

बिना कारण बताए हमारी एनएसजी सुरक्षा हटाई

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार सुरक्षा से खिलवाड़ करती

है। मुझे एनएसजी सिक्योरिटी और राहुल गांधी को एसपीजी सुरक्षा मिली थी। भाजपा सरकार ने उनकी एसपीजी सुरक्षा हटायी, उनका घर खाली कराया। बिना कारण बताए हमारे पास से एनएसजी सुरक्षा हटा ली। सरकार हमारे ड्राइवर और गेट खोलने वालों की भी गिनती कर बता रही कि इतनी सुरक्षा दे दी है। सुरक्षा का जो प्रोटोकॉल है, वह तो मिलेगा ही। सपा प्रमुख ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब बुलडोजर से किसी का घर गिरता है तो मुख्यमंत्री आवास में बैठकर खुश होते हैं और कहते हैं, देखिए आज मैंने घर गिरवा दिया। मुख्यमंत्री दूसरों को उपद्रवी और माफिया कहते हैं।

'लखनऊ दर्शन' बस में फिर शामिल हुई विधानसभा की सैर

अमृत विचार , लखनऊ : उत्तर प्रदेश का बजट सत्र समाप्त हो चुका है, अब 'लखनऊ दर्शन' बस सेवा के जरिए पर्यटक एक बार फिर से भव्य और ऐतिहासिक उप्र . विधानसभा भवन का भ्रमण कर सकेंगे। बजट सत्र के दौरान सुरक्षा कारणों से विधानसभा भ्रमण अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन अब लोकतंत्र का यह दरबार आम लोगों के स्वागत के लिए फिर से तैयार है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को दी।

मतदाता बनाने को आज चलेगा प्रदेशभर में विशेष अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुबह 10.30 से 1.30 बजे तक बूथों पर बैठेंगे बीएलओ, डीएम करेंगे निगरानी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत रविवार को प्रदेश के सभी पोलिंग बूथों पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसका मकसद अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना और उसे त्रुटिरहित बनाना है। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी का दायित्व निभा रहे सभी डीएम कड़ी निगरानी रखेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि वर्ष 2026 का यह चौथा विशेष अभियान दिवस होगा। इससे पहले 11 जनवरी, 18 जनवरी और 31 जनवरी को भी प्रदेशभर में ऐसे अभियान आयोजित किए जा चुके हैं। 22 फरवरी (आज) को प्रत्येक बूथ पर सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मौजूद रहेंगे। उनके पास 6 जनवरी-26 को प्रकाशित मतदाता सूची की प्रति तथा फॉर्म 6, 6 ए, 7 और 8 उपलब्ध रहेंगे।

हर मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी की जाएगी, जहां लोगों को फॉर्म भरने में सहायता दी जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। जिन युवाओं की आयु 1 जनवरी-26 को 18 वर्ष पूरी हो चुकी है और जिनका नाम सूची में दर्ज नहीं है। वह फॉर्म-6 भरकर बीएलओ को जमा कर सकते हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग के मोबाइल एप और voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट में यूपी मॉडल की गूंज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 'इंडियाज एआई इम्पैक्ट स्टार्टअप्स रिपोर्ट' में शामिल हुए यूपी से जुड़े स्टार्टअप
- सरकारी स्कूलों में तकनीक आधारित लर्निंग मॉडल की हुई सराहना

अमृत विचार : दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में उत्तर प्रदेश की एआई आधारित शिक्षा पहल को राष्ट्रीय पहचान मिली है। समिट में जारी 'इंडियाज एआई इम्पैक्ट स्टार्टअप्स रिपोर्ट' में देशभर के 110 स्टार्टअप और गैर-लाभकारी संगठनों को शामिल किया गया है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए सामाजिक और आर्थिक बदलाव की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

रिपोर्ट को इंडिया एआई और कल्पा इंपैक्ट द्वारा प्रकाशित किया गया है। इसमें प्रमुख क्षेत्रों में नवाचारों को रेखांकित किया गया है। उत्तर प्रदेश का उल्लेख एआई आधारित शिक्षा मॉडल

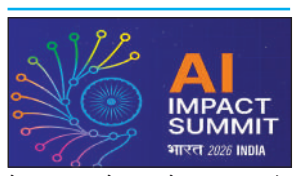

के उदाहरण के रूप में किया गया है। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में एआई संचालित प्लेटफॉर्म लागू किया गया है। इसके जरिए छात्रों के सीखने के स्तर का आकलन कर उन्हें व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लर्निंग गैप की पहचान कर समय पर सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में एआई टूल्स के उपयोग को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया गया है।

राज्य सरकार का मानना है कि एआई जैसे उभरते तकनीकी उपकरणों का लाभ केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहकर ग्रामीण अंचलों तक पहुंचना चाहिए। यही वजह है, बजट 2026-27 में भी डिजिटल और एआई आधारित पहलों पर विशेष जोर दिया गया है।

डिजिटल शिक्षा नीति को मिली मान्यता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लंबे समय से शिक्षा में डिजिटल हस्तक्षेप को प्राथमिकता दे रही है। बड़ी संख्या में सरकारी विद्यालयों और छात्रों वाले प्रदेश में तकनीक आधारित समाधान को व्यापक स्तर पर लागू करना चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय रिपोर्ट में यूपी मॉडल का जिक्र डिजिटल शिक्षा नीति की मान्यता के रूप में देखा जा रहा है।

पीपीपी मॉडल बना उदाहरण

रिपोर्ट में सरकार और स्टार्टअप के बीच सहयोग को प्रभावी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। 110 चयनित स्टार्टअप्स में शिक्षा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के उदाहरण के तौर पर उत्तर प्रदेश का उल्लेख प्रदेश की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाता है।

जेवर से उठी चिप क्रांति : योगी

3700 करोड़ की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना का शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एचसीएल-फॉक्सकॉन के संयुक्त निवेश से 2028 तक शुरू होगा उत्पादन
- 3500 रोजगार और 45 हजार करोड़ जीडीपी योगदान का अनुमान
- 'फियरलेस बिजनेस' और 'ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस' मॉडल की चर्चा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 'स्केल और स्पीड' के साथ विकास का नया मॉडल स्थापित किया है और जेवर में सेमीकंडक्टर परियोजना का शिलान्यास इसी परिवर्तन का प्रतीक है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 3700 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर परियोजना की आधारशिला रखे जाने को उन्होंने प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप भारत वैश्विक तकनीकी महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पीएम का कथन भी दोहराया "ऑयल वॉज ब्लैक गोल्ड, बट चिप इज डिजिटल डायमंड।" इस मौके पर उन्होंने कहा कि 2017 से पहले जेवर क्षेत्र अराजकता और असुरक्षा के लिए जाना जाता था, लेकिन आज यह देश का 'जेवर' बनकर उभर रहा है।

सीएम ने कहा, उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, डी-रेगुलेशन और डी-क्रिमिनलाइजेशन के माध्यम से निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। 'फियरलेस बिजनेस' और 'ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस' का इकोसिस्टम स्थापित हुआ है, जिससे प्रदेश निवेश का ड्रीम डेस्टिनेशन बना है। यह परियोजना विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की आधारशिला है।

यीडा क्षेत्र में सेमीकंडक्टर परियोजना की आधारशिला रखते मुख्यमंत्री योगी, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव व अन्य। अमृत विचार

देश की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षा का नया केंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र का जेवर अब देश की सेमीकंडक्टर महत्वाकांक्षा का नया केंद्र बनने जा रहा है। इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड की डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट (डीडीआईसी) ओसैट यूनिट के शिलान्यास के साथ उत्तर प्रदेश में 'चिप क्रांति' की नई लहर उठी है। करीब 3,700 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाली यह अत्याधुनिक इकाई वर्ष 2028 तक परिचालन में आने की उम्मीद है। इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड, एचसीएल टेक्नोलॉजिस और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप का 60 :40 संयुक्त उद्यम है। यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट (डीडीआईसी) ओसैट सुविधा होगी, जहां स्मार्टफोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल सिस्टम और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग होने वाले डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का उत्पादन किया जाएगा। संयंत्र की प्रति माह 20,000 वेफर्स प्रोसेसिंग क्षमता होगी, जिससे देश में सेमीकंडक्टर कंपोनेंट्स की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस इकाई से भारत की आयात निर्भरता घटेगी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की भूमिका मजबूत होगी। मोबाइल, टीवी और ऑटोमोबाइल डिस्प्ले में उपयोग होने वाले डीडीआईसी चिप्स के घरेलू उत्पादन से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

परियोजना से 3,500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है। साथ ही स्थानीय सप्लाई चेन विकसित होगी और वैश्विक साझेदारों का निवेश आकर्षित होगा। परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 45,000 करोड़ रुपये के जीडीपी योगदान की संभावना जताई गई है।

कौशल प्रशिक्षण में सुधार को परफॉर्मेंस बेस्ड ग्रेडिंग नीति लागू

गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रदेश सरकार का बड़ा कदम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्रेडिंग सिस्टम से तय होगी संस्थानों की रैंकिंग, बेहतर प्रदर्शन पर मिलेंगे ज्यादा लक्ष्य

अमृत विचार : प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उप्र. कौशल विकास मिशन द्वारा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए नई परफॉर्मेंस-बेस्ड ग्रेडिंग नीति लागू कर दी है।

नई नीति का उद्देश्य प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और युवाओं की रोजगार क्षमता को सशक्त बनाना है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि सरकार कौशल विकास को सीधे रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्ता आधारित प्रतिस्पर्धा से युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा इस व्यवस्था से बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को अधिक अवसर मिलेंगे, जबकि कमजोर संस्थानों में सुधार की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। नई व्यवस्था के तहत प्रशिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन हर वर्ष फरवरी के अंतिम दिन तक पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा। मार्च में ग्रेडिंग को अंतिम रूप दिया जाएगा और अप्रैल में प्रशिक्षण केंद्रों को नए लक्ष्य आवंटित होंगे। जैसे, वर्ष 2026-27 की ग्रेडिंग वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के औसत प्रदर्शन के आधार पर तय की जाएगी।

1712 संस्थान होंगे शामिल

नई नीति के दायरे में निजी प्रशिक्षण केंद्रों, राजकीय संस्थानों, दिव्यांग प्रशिक्षण केंद्रों, स्टार्टअप्स और डीडीयू-जीकेवाई सहित कुल 1712 प्रशिक्षण प्रदाता शामिल किए गए हैं।

'ए' से 'डी' तक चार श्रेणियां

मिशन निदेशक पुलकित खरे के अनुसार, केवल वे संस्थान ग्रेडिंग प्रक्रिया में शामिल होंगे, जो फरवरी तक संबद्ध हों और डिबार या ब्लैकलिस्ट न हों। उन्होंने बताया कि 40 अंकों के मानक तय किए गए हैं, इनमें 36-40 अंक प्राप्त करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों को 'ए' ग्रेड में रखा जाएगा, इसी प्रकार 30-36 अंक पर 'बी' ग्रेड, 25-30 अंक होने पर 'सी' ग्रेड और 25 से कम अंक मिलने पर 'डी' ग्रेड में स्थान मिलेगा। ग्रेडिंग नामांकन, प्रशिक्षण पूर्णता और परिणाम आधारित प्रदर्शन पर केंद्रित होगी।

वाराणसी जा रहे सपाई किए गए हाउस अरेस्ट

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख के निर्देश पर दालमंडी वाराणसी जा रहे प्रतिनिधिमंडल को लखनऊ में ही प्रशासन ने रोक लिया। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव तथा कुछ अन्य नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। नेता विरोधी दल ने कहा है कि जब हक और इंसाफ की आवाज बुलंद होती है तो सत्ता के गलियारों में बैठे लोग बेचैन हो जाते हैं।

कांग्रेस के प्रदर्शन को बताया अशोभनीय

अमृत विचार, लखनऊ : नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुई एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने को बसपा प्रमुख मायावती ने अभोभनीय करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह विदेशी प्रतिनिधियों के सामने इस तरह से प्रदर्शन करके देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म एक्स पर लिखा कि नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट हुई। इसमें देश व विदेश के काफी प्रमुख लोग आमंत्रित किए गए। यह इंवेट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में था। इस दौरान जिन कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने अर्धनग्न होकर अपना विरोध प्रदर्शन किया, अत्यंत अशोभनीय और निंदनीय हैं।

लखनऊ : राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन करते भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता। अमृत विचार

राहुल गांधी के खिलाफ भाजयुमो का प्रदर्शन, किया पुतला दहन

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता वीवीआईपी गेस्ट हाउस के सामने एकत्र हुए और वहां से कांग्रेस कार्यालय की ओर कूच किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी, जिससे मार्ग पूरी तरह जाम हो गया। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी होश में आओ और मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए तथा कांग्रेस नेता का पुतला दहन किया। प्रदर्शन का कारण इंटरनेशनल एआई समिट में कथित रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध को बताया गया। भाजयुमो उपाध्यक्ष संजय शुक्ला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की छवि धूमिल कर रहे हैं।

शिक्षामित्र और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि से 1.68 लाख परिवारों को राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अप्रैल से शिक्षामित्रों को प्रतिमाह मिलेंगे 18,000 और अंशकालिक अनुदेशकों को 17,000 रुपये

अमृत विचार : राज्य सरकार ने शिक्षामित्र और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में उल्लेखनीय वृद्धि करके लगभग 1.68 लाख कर्मियों और उनके परिवारों को राहत दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की थी कि आगामी 1 अप्रैल 2026 से प्रदेश में कार्यरत शिक्षामित्रों को 18,000 रुपये और अंशकालिक अनुदेशकों को 17,000 रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा। इस फैसले से दोनों वर्गों पर अनुमानित 1,480 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

प्रदेश में वर्तमान में 1,43,450 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिन्हें अब तक 10 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। नई नीति के अनुसार यह राशि बढ़ाकर 18,000 रुपये की गई है, जिससे प्रति शिक्षामित्र वार्षिक अतिरिक्त व्यय 88 हजार रुपये होगा। वहीं, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 24,781 अंशकालिक अनुदेशकों को 17हजार रुपये प्रतिमाह मिलेगा, जिससे इनके लिए वार्षिक अतिरिक्त व्यय लगभग 218 करोड़ रुपये होगा।

मानदेय वृद्धि से न केवल शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के जीवन स्तर में सुधार होगा, बल्कि विद्यालयों में उनकी कार्यक्षमता और मनोबल भी बढ़ेगा। इससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि की उम्मीद है।

विभिन्न जिलों के शिक्षामित्रों और अनुदेशकों ने इस फैसले का स्वागत किया। मुरादाबाद की एक शिक्षामित्र ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में 10 हजार रुपये में गुजारा करना कठिन था, अब आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद जगी है। अयोध्या के सुखजीत सिंह ने इसे लंबी समय से चली आ रही समस्याओं पर गंभीरता से लिया गया निर्णय बताया।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री एंड्रेज प्लेनकोविक का शनिवार को आगरा आगमन पर स्वागत किया। मंत्री उपाध्याय ने प्रधानमंत्री को ताजमहल और आगरा किले का भ्रमण कराया और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन क्षमता से अवगत कराया। अमृत विचार

सियासत

तीन महीने में दो बार विधान सभा घेरने के आंदोलन से पार्टी में ऊर्जा लाने की हो रही कवायद

प्रदेश में सियासी जमीन तैयार करने में जुटी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनरेगा बचाओ अभियान से अंतिम पायदान पर खड़े लोगों से जुड़ने की हो रही कोशिश
- बीते 36 साल से प्रदेश की सत्ता से बाहर रहने से बढ़ रही अकुलाहट

अमृत विचार: विधान सभा चुनावों में महज एक वर्ष रह गया है तो कांग्रेस ने भी सत्ता का 36 साल से सूखा खत्म करने के लिए सियासी जमीन तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है। पिछले तीन महीने के अंतराल में ही विधान सभा घेरने के इरादे से दो बड़े प्रदर्शन करके कार्यकताओं में जहां जोश भरने का प्रयास है, वहीं मनरेगा बचाओ अभियान और एसआईआर पर मुखर रुख अपनाकर प्रदेश के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को जोड़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि कांग्रेस के यह आंदोलन सियासी जमीन को कितना लहलहा पाते हैं, यह अभी भविष्य के गर्त में छिपा है।

देश आजाद होने के बाद उत्तर प्रदेश में गोविंद बल्लभ पंत के नेतृत्व में पहली सरकार बनी थी। इसके बाद कांग्रेस की सूबे में 11 बार सरकार बनी। इससे एक बारगी को माना जाने लगा कि कांग्रेस की सत्ता का सूरज उत्तर प्रदेश में शायद ही अस्त हो। वर्ष 1985

को हुए विधान सभा के चुनावों में कांग्रेस ने 269 सीटें जीत कर सरकार बनाई थी। लेकिन 1989 में हुए चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई। उस समय कांग्रेस को महज 94 सीटें पाकर ही संतोष करना पड़ा था। उसके बाद कांग्रेस का प्रदेश में जो ग्राफ गिरने का सिलसिला शुरू हुआ, वह आज तक जारी है। हैरत की बात तो यह है कि वर्ष 2007 के बाद तो कांग्रेस की सीटें दहाई में भी नहीं आ पाई हैं। मौजूदा समय में कांग्रेस के बाद विधान सभा में दो सीटें हैं। एक विधायक अराधना मिश्रा हैं। वह प्रतापगढ़ की रामपुर खास चुन कर आईं हैं, जबकि दूसरे विधायक वीरेन्द्र चौधरी हैं। वह महाराजगंज के फरेंदा से विधायक हैं।

> कांग्रेस ने भाजपा सरकार की गलत नीतियों के विरोध में प्रदर्शन और विधान सभा घेराव के कार्यक्रम किए हैं। इससे कार्यकर्ताओं में जोश पैदा होता है। वर्ष 2027 के चुनाव कांग्रेस पूरी दमदारी के साथ बेहतर परिणाम देगी।
>
> -अंशु अवस्थी, कांग्रेस प्रवक्ता

अब विधान सभा के 2027 के आम चुनावों की आहट शुरू हो गई है तो अब कांग्रेस ने जनता से जुड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। 18 दिसंबर -25 में कांग्रेस ने जहां संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की रक्षा के मुद्दे पर प्रदर्शन किया था। अब पांच दिन पहले 17 फरवरी को एक बार कांग्रेस मैदान में उतर गई। इस बार मनरेगा बचाओ अभियान को लेकर विधान सभा घेरने की कोशिश की गई, वहीं प्रदेश के सभी जिलों में बड़े सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इन सम्मेलनों में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय खुद शामिल हो रहे हैं।

होली से पहले मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए एफएसडीए ने किया निरीक्षण, मारे छापे
- कई जिलों में हजारों किलोग्राम सामग्री जब्त कर कराई नष्ट

अमृत विचार : आगामी होली पर्व के अवसर पर आम जनता को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य-पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने व्यापक अभियान चलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार बाजारों, इकाइयों, कोल्ड स्टोरेज, अस्थायी भट्ठियों और मंडियों में खाद्य पदार्थों की सतत निगरानी की गई।

यह जानकारी एफएसडीए की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने दी, उन्होंने शनिवार को बताया कि अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में 1,260 निरीक्षण किए गए, 432 छापों के माध्यम से 473 नमूने संग्रहीत किए गए और 80,552 किग्रा सामग्री जब्त की गई, जिसका मूल्य लगभग 1.56 करोड़ रुपये आंका गया। मानव उपभोग योग्य न होने पर 7,715 किग्रा सामग्री नष्ट कर दी गई। एफएसडीए ने जनता से अपील की है कि मिठाई या खाद्य सामग्री खरीदते समय बिल जरूर लें और संदिग्ध रंग, गंध या खुली मिठाई का उपयोग न करें। किसी भी मिलावट या संदिग्ध सामग्री की सूचना हेल्पलाइन 1800-180-5533, व्हाट्सअप नंबर 9793429747 या स्थानीय कार्यालय में दी जा सकती है।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि अभियान में छोटे या खुदरा कारोबारी उत्पीड़न का शिकार न हों और त्यौहार से दो दिन पूर्व सभी निरीक्षण कार्य पूरे कर दिए जाएं। अभियान का उद्देश्य होली के अवसर पर जनमानस को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सत्यमेव जयते
Government of the National Capital Territory of Delhi

दिल्ली – NCR के करोड़ों लोगों के लिए बहुत बड़ा उपहार

₹12,930 करोड़ की परिवहन परियोजनाओं से होगा जीवन आसान

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री
के कर कमलों द्वारा

भारत के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS)

के सराय काले खाँ से न्यू अशोक नगर (5 किमी) और मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी) खंड के उद्घाटन के साथ

दिल्ली–मेरठ नमो भारत के सम्पूर्ण कॉरिडोर

का राष्ट्र को समर्पण

नमो भारत RRTS की मुख्य विशेषताएँ

- अब दिल्ली से मेरठ केवल 59 मिनट में जाना होगा संभव; पहले लगते थे 2–3 घंटे
- सराय काले खां से गाजियाबाद केवल 21 मिनट में
- दिल्ली से तेज गति से जुड़ेंगे साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर तथा मेरठ के बेगमपुल और मोदीपुरम जैसे शहरी केंद्र
- 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति
- हर 10 मिनट पर 6–कोच की ट्रेन उपलब्ध

और

मेरठ मेट्रो

मेरठ साउथ से मोदीपुरम (21 किमी) का उद्घाटन

मेरठ मेट्रो की मुख्य विशेषताएँ

- केवल 30 मिनट में पूरा होगा मेरठ साउथ से मोदीपुरम का 21 किमी का सफर
- 135 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति : मेरठ में मेट्रो के 12 स्टेशन
- हर 10 मिनट पर 3–कोच की ट्रेन

- देश में पहली बार एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माणः मेरठ में नमो भारत सेमी हाई स्पीड रीजनल रेल के साथ मेट्रो का भी संचालन
- शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के बढ़ेंगे अवसर, दिल्ली से जुड़ेंगे मेरठ के मुख्य बाजार
- स्टेशनों और ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रावधान
- जाम और प्रदूषण पर लगेगा अंकुश; लगभग एक लाख निजी वाहन सड़कों से होंगे कम
- सभी मेट्रो स्टेशनों और नमो भारत स्टेशनों पर पीने के पानी और वॉशरूम की निःशुल्क सुविधा

रविवार 22 फरवरी, 2026 दोपहर 01:00 बजे

स्थानः रैली ग्राउंड, न्यू टाउनशिप योजना, मोहिउद्दीनपुर, मेरठ (उत्तर प्रदेश)

गरिमामयी उपस्थिति

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

श्री मनोहर लाल
माननीय केंद्रीय मंत्री, आवासन और शहरी कार्य और विद्युत

श्री वी के सक्सेना
माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली

श्रीमती रेखा गुप्ता
माननीया मुख्यमंत्री, दिल्ली

श्री तोखन साहू
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य

श्री हर्ष मल्होत्रा
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, सड़क परिवहन और राजमार्ग

श्री अरुण गोविल
माननीय सांसद, लोकसभा

श्री लक्ष्मीकांत बाजपेयी
माननीय सांसद, राज्य सभा

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

DD NEWS
डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

CBC 44101/13/0012/2526

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर जी"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित

एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

वाप्कोस के परियोजना प्रबंधक समेत आठ पर एफआईआर

ठेका दिलाने और बिल पास कराने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केंद्र सरकार के उपक्रम वाप्कोस लिमिटेड में कथित रिश्वतखोरी के मामले में परियोजना प्रबंधक समेत आठ लोगों के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) लखनऊ ने एफआईआर दर्ज की है। मामले की जांच सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि निर्माण कार्यों में ठेका दिलाने, स्वीकृत पत्र (एलओए) जारी कराने और बिल भुगतान के नाम पर वसूली का संगठित गिरोह सक्रिय था।

- सीबीआई लखनऊ में दर्ज हुई रिपोर्ट जांच शुरू

सीबीआई लखनऊ इकाई में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार भुवनेश्वर स्थित वाप्कोस लिमिटेड के परियोजना कार्यालय में तैनात परियोजना प्रबंधक पंकज दुबे ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों भाबद्युति भूटिया और अभिषेक ठाकुर के साथ मिलकर ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने की साजिश रची। निविदा प्रक्रिया से लेकर एलओए जारी करने और बिल पारित कराने तक कथित रूप से अवैध वसूली की जाती थी। कंपनी का कॉर्पोरेट कार्यालय गुरुग्राम में है, जबकि परियोजना कार्यालय जयदेव विहार, भुवनेश्वर में स्थित है, जहां से निर्माण परियोजनाओं की निगरानी की जाती है।

ठेकेदार और बिचौलिये सक्रिय

जांच में ठेकेदार बबलू सिंह यादव, उनके सहयोगी रामेश्वर चतुर्वेदी और बिचौलिया गोपाल मिश्रा की भूमिका सामने आई है। आरोप है कि गोपाल मिश्रा उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर के ठेकेदारों से संपर्क स्थापित करते थे और आंतरिक दस्तावेज, आगामी परियोजनाओं की जानकारी, लागत और रूपरेखा चहेते ठेकेदारों तक पहुंचाते थे। ऐसे ठेकेदारों से निविदा का एक प्रतिशत तत्काल बिचौलिये को देने की शर्त रखी जाती थी। जांच एजेंसी को जानकारी मिली है कि ओडिशा के रायगढ़ा में इमली प्रसंस्करण इकाई के निर्माण से संबंधित निविदा में गाजीपुर निवासी बबलू सिंह यादव की फर्म ने भाग लिया था। 13 जनवरी 2026 को लगभग 11.81 करोड़ रुपये का ठेका उन्हें आवंटित किया गया और उसी दिन अनुबंध पत्र (एलओए) पर हस्ताक्षर हुए। आरोप है कि ठेका आवंटन से पहले रिश्वत की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी और बिचौलियों के माध्यम से लगातार संपर्क बना रहा।

6 प्रतिशत की दर से वसूली

जांच में सामने आया कि ठेका दिलाने के लिए निविदा मूल्य का करीब 6 प्रतिशत तक रिश्वत मांगी जाती थी। इसके अलावा एलओए जारी कराने के लिए लगभग 4 प्रतिशत और बिलों को संसाधित व पारित करने के दौरान करीब 3 प्रतिशत तक अवैध भुगतान की मांग की जाती थी। आरोप है कि अभिषेक ठाकुर रिश्वत देने को तैयार ठेकेदारों की व्यवस्था करते थे, जबकि भाबद्युति भूटिया निविदाओं को अनुकूल रूप से प्रोसेस करने और भुगतान प्रक्रिया में सुविधा देने का काम देखते थे।

अवैध कमाई का नियोजन

आरोप है कि परियोजना प्रबंधक पंकज दुबे की अवैध कमाई के नियोजन का काम राहुल वर्मा देखता था। उनके भाई पवन दुबे के माध्यम से देवरिया में संपत्तियां खरीदी गईं और निर्माण कार्य कराए गए। सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा की जांच में पुष्टि होने के बाद साक्ष्यों के आधार पर पंकज दुबे, भाबद्युति भूटिया, अभिषेक ठाकुर, बबलू सिंह यादव, रामेश्वर चतुर्वेदी, गोपाल मिश्रा, पवन दुबे और राहुल वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच एसीपी को सौंपी गई है।

हवाला के जरिए लेनदेन

जांच में यह भी सामने आया कि कुल मिलाकर निविदा मूल्य का करीब 13 प्रतिशत तक रिश्वत दिए जाने की बात प्रकाश में आई है। अग्रिम राशि का एक हिस्सा वाराणसी में हवाला के जरिए दिए जाने की पुष्टि हुई। शेष राशि के लिए बबलू सिंह यादव ने रामेश्वर चतुर्वेदी से कई बार संपर्क किया। फरवरी 2026 में परियोजना प्रबंधक ने लखनऊ में रकम उपलब्ध कराने को कहा। 16 फरवरी की मुलाकात में नकद लेने से इनकार करते हुए रकम दूसरे व्यक्ति को देने को कहा गया। इसके लिए अलग सिम और मोबाइल की व्यवस्था की गई। 20 फरवरी को 10 लाख रुपये की डिलीवरी के लिए राहुल वर्मा के सहयोगी शुभम पाल से संपर्क कर पीजीआई क्षेत्र के तेलीबाग में रकम उपलब्ध कराई गई।

पक्षी विहार में शैक्षणिक भ्रमण पर आए युवा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. ईको पर्यटन विकास बोर्ड (यूपीईटीडीबी) की ओर से 21 फरवरी 2026 को 'युवा पर्यटन' कार्यक्रम के तहत शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार, नवाबगंज (उन्नाव) में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित भ्रमण में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, एसजीपीजीआई, लखनऊ के लगभग 60 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जीआरपी के प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण करते डीजीपी राजेश कृष्ण और एडीजी प्रकाश डी.। अमृत विचार

रेल यात्रियों की सुरक्षा जीआरपी के लिए चुनौती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीजीपी व एडीजी ने संयुक्त रूप से किया जीआरपी लोगो का लोकार्पण

अमृत विचार : डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि प्रदेश में रेलवे का बड़ा नेटवर्क है। रेलवे ट्रैक की लंबाई 16,000 किमी और 1,550 स्टेशन हैं। प्रतिदिन रेलवे में 30 लाख लोग यात्रा करते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा करना जीआरपी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

डीजीपी शनिवार को पुलिस पुलिस मुख्यालय के सभागार में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की ओर से आयोजित रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा–उभरती चुनौतियां, विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला "अंकुश" में बोल रहे थे। इस दैरान उन्होंने जीआरपी के "लोगो" (प्रतीक चिन्ह) का भी लोकार्पण किया। प्रतीक चिन्ह पर जीआरपी यूपी लिखा गया है। उन्होंने कहा कि जीआरपी प्रदेश में छह अनुभाग और 65 थानों में विभाजित है। इस अवसर पर उन्होंने जीआरपी के सभी अधिकारियों शुभकामनाएं देते हुए 'सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा' के संकल्प को दोहराया।

एडीजी (जीआरपी) प्रकाश डी. ने कहा कि राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा जहां यात्रियों की सुरक्षा की जा रही है, वहीं रेलवे स्टेशनों पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। गोष्ठी को आरपीएफ के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त देवांश शुक्ला, प्रयागराज के एसपी प्रशांत वर्मा, सहायक आयुक्त राजीव रंजन, एटीएफ के एडीशनल एसपी विशाल विक्रम सिंह, एनसीबी के जोनल डायरेक्टर शैलेन्द्र कुमार और मदर फाउंडेशन के राजेश मणि ने भी संबोधित किया। इस दौरान आईजी आरके भारद्वाज, एन. कोलांची, एडीशनल एसपी अनिल कुमार आदि अधिकारी और पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

एआई आधारित प्रिडेक्टिव मेंटीनेंस प्रणाली से होगी रोडवेज बसों की मरम्मत

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपी रोडवेज) ने पहली बार अपनी बसों के लिए प्रिडेक्टिव मेंटीनेंस (पूर्वानुमान आधारित मरम्मत) प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया है। इस नई पहल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे बसों की खराबी आने से पहले उसकी निगरानी की जा सकेगी और समय रहते उसे दुरुस्त किया जा सकेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा यूपी रोडवेज के डिपो मैनेजमेंट सिस्टम को स्वीकृति मिल चुकी है, जिसके तहत यह एआई आधारित प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी। इस तकनीक से बसों की वर्कशॉप में खड़े रहने की अवधि कम होगी, संचालन में दक्षता बढ़ेगी, और ईंधन व रखरखाव की लागत में कमी आएगी। अब तक यूपी रोडवेज की 15-30 प्रतिशत बसें मरम्मत के अभाव में कार्यशालाओं में खड़ी रहती थीं।

शिया जामा मस्जिद में 24 रमजान को शुरू होगा तीन दिवसीय एतिफाक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : तहसीनगंज स्थित शिया जामा मस्जिद में रमजान में होने वाला तीन दिवसीय एतिफाक कार्यक्रम 24 रमजान (14 मार्च) से शुरू होगा। यह एतिफाक का 28वां साल है।

मौलाना शाहकार जैदी ने बताया कि रमजान मुबारक की महत्वपूर्ण इबादत एतिफाक को करने का हुक्म अल्लाह ने अपनी किताब कुरान मजीद में दिया और लखनऊ की शिया जामा मस्जिद तहसीनगंज में पिछले 27 वर्षों से हर वर्ष रमजान के पवित्र महीने की आखिरी तारीखों यह इबादत होती चली आ रही है।

मस्जिद के पूर्व पेश इमाम मौलाना सैय्यद अली कासिम रिजवी और पूर्व डिप्टी एसपी रिजवान हैदर की कोशिशों से शाही जामा मस्जिद में वर्ष 1999 में पहली बार इस महत्वपूर्ण इबादत का सफल आयोजन किया गया। एतिफाक में पिछले लगभग 25 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे शाहकार जैदी ने बताया कि इस वर्ष एतिफाक 24, 25 व 26 रमजान (14, 15 व 16 मार्च 2026) को किया जायेगा। एतिफाक के दौरान मस्जिद में ठहरने वाले रोजदारों को शिया धर्मगुरुओं द्वारा कुरान का पाठ कराने के साथ ही धार्मिक ग्रंथों और इस्लाम धर्म से सम्बन्धित बातों की जानकारी दी जाती है जिसमें एतिफाक में बैठने वालों को बहुत सी जानकारियों के साथ इस्लाम के नाम पर समाज में फैली भ्रांतियों और उनसे बचने के उपाय की जानकारी भी प्राप्त होती है।

एतिफाक कार्यक्रम की जानकारी देते मौलाना शाहकार जैदी।

तीन दिन तक रोजेदार एतिकाफ करने के लिये मस्जिद में ही ठहरते हैं और अल्लाह की इबादत करते हुए अपने लिये, अपने परिवार के लिये, समाज के लिये और देश व दुनिया के कल्याण के लिये दुआएं मांगते हैं। उन्होंने बताया कि एतिकाफ में बैठने की पहली शर्त यही है कि जो इसमें भाग लेना चाहता है उस पर रोज़ा अनिवार्य होता है बिना रोज़ा रखे एतिफाक नहीं कर सकता।

इस वर्ष भी एतिकाफ में भाग लेने के लिये एक फार्म पिछले वर्ष की तरह भरना अनिवार्य होगा और जिसके लिये अपनी एक पासपोर्ट साइज़ फोटो और आधार की कापी लाना होगा, जिसका कोई शुल्क नही है। एतिकाफ में भाग लेने के लिये 24 रमज़ान की सहरी के समय यानि सुबह की आज़ान से पहले मस्जिद में प्रवेश करना होगा। एतिकाफ के दौरान रोजेदारों के लिये तीन दिन तक सहरी, इफ़्तारी व शाम के खाने का इंतेज़ाम मस्जिद के मोमिनीन की तरफ से किया जाता है।

एतिफाक का इंतजाम विकार हैदर रिज़वी पूर्व डिप्टी एसपी, महमूद अख्तर, शकील रिज़वी, रफीक, शाहिद काज़मी, इंजीनियर अहमद रज़ा, इंजीनियर यावर हुसैन, मज़हर हुसैन, मोहम्मद रजा, उर्फी, आशू जैदी, फैसल रिजवी, आरिफ, अर्शी जैदी, हैदर हुसैन आदि करेंगे।

रोजा रखने से अगर मौत का अंदेशा हो तो रोजा हराम है

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रमजान की तीन तारीख को इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया और कार्यालय आयतुल्लाह अल उज़मा सैयद सादिक़ हुसैनी शीराजी की ओर से संचालित हेल्पलाइन पर रोजेदारों के सवालों का जवाब दिया गया। इन हेल्पलाइन के जरिये रोजेदारों को दीनी और शरई समस्याओं के सम्बन्ध में होने वाली शंकाओं का निराकरण किया जाता है।

एक रोजेदार ने इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया की हेल्पलाइन पर पूछा कि एक शख्स को दांत में बहुत तकलीफ है, क्या वह रोजे की हालत में दांत उखड़वा सकता है ? इस सवाल के जवाब में बताया गया कि हलक में खून और दवा जाने का खतरा न हो तो दांत उखड़वाया जा सकता है।

हेल्पलाइन के सामने एक सवाल आया कि क्या नाबालिग लड़का तरावीह की नमाज की इमामत कर सकता है? इस सवाल के जवाब में बताया गया कि इमामत के लिए बालिग होना शर्त है। एक सवाल आया कि रोजा अफ्तार किस चीज़ से करना बेहतर है? जवाब में बताया गया कि खुजूर से करना बेहतर है, अगर खुजूर न हो तो किसी भी चीज से किया जा सकता है। इस हेल्पलाइन पर मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली के मार्गदर्शन में धर्मगुरुओं के पैनल ने जवाब दिए।

हेल्पलाइन पर रोजेदारों ने पूछे सवाल

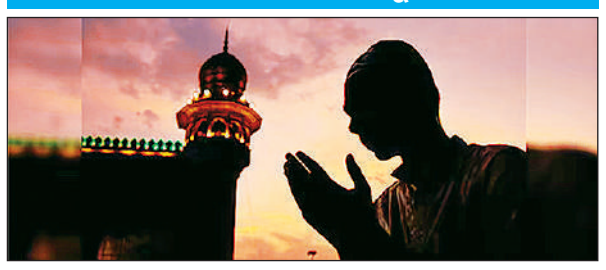

आयतुल्लाह आयतुल्लाह अल उज़मा सैयद सादिक़ हुसैनी शीराजी की ओर से जारी शिया हेल्पलाइन पर मौलाना सैयद सैफ अब्बास नक़वी ने जवाब दिए। इस हेल्पलाइन पर एक सवाल आया कि अगर किसी व्यक्ति को यह गुमान हो कि रोज़ा रखने से उसे नुक्सान होगा, तो क्या ऐसे व्यक्ति के लिए रोज़ा रखना जायज़ है? इस सवाल के जवाब में बताया गया कि अगर कोई व्यक्ति बर्दाश्त नहीं कर सकता तो रोज़ा सही नहीं है लेकिन अगर वह नुकसान मौत वगैरह का कारण बनने वाला हो, तो रोज़ा रखना हराम है।

एक सवाल आया कि अगर कोई व्यक्ति सहरी खाकर सो जाए लेकिन सुबह की नमाज न पढ़े, तो क्या उसका रोज़ा टूट जाएगा या मकरूह होगा ? इस सवाल के जवाब में बताया गया कि रोज़ा न तो बातिल होगा और न ही मकरूह लेकिन वह नमाज़ कज़ा करने का गुनहगार होगा।

हेल्पलाइन पर पूछा गया कि अगर कोई व्यक्ति खुम्स दिए बिना कोई जायदाद खरीदता है, तो क्या हुक्म है ? इसके जवाब में बताया गया कि खुम्स वाजिब है, उसे अदा करना चाहिए। अगर व्यापार के उद्देश्य से जायदाद खरीदी है, तो जब उसे बेचेगा तब खुम्स अदा करना होगा।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 22 फरवरी 2026 www.amritvichar.com

त्योहार में मनमुटाव दूर कर लगाएं अपनों को गले

आज मानसिक अकेलापन और पारिवारिक दूरी बढ़ रही है। ऐसे में होली जैसे त्योहार हमें साथ बैठने, हंसने, गले मिलने और संवाद करने का अवसर देते हैं। होली का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होता है, जब हम केवल चेहरों को नहीं, बल्कि अपने संबंधों को भी स्नेह और विश्वास के रंगों से रंगें। रिश्ते मनुष्य के जीवन की वह अमूल्य धरोहर हैं, जिनके बिना जीवन अधूरा लगता है। धन, पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियां जीवन को बाहरी चमक दे सकती हैं, परंतु आत्मिक संतोष केवल अपनेपन से भरे रिश्तों से ही मिलता है। फिर भी विडंबना यह है कि आज के समय में सबसे अधिक उपेक्षित यदि कुछ है, तो वह रिश्ते ही हैं। व्यस्त दिनचर्या, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता ने संबंधों की आत्मीयता को कम कर दिया है। ऐसे परिवेश में होली केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि रिश्तों को पुनर्जीवित करने का सशक्त माध्यम बनकर सामने आती है।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

होली का वास्तविक सौंदर्य रंगों की चकाचौंध में नहीं, बल्कि उन भावनाओं में छिपा है, जो यह हमारे भीतर जगती हैं। जब कोई अपने हाथों से किसी के चेहरे पर गुलाल लगाता है, तो वह केवल रंग नहीं, बल्कि अपनत्व का स्पर्श देता है। यह स्पर्श कहता है "तुम मेरे जीवन का हिस्सा हो।" रिश्तों की मजबूती इसी स्वीकार और अपनत्व में निहित होती है। वर्ष भर के मनमुटाव, गलतफहमियां और दूरी इस एक दिन में सच्चे मन से की गई पहल से समाप्त हो सकती हैं। जब रिश्तों में संवाद कम हो जाता है, तो पकवानों की मिठास भी फीकी पड़ जाती है। पहले त्योहारों पर पूरा परिवार रसोई में एक साथ जुटता था, कोई आटा गूंधता, कोई भरावन तैयार करता, कोई चाशनी बनाता। उस सामूहिक श्रम में जो हंसी और बातचीत होती थी, वही असली मिठास थी। आज पकवान बाजार से आ जाते हैं, लेकिन साथ बैठने और साथ बनाने का आनंद कहीं खो गया है। रिश्तों की दूरी ने त्योहारों की आत्मा को भी प्रभावित किया है। जब मन में मनमुटाव हो, तो मिठाई का स्वाद भी वैसा नहीं लगता। यदि परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे हों, तो थाली में सजी मिठाइयां भी केवल औपचारिकता बनकर रह जाती हैं। पकवानों की सच्ची मिठास तब प्रकट होती है, जब दिलों में भी मिठास हो।

जरूरी है 'तुम मेरे अपने हो का भाव'

आज के आधुनिक युग में परिवार छोटे होते जा रहे हैं, संयुक्त परिवार की परंपरा कम होती दिख रही है। एक ही घर में रहते हुए भी लोग अलग-अलग कमरों और अलग-अलग दुनिया में सिमट गए हैं। ऐसे में रंगों का यह पर्व रिश्तों की दूरी मिटाने का एक सुंदर माध्यम बनता है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह संदेश देते हैं कि "तुम मेरे अपने हो, मेरे जीवन के रंग हो।" यह भाव ही रिश्तों को मजबूती देता है। रसोई की तैयारियों से लेकर रंग खेलने तक, हर गतिविधि में सहभागिता होती है। यह सहभागिता केवल कार्य की नहीं, बल्कि भावनाओं की साझेदारी होती है। जब परिवार साथ हंसता है, साथ खेलता है, तब संबंधों में नई ऊर्जा आती है।

रिश्तों में नई ऊर्जा का संचार

मित्रता के लिए भी होली एक नया अध्याय खोलती है। कभी-कभी गलतफहमियों के कारण मित्रता में दूरी आ जाती है। होली उस दूरी को मिटाने का अवसर देती है। एक हंसी, एक रंग और एक सच्ची बातचीत से वर्षों पुरानी दोस्ती फिर से जीवित हो सकती है। यही इस पर्व की सबसे बड़ी शक्ति है, रिश्तों में नई ऊर्जा भर देना। समाज के स्तर पर भी होली रिश्तों को जोड़ने का माध्यम बनती है। पड़ोसी, सहकर्मी और परिचित लोग इस दिन औपचारिकता छोड़कर आत्मीयता से मिलते हैं। कई बार जिन लोगों से पूरे वर्ष केवल नमस्ते तक सीमित बातचीत होती है, वे भी इस दिन गले मिलते हैं। यह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर है। जब समाज में लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं, तभी विश्वास और सहयोग की भावना बढ़ती है।

त्योहारों के मूल में समाज को जोड़ना

त्योहारों का मूल उद्देश्य समाज को जोड़ना था और यह परंपरा भारत में सदियों से चली आ रही है। हमारे पौराणिक ग्रंथों में भी प्रेम और एकता का संदेश मिलता है। जैसे रामायण में श्रीराम और उनके भाइयों के बीच का प्रेम केवल रक्त संबंध नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और विश्वास का प्रतीक है। इसी प्रकार महाभारत में संबंधों की जटिलताओं के बीच भी भाईचारे और धर्म का महत्व बताया गया है। इन ग्रंथों की शिक्षाएं हमें सिखाती हैं कि रिश्तों की रक्षा और पोषण करना ही जीवन का सच्चा धर्म है। होली का दार्शनिक पक्ष अत्यंत गहरा है। जब प्रह्लाद की आस्था अग्नि में भी सुरक्षित रहती है और होलिका का अहंकार भस्म हो जाता है, तब यह कथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं रह जाती, बल्कि जीवन का प्रतीक बन जाती है। यह बताती है कि रिश्तों में भी यदि विश्वास और सत्य का आधार हो, तो कोई भी कठिनाई उन्हें तोड़ नहीं सकती। वहीं अहंकार और द्वेष अंततः स्वयं को ही नष्ट कर देते हैं। आज जब छोटी-छोटी बातों पर संबंध टूट जाते हैं, तब यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। यह कहना उचित होगा कि रंगों का यह उत्सव हमें केवल क्षणिक आनंद देने के लिए नहीं आता, बल्कि यह हमारे भीतर छिपी संवेदनाओं को जगाने का कार्य करता है। आज जब रिश्ते समय के अभाव, अहंकार, अपेक्षाओं और गलतफहमियों के कारण कमजोर पड़ते जा रहे हैं, तब यह पर्व हमें याद दिलाता है कि संबंधों की नींव प्रेम, धैर्य और विश्वास पर टिकती है। यदि इन मूल्यों को हम अपने व्यवहार में शामिल कर लें, तो जीवन की अनेक समस्याएं स्वयं ही हल हो सकती हैं।

जीवन में रंग भरती है रिश्तों की सुदृढ़ता

कल्पना कीजिए एक ऐसे घर की, जहां दो भाई वर्षों से आपस में बात नहीं कर रहे। संपत्ति के छोटे से विवाद ने उनके बीच दीवार खड़ी कर दी। मां हर त्योहार पर दोनों को साथ देखने की इच्छा करती है, पर उसके आंगन में सन्नाटा पसरा रहता है। होली के दिन जब मोहल्ले में ढोल की आवाज गूंजती है, तो छोटा भाई साहस करके बड़े भाई के दरवाजे पर जाता है। हाथ में बस थोड़ी-सी गुलाल होती है। बिना कुछ कहे वह बड़े भाई के चरण छूता है और कहता है, "भैया, होली है चलो सब भूल जाते हैं।" उस क्षण बड़े भाई की आंखें भीग जाती हैं। एक मुट्ठी रंग वर्षों की दूरी को पिघला देती है। यह केवल रंग नहीं, बल्कि रिश्ते की पुनर्स्थापना है। आज के समय में सामान्य उदाहरण देखने में आता है कि एक बुजुर्ग दंपति, जिनका बेटा नौकरी के कारण दूसरे शहर में बस गया है। फोन पर बातें होती हैं, पर वह अपनापन नहीं मिल पाता। होली के दिन बेटा अचानक घर पहुंच जाता है। मां के हाथ की बनी गुजिया और पिता के साथ खेला गया रंग, इन छोटे-छोटे क्षणों में वर्षों की दूरी मिट जाती है। मां कहती है, "आज घर सच में रंगों से भर गया।" यह रंग दीवारों पर नहीं, दिलों में चढ़ा होता है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में लोग सफलता की दौड़ में इतने व्यस्त हो गए हैं कि उनके पास अपनों के लिए समय ही नहीं बचता, लेकिन जब त्योहार आता है, तो वह हमें रुकने और सोचने का अवसर देता है कि जीवन केवल उपलब्धियों का नाम नहीं, बल्कि रिश्तों का संगम है। रंगों के माध्यम से हम यह स्वीकार करते हैं कि हमारे जीवन में जो लोग हैं, वही हमारी असली पूंजी हैं। वर्तमान समाज में तनाव और मानसिक दबाव भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में आपसी स्नेह और हंसी-खुशी मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। जब लोग मिलकर त्योहार मनाते हैं, तो उनके भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह ऊर्जा रिश्तों को सुदृढ़ बनाती है और जीवन में नई उमंग भर देती है।

डिजिटल जुड़ाव और मानसिक अपनत्व

आज के समय में मानसिक तनाव और अकेलापन एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। लोग भीड़ में रहकर भी अकेलापन महसूस करते हैं, क्योंकि उनके संबंधों में आत्मीयता की कमी है। ऐसे में यह पर्व हमें मिलकर हंसने, खुलकर बात करने और दिल से जुड़ने का अवसर देता है। जब रिश्तों में गर्माहट होती है, तो जीवन की कठिनाइयां भी हल्की प्रतीत होती हैं। हमें यह समझना होगा कि रंगों का महत्व तभी है, जब वे स्थायी हों। यदि हम केवल एक दिन उत्सव मनाकर फिर से दूरी बना लें, तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आवश्यक है कि हम इस पर्व की भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारें, परिवार को समय दें, मित्रों से संवाद बनाए रखें, बुजुर्गों का सम्मान करें और समाज में सौहार्द का वातावरण बनाएं। आज जब हम सोशल मीडिया के माध्यम से सैकड़ों लोगों से जुड़े रहते हैं, तब भी मन के भीतर एक खालीपन महसूस होता है। इसका कारण यह है कि डिजिटल जुड़ाव वास्तविक अपनत्व का स्थान नहीं ले सकता। रंगों का यह पर्व हमें वास्तविक मिलन का अवसर देता है। यह हमें घर से बाहर निकलकर अपने पड़ोसियों, मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने, गले लगाने और मनमुटाव भूलने का अवसर प्रदान करता है।

संवाद की अहम भूमिका

रिश्तों में संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जब बातें रुक जाती हैं, तब गलतफहमियां जन्म लेती हैं। होली मिल-बैठने का अवसर देती है। इस दिन लोग औपचारिकता छोड़कर खुलकर हंसते हैं, बातें करते हैं और दिल की गांठें खोलते हैं। यह खुलापन ही रिश्तों की मजबूती का आधार है। जब मन हल्का होता है, तब संबंध भी सहज हो जाते हैं। परिवार के भीतर भी होली संबंधों को गहराई देती है। आज की व्यस्त जीवनशैली में परिवार के सदस्य साथ होते हुए भी अलग-अलग दुनिया में खोए रहते हैं। होली सबको एक साथ खड़ा कर देती है। बड़े, छोटे, बच्चे, बुजुर्ग सभी एक ही रंग में रंग जाते हैं। यह दृश्य केवल उत्सव का नहीं, बल्कि समानता और आत्मीयता का प्रतीक है। उस क्षण कोई बड़ा या छोटा नहीं रहता, सब एक-दूसरे के अपने बन जाते हैं। यही भावना रिश्तों को स्थायित्व देती है।

आपस में विश्वास और सौहार्द

रंगों का यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि जैसे हर रंग का अपना महत्व है, वैसे ही हर रिश्ता भी विशेष है। कोई रिश्ता मित्रता का है, कोई भाईचारे का, कोई माता-पिता का, तो कोई पड़ोसी का। सभी मिलकर जीवन को पूर्णता देते हैं। यदि किसी एक रंग की कमी हो जाए, तो चित्र अधूरा लगने लगता है। ठीक उसी प्रकार यदि किसी रिश्ते में दूरी आ जाए, तो जीवन में खालीपन महसूस होता है। आज के समय में समाज को सबसे अधिक आवश्यकता है आपसी विश्वास और सौहार्द की। धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक भिन्नताओं के बीच यदि कोई चीज हमें जोड़ सकती है, तो वह है प्रेम और अपनत्व। यह त्योहार इसी प्रेम का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में रंग तभी खिलते हैं, जब हम अपने रिश्तों को सहेजते हैं।

रंगों के साथ रिश्तों को भी जोड़ें

जीवन का हर रंग रिश्तों से है। रिश्तों के ये इंद्रधनुषी रंग जीवन को तो सजाते ही हैं, दिलों को भी करीब लाते हैं। होली के रंग भी कुछ ऐसे ही होते हैं, जिनकी आभा ही कुछ ऐसी होती है कि पूरा परिवेश उमंग से भर उठता है। होली का पर्व इसी रंगीन उमंग और उल्लास को साथ लाता है, जिससे हर ओर आनंद छा जाता है। होली में मस्ती और हास्य-ठिठोली का माहौल बन जाता है। रिश्तों के नए रंग में रंग जाने का अवसर होता है होली, जिसमें तल्खियों की जगह प्यार और दुलार भरा होता है। यही वजह है कि ये पर्व संबंधों के रंग सहेजने का उत्सव भी है। साथ ही एक साथ सतरंगी आभा के मेलजोल की मस्ती में खो जाने का त्योहार है।

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ लेखिका

आनंद और उल्लास की दस्तक

होली संभवत दुनियाभर का एक अकेला ऐसा त्योहार है, जिसमें इंसान ही नहीं धरती भी रंगों से श्रृंगारित होती है। यह मौसम रिश्तों में भी नया रंग भरने का संदेश भी साथ लाता है। असल में होली के पर्व का प्रकृति और मन से भी सीधा संबंध है। इसीलिए होली के रंग दिलों की दूरियां ही नहीं मिटाते हैं। अपनों को करीब भी लाते हैं। होली के त्योहार में उत्सवधर्मिता के रंग बिखरते हैं, वे मानवीय और पारिवारिक मूल्यों को भी जीवंत बना देते हैं। आपसी प्रेम, एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने वाला यह रंगीन त्योहार हर रिश्ते को सहेजने की सीख देता है। ऐसी ही मानवीय मूल्यों की परंपरा और एकता को होली के त्योहार ने सहेज रखा है, क्योंकि सामाजिक रूप से एक-दूजे से जुड़ाव रखना और सुख-दुख में भागीदार बनना हमारी परंपरा और संस्कृति को जिंदा रखने का जरिया हैं। आनंद और रंगों की उमंगों के बीच व्यवहार और विचार की नकारात्मकता उड़न छू हो जाती है। सब कुछ भूल जाने का निराला उत्सव, जो आंतरिक उल्लास को जीने का मौका देता है। चारों तरफ रंगों की फुहार फूट पड़ती है, तो मन भी हर्ष और उल्लास में डूब जाता है। वसंत ऋतु में हर ओर छाई सतरंगी छटा का ये पर्व सही मायने में जीवन में जिंदगी में रंग भरने का त्योहार है। ऐसे में गुलाल की चुटकी संग गिले-शिकवे मिटाने का एक कदम आप भी उठाएं।

परंपराओं का मानवीय पहलू

अपनी माटी से जोड़ने वाला होली का त्योहार मन के भेद मिटाने का पर्व होता है। अवसाद, अकेलेपन और कई मोर्चों पर बढ़ती विषमता के दौर में हर ऊंच-नीच और भेदभाव से परे यह उत्सव और खास हो जाता है। रीति-रिवाज एक रंग हमें एक सूत्र में बांधते प्रतीत होते हैं। इस पर्व पर हमारी कई आंचलिक परंपराओं और लोकजीवन की झांकियों में जुड़ाव के ऐसे ही मानवीय रंग देखने को मिलते हैं। देश के हर हिस्से में होली के मौके पर ढोलक-झांझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूबकर लोकगीत गाए जाते हैं। मेलजोल की रंगीन संस्कृति में सब एक हो जाते हैं। बरसाने की लठमार होली हो या वृंदावन में फूलों से खेली जाने होली। कहीं ठंडाई घुटती है, तो कहीं गुझिया की मिठास अपनी ओर खिंचती है। फागुन की इस ऋतु में एक ओर बसंत के रंग खिले होते हैं, तो दूसरी ओर गुलाल से सराबोर परिवेश खुशियों की उमंग और तरंग में डूबा होता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। घर-घर जाकर रंग लगाने की परंपरा सारी कटुता भुला देती है। तभी तो बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को होली का इंतजार रहता है। मस्ती की धुन में हर कोई झूमता नजर आता है। निश्चल प्रेम और ठिठोलियों के साथ लगते ठहाके 'वसुधैव कुटुंबकम्' के भाव को साकार करते नजर आते हैं। यही वजह है कि राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी माना जाता है।

सामाजिक समरसता की दस्तक

होली का त्योहार बहुत से भावनात्मक रंगों को संजोए रहता है। मस्ती और उमंग से लबरेज इस त्योहार को हर उम्र के लोग पूरे मन से मनाते हैं। होली के पर्व का मूल संदेश ही भाईचारे का है, जो आपसी जुड़ाव और समझ और सामाजिकता को बढ़ावा देता है। कहते हैं कि जब मन से मन मिलता है, तो ही होली का रंग खिलता है। ये खिले-खिले रंग हमें हमारे परिवार और समाज के करीब खींच लाते हैं। आपसी कड़वाहट भुलाकर बस एक ही रंग में रंग जाने का संदेश देने वाली होली के पर्व को एक साथ मिलजुल कर मनाने का उल्लास और उमंग देखते ही बनता है। इंसान की इंसान से जुड़ने की सोच सामाजिकता का आधार बन इस त्योहार को और रंगीन बना देती है। सब गिले-शिकवे भूलकर गुलाल के रंग में रंग एक हो जाते हैं। यह त्योहार सिखाता है कि अपने अहंकार और अपनों की नाराजगी को दूर करने से जीवन में नए रंग भर सकते हैं। घर-परिवार, दोस्ती या रिश्तेदारी, आप भी इस रंगों की दस्तक के इस पर्व पर रूठे अपनों को मनाने का कदम उठाएं। समाज में सद्भाव को पोसने वाला सतरंगी भाव जगाएं। टूटते-बिखरते मन के इस दौर में होली के हुड़दंग में किसी अपने-पराए की खामोशी को सुनने का प्रयास आवश्यक है।

सुख-सामंजस्य का भाव

जिस तरह होली के त्योहार की जान रंग है, उसी तरह रिश्तों की जान है अपनापन और आपसी सामंजस्य। चारों और बिखरे होली रंग भी रिश्तों में नई रौनक लाते हैं। होली का त्योहार हर उम्र के लोग मन से मनाते हैं। घर-परिवार में भी बड़ों और छोटों का फासला मिट जाता है। रंगों का यह पर्व पीढ़ियों के अंतर को भी पाट देता है। अपनों के साथ ही होली अपने परिवेश में बसने वालों से भी जोड़ती है। तभी तो होली की अबीर के लाल रंग में आस-पड़ोस और रिश्तेदारों से लेकर दोस्तों तक सब रंग जाते हैं। सभी प्रेमस्वरूप एक दूसरे को रंग लगाकर जीवन में खुशियां भरते हैं। एक ओर पकवानों की खुशबू तो दूसरी ओर अपनेपन के रंग। होली का पर्व रिश्तों में मुस्कुराहटों का रंग भरता है। रंगों में रचा-बसा यह उत्सव टूटे बिखरे संबंधों को भी फिर जोड़ देता है और भावनाओं के रंग छलक पड़ते हैं, जिससे रिश्तों का इंद्रधनुष खिल उठता है। रंग-बिरंगे चेहरों की टोलिया नई ऊर्जा और उल्लास लिए इस त्योहार को मनाती दिखती हैं। हर रिश्ते को जीवंत कर देने वाला होली का पर्व अपने साथ असीमित ऊर्जा और आनंद लेकर आता है। हवाओं में घुला गुलाल और प्रकृति की वासंतिक महक रिश्तों को भी महका देती है। तभी तो हमारी देहरी पर रंगों के रूप में दस्तक देने वाला होली का त्योहार जीवन के हर पहलू में सतरंगी मिठास भरता है, यह त्योहार रिश्तों का रंगरेज है, जो हर ओर मुस्कुराहट के रंग बिखेर देता है।

ओज, बल और बुद्धि के लिए ड्राई फ्रूट्स का महत्व

आयुर्वेद में आहार को स्वास्थ्य का मूल आधार माना गया है। शरीर का निर्माण और पोषण आहार से ही होता है। प्रकृति ने मनुष्य को अनेक ऐसे आहार दिए हैं, जो स्वाद और स्वास्थ्य दोनों का संतुलन बनाए रखते हैं। ड्राई फ्रूट्स में प्रोटीन, फाइबर, स्वस्थ वसा, विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। सूखे मेवे या ड्राई फ्रूट्स को आयुर्वेद में बल्य (शक्ति देने वाले), बृंहण (पोषण करने वाले), वृष्य (वीर्यवर्धक), मेध्य (बुद्धिवर्धक) तथा ओजवर्धक बताया गया है। ये शरीर की सातों धातुओं–रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और शुक्र का पोषण करते हैं और विशेष रूप से वात दोष को संतुलित करने में सहायक होते हैं।

इन सभी धातुओं का सार भाग आयुर्वेद में ओज कहा गया है, जो व्याधीक्षमत्व का कारण है अर्थात सभी धातुओं और ओज के पुष्ट होने से (immunity) बढ़ती है।

- बादाम आयुर्वेद में अत्यंत महत्वपूर्ण मेवा माना गया है। इसका रस मधुर, गुण गुरु एवं स्निग्ध तथा वीर्य उष्ण है। यह मुख्यतः वात और पित्त को संतुलित करता है। इसे मेध्य रसायन कहा गया है अर्थात यह स्मरण शक्ति, बुद्धि और मानसिक क्षमता को बढ़ाता है। रात में भिगोकर सुबह सेवन करने से यह अधिक सुपाच्य हो जाता है और मस्तिष्क, त्वचा तथा नेत्रों को विशेष लाभ देता है। इसी कारण इसका एक पर्याय "नेत्रोपमफला" भी है। इसकी स्निग्धता शरीर की शुष्कता को दूर करती है और दुर्बलता में बल प्रदान करती है।
- अखरोट मधुर-कषाय रसयुक्त, गुरु और स्निग्ध गुण वाला तथा उष्ण वीर्य का होता है। यह वात दोष को शांत करता है और जोड़ों के दर्द, शुष्कता तथा कमजोरी में लाभकारी है। अखरोट मज्जा और शुक्र धातु को पुष्ट करता है तथा मानसिक थकान को दूर करने में सहायक है। इसमें उपस्थित पोषक तत्व मस्तिष्क कोशिकाओं को पोषण देते हैं और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक होते हैं।
- काजू मधुर रसयुक्त और बलवर्धक होता है। यह शारीरिक दुर्बलता और क्षीणता में उपयोगी है, परंतु इसकी अधिक मात्रा कफ वृद्धि और मोटापा बढ़ा सकती है। अतः कफ प्रकृति वाले व्यक्तियों को सीमित मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए।
- किशमिश शीतल प्रभाव वाली और रक्तवर्धक मानी जाती है। इसका रस मधुर और वीर्य शीत है। यह वात और पित्त को संतुलित करती है तथा पाचन सुधारती है। कब्ज की समस्या में रातभर भिगोकर सुबह सेवन करना अत्यंत लाभकारी होता है। विशेष रूप से काली किशमिश रक्त धातु को पुष्ट करने में सहायक है।
- खजूर मधुर रसयुक्त, गुरु और स्निग्ध गुण वाला होता है। यह शीघ्र ऊर्जा प्रदान करता है और शरीर की दुर्बलता दूर करता है। आयुर्वेद में इसे बल्य और शुक्रवर्धक कहा गया है। रक्ताल्पता, थकान और कमजोरी में यह उपयोगी है, किंतु अधिक सेवन से कफ वृद्धि हो सकती है। छुहारा भी एक उत्तम प्रकार का खजूर ही है, जो आयुर्वेद में गोस्टन खर्जूर नाम से वर्णित है।
- अंजीर मधुर रसयुक्त और शीतल प्रभाव वाला है। यह प्राकृतिक मृदु रेचक है और कब्ज में अत्यंत लाभकारी है। इसके नियमित सेवन से पाचन तंत्र सुदृढ़ होता है और रक्त निर्माण में सहायता मिलती है।
- तिल आयुर्वेद में अस्थि धातु के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। इसका रस मधुर-तिक्त, गुण गुरु और स्निग्ध तथा वीर्य उष्ण है। यह वात दोष को शांत करता है और हड्डियों, दांतों तथा बालों को मजबूत बनाता है। विशेष रूप से शीत ऋतु में तिल का सेवन स्वास्थ्यवर्धक है।

आयुर्वेदिक सेवन विधि और सावधानियां

आयुर्वेद के अनुसार ड्राई फ्रूट्स का सेवन प्रातः काल करना उत्तम है। भिगोकर सेवन करने से ये सुपाच्य हो जाते हैं और पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। सामान्यतः 4–6 बादाम, 1–2 अखरोट और थोड़ी मात्रा में अन्य मेवे पर्याप्त होते हैं, जिनकी पाचन शक्ति कमजोर हो या जिन्हें बार-बार अपच की समस्या हो, उन्हें सीमित मात्रा में सेवन करना चाहिए।

ड्राई फ्रूट्स प्रकृति का ऐसा उपहार हैं, जो भोजन और औषधि दोनों का कार्य करते हैं। रोग और प्रकृति के अनुसार सही चयन एवं संतुलित मात्रा में सेवन करने से ये शरीर की धातुओं को पोषण देते हैं, ओज बढ़ाते हैं और रोगों से रक्षा करते हैं। आयुर्वेद संतुलन और संयम पर बल देता है। अतः अति से बचते हुए नियमित सेवन ही स्वास्थ्य का मूल मंत्र है।

विभिन्न रोगों में ड्राई फ्रूट्स लाभदायक

मधुमेह में सेवन

मधुमेह में रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है, जिससे शरीर की विभिन्न धातुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे रोगियों के लिए ऐसे ड्राई फ्रूट्स उपयुक्त हैं, जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम हो और जिनमें फाइबर अधिक हो। बादाम रक्त शर्करा को नियंत्रित रखने में सहायक है, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट कम और प्रोटीन व स्वस्थ वसा अधिक होती है। अखरोट ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर है, जो हृदय को सुरक्षित रखते हुए मधुमेह से जुड़ी जटिलताओं को कम करता है। पिस्ता सीमित मात्रा में लिया जाए, तो यह भी ब्लड शुगर संतुलन में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार मधुमेह में कफ और मेद धातु की वृद्धि होती है, इसलिए अत्यधिक मीठे ड्राई फ्रूट्स जैसे खजूर और किशमिश का सेवन सीमित रखना चाहिए।

हृदय रोगों में महत्वपूर्ण

हृदय शरीर का प्रमुख अंग है और इसकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक शोध बताते हैं कि नियमित रूप से सीमित मात्रा में ड्राई फ्रूट्स लेने से खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) कम होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) में वृद्धि होती है। अखरोट धमनियों की सूजन को कम करता है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाता है। बादाम में उपस्थित विटामिन- ई और मैग्नीशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में सहायक होते हैं। अलसी के बीज हृदय के लिए अत्यंत लाभकारी माने गए हैं, क्योंकि इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में होता है। आयुर्वेद में हृदय को "रक्त और ओज का केंद्र" माना गया है, अतः ओजवर्धक आहार का सेवन हृदय स्वास्थ्य में सहायक होता है।

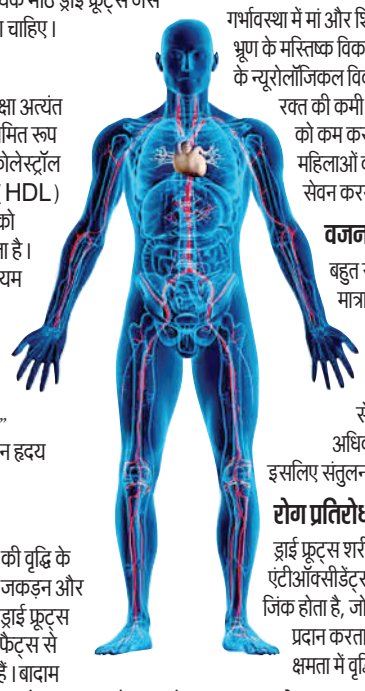

गठिया और जोड़ों के दर्द में लाभ

आयुर्वेद के अनुसार गठिया मुख्यतः वात दोष की वृद्धि के कारण होता है। वात वृद्धि से जोड़ों में शुष्कता, जकड़न और दर्द उत्पन्न होता है। ऐसे में स्निग्ध और पोषक ड्राई फ्रूट्स लाभकारी होते हैं। तिल कैल्शियम और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, जो अस्थियों को मजबूत करते हैं। बादाम जोड़ों को स्निग्धता प्रदान करता है और वात दोष को शांत करता है। अखरोट में उपस्थित एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन को कम करने में सहायक होते हैं। इनका भिगोकर सेवन करने से पाचन में सरलता होती है और अवशोषण बेहतर होता है।

रक्ताल्पता में कारगर

एनीमिया में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, जिससे थकान, कमजोरी और चक्कर जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। किशमिश आयरन का अच्छा स्रोत है और रक्तवर्धन में सहायक है। विशेष रूप से काली किशमिश को भिगोकर सेवन करने से अधिक लाभ मिलता है। खजूर ऊर्जा प्रदान करता है और रक्त की वृद्धि में सहायक है। अंजीर में आयरन और फाइबर दोनों होते हैं, जिससे पाचन सुधरता है और रक्त निर्माण में सहायता मिलती है। आयुर्वेद में इन्हें रक्तधातु वर्धक माना गया है। विटामिन-ई युक्त पदार्थों के साथ सेवन करने से आयरन का अवशोषण बढ़ता है।

स्मरण शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक तनाव, अनिद्रा और स्मरण शक्ति की कमी आज सामान्य समस्याएं बन गई हैं। आयुर्वेद में मेध्य रसायनों का विशेष महत्व है। बादाम को रात में भिगोकर सुबह सेवन करने से बुद्धि और स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। अखरोट मस्तिष्क के लिए टॉनिक की तरह कार्य करता है, क्योंकि इसमें ओमेगा-3 और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। कद्दू के बीज जिंक और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं, जो मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। नियमित सेवन से मानसिक स्पष्टता और एकाग्रता में सुधार होता है।

गर्भावस्था में महत्व

गर्भावस्था में मां और शिशु दोनों के लिए संतुलित पोषण आवश्यक है। बादाम भ्रूण के मस्तिष्क विकास में सहायक है। अखरोट में उपस्थित ओमेगा-3 शिशु के न्यूरोलॉजिकल विकास में मदद करता है। खजूर ऊर्जा प्रदान करता है और रक्त की कमी को दूर करने में सहायक है। अंजीर कब्ज की समस्या को कम करता है, जो गर्भावस्था में सामान्य है। हालांकि गर्भवती महिलाओं को सीमित मात्रा में और चिकित्सकीय परामर्श के बाद ही सेवन करना चाहिए।

वजन नियंत्रण में भूमिका

बहुत से लोग मानते हैं कि ड्राई फ्रूट्स मोटापा बढ़ाते हैं, परंतु सही मात्रा में सेवन करने से ये वजन घटाने में सहायक हो सकते हैं। बादाम भूख को नियंत्रित करता है और लंबे समय तक तृप्ति देता है। पिस्ता कम कैलोरी विकल्प है, विशेषकर यदि इसे छिलके सहित खाया जाए। चिया सीड्स फाइबर से भरपूर होते हैं और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं। अधिक मात्रा में काजू और खजूर लेने से कैलोरी बढ़ सकती है, इसलिए संतुलन आवश्यक है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता और ऊर्जा वृद्धि में सहायक

ड्राई फ्रूट्स शरीर की ओज शक्ति को बढ़ाते हैं। बादाम और अखरोट एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर हैं, जो शरीर को संक्रमण से बचाते हैं। काजू में जिंक होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। खजूर तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। नियमित और संतुलित सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।

कब्ज और पाचन संबंधी समस्याएं में लाभकारी

कब्ज एक सामान्य समस्या है, जो अनियमित आहार और जीवनशैली के कारण होती है। अंजीर प्राकृतिक मृदु रेचक है और मल त्याग को सुगम बनाता है। किशमिश को रात में भिगोकर सुबह सेवन करने से आंतों की गति बढ़ती है। सूखा आलूबुखारा (प्रून) भी पाचन सुधारने में सहायक है। आयुर्वेद में पाचन अग्नि को संतुलित रखना स्वास्थ्य का मूल माना गया है, इसलिए ऐसे ड्राई फ्रूट्स का सेवन लाभकारी है।

त्वचा और बालों को देते हैं पोषण

स्वस्थ त्वचा और मजबूत बालों के लिए पोषण आवश्यक है। बादाम में विटामिन-ई होता है, जो त्वचा को निखारता है। अखरोट बालों की जड़ों को पोषण देता है। सूरजमुखी के बीज त्वचा में चमक लाते हैं। नियमित सेवन से त्वचा में कोमलता और बालों में मजबूती आती है। नारियल / गोला गरी कच्ची अथवा पकी अवस्था में त्वचा एवं बालों के लिए अप्रतिम मेवा है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित समग्र चिकित्सा, परामर्श एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को स्वस्थ जीवन की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

जंगलों का नायाब हीरा चिरौंजी

मध्य भारत के प्राकृतिक जंगलों में पाया जाने वाला 'चार' या 'चिरौंजी' का पेड़ सचमुच जंगलों का अनमोल खजाना है। इससे प्राप्त होने वाली मेवा काजू और बादाम से भी अधिक मूल्यवान माना जाता है। यह पेड़ प्रायः प्राकृतिक रूप से उगता है और इसकी व्यवस्थित खेती बहुत कम देखने को मिलती है, जबकि जंगलों में इसके पेड़ बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

नीलम सौरभ
रायपुर

चिरौंजी के फल पकने पर काले हो जाते हैं और इनके भीतर एक ही बीज होता है, जिससे सुगंधित और स्वादिष्ट चिरौंजी प्राप्त होती है। अलग-अलग क्षेत्रों में इसे चारोली, पियाल या पियार भी कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम बुकाननिया लैंजन है, जो आम और काजू के कुल एनाकार्डिएसी का सदस्य है।

यह एक पर्णपाती वृक्ष है, जो पतझड़ के बाद आम की मंजरियों जैसे फूल देता है। जंगली प्रजाति के पेड़ सामान्यतः 10 से 15 मीटर तक ऊंचे होते हैं और इसकी पत्तियां बड़ी व थोड़ी खुरदुरी होती हैं। इसमें 'अल्टरनेट बेयरिंग' पाई जाती है यानी एक वर्ष अच्छी पैदावार और अगले वर्ष कम उत्पादन।

छत्तीसगढ़ देश का प्रमुख चिरौंजी उत्पादक राज्य है, जहां यह वनवासी आदिवासी समुदायों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। साथ ही अनेक वन्य जीव भी इस पेड़ पर निर्भर रहते हैं। दुर्भाग्यवश, अत्यधिक कटाई और कम अंकुरण के कारण यह प्रजाति संकट में है। संरक्षण, बीज बैंक और वैज्ञानिक वन-प्रबंधन के माध्यम से इस अमूल्य वृक्ष को बचाना अत्यंत आवश्यक है।

आर्थिक, पोषण और पर्यावरण तीनों दृष्टियों से चिरौंजी का पेड़ वास्तव में जंगलों का नायाब हीरा है।

आयुर्वेद में चिरौंजी

पोषण की दृष्टि से चिरौंजी अत्यंत समृद्ध है। इसके बीजों में प्रोटीन, स्वास्थ्यवर्धक वसा, विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। मिठाइयों, खीर और हलवे में इसका उपयोग स्वाद और पोषण-दोनों बढ़ाता है। आयुर्वेद में चिरौंजी को पाचन, त्वचा रोगों और सूजन में लाभकारी माना गया है। इसके तेल का प्रयोग सौंदर्य और स्वास्थ्य उत्पादों में भी किया जाता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह किसी भी कार्य को आप जितने मनोयोग और परिश्रम से करेंगे आपको उसमें उतने ही शुभ फलों की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत भले ही थोड़ी आपाधापी भरे रहे, लेकिन उत्तरार्ध तक चीजें पटरी पर आ जाएंगी। सप्ताह के मध्य से ही आपको मनोकूल परिणाम की प्राप्ति होने लगेगी।

वृष
इस सप्ताह भाग्य भरोसे बैठे रहने की बजाय कर्म की साख को हिलाना होगा, तभी जाकर आपको मनचाहे लक्ष्य की प्राप्ति संभव हो पाएगी। आपके भीतर कार्य को टालने की प्रवृत्ति पनप सकती है। ऐसे में आलस्य छोड़कर आज के काम को आज ही समय पर पूरा करने का प्रयास करें अन्यथा हाथ आया अवसर निकल सकता है।

मिथुन
इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। नौकरी एवं व्यवसाय से संबंधित मामलों में अनुकूलता बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों के नेतृत्व गुण में विकास होगा। इस पूरे सप्ताह बॉस आप पूरी तरह से मेहरबान नजर आएंगे। आपको कोई विशेष पद अथवा जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को आधा-अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। किसी भी कार्य में मनचाही सफलता को पाने के लिए उसे उसे पूरे मनोयोग के साथ समय पर पूरा करने का प्रयास करें। सप्ताह के पूर्वार्ध में भाग्य का अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण कार्यों में व्यवधान एवं विलंब देखने को मिल सकता है।

सिंह
यह सप्ताह करियर-कारोबार और रिश्ते-नाते की दृष्टि से पूरी तरह अनुकूल रहने वाला है। इस सप्ताह आपको स्वजनों के साथ अच्छे पल बिताने के कई अवसर प्राप्त होंगे। किसी बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। इस दौरान अचानक से लंबी अथवा लंबी दूरी की यात्रा का संयोग बनेगा।

कन्या
इस सप्ताह आपको पर्सनल एवं प्रोफेशनल लाइफ में तमाम तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से बहुत ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। अपना काम दूसरों के भरोसे छोड़ने की भूल न करें अन्यथा उसके बिगड़ने पर आपको अपने सीनियर के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है।

तुला
इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय से पूरे होंगे। पूरे सप्ताह आपको घर और बाहर दोनों जगह स्वजनों से सहयोग और समर्थन मिलेगा। आप पाएंगे कि विगत कुछ समय से जो आपको कार्य में अनुकूलता चली आ रही थी, इस सप्ताह भी बनी रहेगी। बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से हर्ष का अनुभव होगा।

वृश्चिक
यह सप्ताह थोड़ा आपाधापी भरा रह सकता है। इस दौरान आपको अधिक भागदौड़ और परिश्रम करना पड़ सकता है। निजी जीवन में अचानक से आई कोई पारिवारिक समस्या आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है। इस दौरान किसी भी मसले पर विवाद करने से बचें और संवाद के जरिए उसका हल निकालने का प्रयास करें।

धनु
इस सप्ताह आपके लंबे अर्से से पड़े आधे-अधूरे कार्य पूरे हो सकते हैं। सौभाग्य का हर कदम पर साथ मिलने के कारण आप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना बेस्ट देने में कामयाब रहेंगे। आपके भीतर सकारात्मक सोच और ऊर्जा बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आप आगे बढ़कर तमाम जिम्मेदारियों को न सिर्फ स्वीकार करेंगे, बल्कि उसमें बेहतर रिजल्ट देने में भी कामयाब होंगे।

मकर
इस सप्ताह किसी भी कार्य में शार्टकट अपनाने अथवा किसी नियम को तोड़ने से बचना चाहिए अन्यथा आपको आर्थिक एवं मानसिक कष्ट झेलना पड़ सकता है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको अपने कागजी काम समय पर निबटा लेना चाहिए। सप्ताह के पूर्वार्ध में परिश्रम के अनुरूप फल न मिलने पर मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

कुंभ
इस सप्ताह अपने धैर्य की परीक्षा देनी पड़ सकती है। आपको सोचे हुए कार्यों को पूरा करने में कठिनाई का अनुभव हो सकता है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछेक परेशानियां चिंता का कारण बन सकती हैं। कुल मिलाकर करियर-कारोबार आदि की दृष्टि से पूर्वार्ध का समय मध्यम फलप्रद बन रहा है।

मीन
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को समय से पूरा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता रहेगी। थोड़ी सी लापरवाही के चलते आपके बने-बनाए काम भी बिगड़ सकते हैं। सप्ताह में भाग्य का अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण कार्यों में व्यवधान आ सकता है। परिश्रम के अनुकूल फल न मिलने के कारण मन खिन्न रहेगा।

ध्यान को भटकने से रोकें, नोटिफिकेशन को करें मैनेज

आज शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पास मोबाइल न हो। अब तो छोटे-छोटे बच्चों के पास भी अपने व्यक्तिगत मोबाइल हैं, जिनके बिना उन्हें जीवन अधूरा-सा लगता है। कोई भी काम हो, मोबाइल के बिना पूरा नहीं होता। ऐसे में मोबाइल जहां एक ओर बेहद जरूरी साधन बन चुका है, वहीं दूसरी ओर यह समय की बर्बादी और ध्यान भटकने का बड़ा कारण भी है।

इंदु सिंह
लेखिका

सुविधा से शुरू होकर बाधा तक

मोबाइल में पल-पल आने वाले नोटिफिकेशन इसकी सबसे बड़ी वजह हैं। हर बीप या वाइब्रेशन व्यक्ति को मजबूर कर देती है कि वह तुरंत मोबाइल उठाकर देखे। मोबाइल में जितने अधिक ऐप्स होते हैं, उतने ही अधिक नोटिफिकेशन भी आते हैं। ऐसे में व्यक्ति चाहकर भी मोबाइल से दूर नहीं रह पाता। जितनी बार आवाज आती है, उतनी ही बार वह अपना काम छोड़कर स्क्रीन की ओर देखने लगता है। धीरे-धीरे यह आदत इतनी गहरी हो जाती है कि व्यक्ति दिन ही नहीं, कई बार रात को भी उठ-उठकर मोबाइल में झांकता रहता है और उसे यह एहसास तक नहीं होता कि यह व्यवहार उसके मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए कितना नुकसानदायक है।

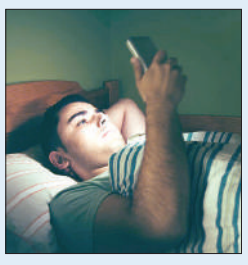

काम अधूरा, मन बेचैन

नोटिफिकेशन की आवाज आते ही व्यक्ति चाहे जो भी काम कर रहा हो, उसका मन बेचैन हो उठता है। कौन-सा अपडेट आया होगा? इसी जिज्ञासा में वह सब कुछ छोड़कर मोबाइल देखने लग जाता है और हाथ का काम ज्यों का त्यों रह जाता है। अधिकांश लोगों को यह भी महसूस नहीं होता कि उनके भीतर की अशांति की एक बड़ी वजह उनका अपना प्रिय मोबाइल और उसके बार-बार आने वाले नोटिफिकेशन हैं।

बीप और वाइब्रेशन से दूरी

ऐसे में हर व्यक्ति के लिए यह बेहद आवश्यक है कि वह इस समस्या को गंभीरता से समझे और मोबाइल नोटिफिकेशन को सही ढंग से मैनेज करे। इसके लिए कोई कठिन उपाय नहीं, बस अपनी जरूरत को पहचानना जरूरी है। जिन ऐप्स के संदेश या जानकारी आपके लिए वास्तव में जरूरी हैं, केवल उन्हीं के नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सभी को ऑफ कर दें। इतना करने से ही मानसिक तनाव में काफी कमी आ सकती है।

डू नॉट डिस्टर्ब मोडः मानसिक विश्राम का साधन

इसके साथ ही ऐप्स के नोटिफिकेशन के साथ आने वाली बीप साउंड या वाइब्रेशन को भी बंद कर दें, क्योंकि यही आवाजें काम और ध्यान के बीच सबसे ज्यादा बाधा बनती हैं। दिन में कुछ घंटों के लिए डू नॉट डिस्टर्ब (DND) मोड का उपयोग करना भी एक अच्छा विकल्प है, विशेषकर तब जब आप कोई जरूरी काम कर रहे हों या विश्राम कर रहे हों। इससे आपकी आंतरिक शांति और एकाग्रता बनी रहती है।

मोबाइल और अन्य तकनीकी उपकरण हमारी सुविधा के लिए बनाए गए हैं, लेकिन हमने उन्हें अपनी ऐसी आदत बना लिया है कि अब उनके बिना जीवन कठिन लगने लगा है। इसका सीधा असर हमारे तन-मन के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस स्थिति में मोबाइल नोटिफिकेशन को नियंत्रित करना एक छोटा लेकिन प्रभावी कदम है, जिससे आप अपनी शांति, एकाग्रता और मानसिक स्थिरता को काफी हद तक सुरक्षित रख सकते हैं।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 47

			29	16	16		
		24				29	
	7	30 11					15
11					16 10		
11				15 6			
6			11 3				
	11						
		7					

काकुरो 46 का हल

		6	3			7	10	
	3 3	1	2	15	6	4	2	3
11	2	3	1	5	6 35	3	1	2
3	1	2	3 11	4	7	4 4	3	1
		15 27	1	2	5	3	4	
	16 12	4	2	3	6	1	24	8
11	5	6	9 16	1	8	16 9	9	7
24	7	8	9	25	9	8	7	1
	16	9	7		9	1	8	

कहानी

गुड़िया का मुन्नू मैं और दुनिया

सैर कर घर में घुसते ही मैंने देखा-मेरी दस साल की बिटिया गुड़िया ऐसे बिलख रही थी, जैसे किसी ने उसके बचपन का सबसे चमकीला रंग चुरा लिया हो। "पापा वे मुन्नू को ले गए।"

राजेश जैन
कोटा

मुन्नू-घर के बाहर सड़क पर रहने वाला वही कुत्ता, जो न तो हमारी जाति पूछता था, न धर्म, न आधार कार्ड, जो रोज सुबह पूंछ हिलाकर सबको खुश कर देता था। नगर निगम की गाड़ी आई और उसे "समस्या" समझकर उठा ले गई। गुड़िया की आंखों में सवाल थे-मुन्नू ने किसका क्या बिगाड़ा था? अब उसे कौन खाना देगा? उसकी पीठ सहलाएगा। ठंड लगे तो गत्ते का घर कौन बनाएगा, कंबल कौन ओढ़ाएगा?

मेरे पास जवाब नहीं था। सच तो यह है कि मेरे पास सवाल भी पूरे नहीं थे। मैं बस सन्न था-जैसे भीतर कोई शीशा टूटा हो, जिसकी आवाज बाहर तक न गई हो। दिन भर रोजमर्रा के काम निपटाते हुए यही सोचता रहा- यह कैसी दुनिया है, जहां ताकत का मतलब सिर्फ उठाने की ताकत है, संभालने की नहीं। यहां जिसके हाथ में लाठी है, वही तय करता है कि भैंस किसकी है और भैंस न मिले तो कुत्ता ही सही।

दफ्तर पहुंचा तो बॉस की आवाज पहले से ऊंची थी। "टारगेट पूरे क्यों नहीं हुए?" मैंने मन ही मन पूछा-"हवा कब से टारगेट बनने लगी?" बॉस सेठ से परेशान है, सेठ कंपनी से, कंपनी नेता से, नेता बड़े-बड़े उद्योगपतियों से और उद्योगपति दुनिया से, जो कभी बाजार नहीं बनती। ऊपर से नीचे तक एक लंबी धमकी श्रृंखला है, जिसमें हर कोई अगले से डरता है और पिछले पर चिल्लाता है। इस पूरी सीढ़ी में कहीं भी करुणा नहीं है। शाम को पानी की बोतल खाली हुई, तो याद आया-नल का पानी साफ नहीं है? दफ्तर से बाहर निकला तो हवा में धुआं मिला था। ऐसा कि सांस लेते हुए लगता है, जैसे फेफड़े भी मास्क मांग रहे हों। प्रकृति अब चुप नहीं है, वह भी आंखें दिखा रही है। कभी सूखा, कभी बाढ़, कड़कड़ाती सर्दी तो कभी चिलचिलाती गर्मी। जैसे कह रही हो, "तुमने मुझे समस्या समझा, अब मैं समाधान नहीं दूंगी।" और हम रोज किसी न किसी मुन्नू को उठा ले जाते हैं। कभी सड़क से, कभी नौकरी से, कभी रिश्तों से। हम कहते हैं-यह व्यवस्था है। व्यवस्था वही, जो कमजोर को साफ-सफाई का कचरा समझ ले। कचरा उठाने वाली गाड़ी आती है, गाना बजती है और शहर थोड़ा "सुंदर" हो जाता है। सुंदर-पर सूना।

घर लौटकर गुड़िया ने फिर पूछा-"पापा, मुन्नू अब कहां होगा?" मैंने कहा-"पता नहीं।" सच यह था कि मुझे पता था-मुन्नू अब हमारी संवेदनाओं से बहुत दूर होगा। किसी शेल्टर में, किसी फाइल में, किसी आंकड़े में। आंकड़े बहुत सभ्य होते हैं-वे रोते नहीं, वे सवाल नहीं करते।

रात को खबरें चलीं। कोई नेता भाषण दे रहा था-देश महान है। किसी इंटनेशनल नेता को वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड, कनाडा चहिए था। स्क्रीन के कोने में स्टॉक मार्केट की हरी रेखाएं दौड़ रही थीं। किसी चैनल पर बहस थी-कुत्ते किसकी जिम्मेदारी हैं?

मैंने टीवी बंद कर दिया। गुड़िया की सिसकी ज्यादा सच्ची थी,

लेकिन क्या करूं। हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां "प्रबंधन" सबसे बड़ा धर्म है। समस्या हो, तो मैनेज करो। दर्द हो तो मैनेज करो। आंसू हो तो मैनेज करो और अगर कोई मुन्नू रास्ते में आ जाए, तो उठा लो। हम भूल गए हैं कि कुछ चीजें मैनेज नहीं होतीं, बस अपनाई जाती हैं।

सुबह उठा तो सड़क खाली थी। वही जगह, वही धूप-बस मुन्नू नहीं था। गुड़िया ने स्कूल जाने से पहले कटोरी में रोटी रखी-"अगर मुन्नू आ जाए।"

मैंने कुछ नहीं कहा। शायद इसलिए कि कुछ कहने से ज्यादा जरूरी था-कुछ सीखना।

सीख यह कि ताकत का असली इम्तिहान तब होता है, जब आपके पास उठाने की नहीं, रोकने की ताकत हो। जब आप कह सकें-"नहीं, यह गलत है।" लेकिन हमारी दुनिया में "नहीं" कहने की नौकरी नहीं होती। हम सब किसी न किसी के बॉस हैं-किसी बच्चे के, किसी कर्मचारी के, किसी जानवर के, किसी नदी के। हम सब किसी न किसी के अधीन भी हैं। सवाल सिर्फ इतना है-हम ऊपर से जो डर पाते हैं, उसे नीचे किस पर उतारते हैं?

गुड़िया सो गई। मैंने खिड़की से बाहर देखा-एक और कुत्ता दूर खड़ा था। आंखें हमारी तरफ थीं। जैसे पूछ रहा हो-"मेरी बारी कब?" मैंने पर्दा नहीं गिराया। पहली बार लगा-शायद देखने से ही शुरुआत होती है। शायद किसी मुन्नू को बचाने के लिए दुनिया बदलनी नहीं पड़ती, बस अपनी आदतें बदलनी पड़ती हैं। क्योंकि अगर हम आज मुन्नू के लिए नहीं रुके, तो कल कोई हमारे लिए भी नहीं रुकेगा। तब हमारी कटोरियां भी भरी होंगी पर उन्हें सूंघने वाला कोई नहीं होगा।

काव्य

नदी

किस लिए बोलो नदी तुम
किसलिए हां किसलिए

क्या तुझे था रोक पाया
वो समंदर का किनारा

तुम पहाड़ों से निकलती
क्षीण सी जलधार लेकर
उतरती हो धरा पर
सिंधु सा विस्तार लेकर

बादलों से फिर तुम्हारी
प्रीत कितने दिन निभेगी
फिर भला इन मेघों का
अभिसार तू कब तक सहेगी

जाने कितने शहर सहरा
प्रांत जंगल पार करके
जाने कितने पूर्वज
शापित हमारे तार करके

एक दिन तू फिर किसी
पर्वत शिखर पर रीझ करके
बादलों से ऊब करके
बंधनों से खीझ करके

कर हजारों मील लंबी
यात्रा सागर समाई
क्या विकलता थी तुझे जो
सिंधु तट तक खींच लाई

इन पहाड़ों पर बरस जाएगी
तू बरसात बनकर
इन पहाड़ों को मिलेगी
तू नई सौगात बनकर

किंतु मर्यादा समंदर
की तुझे स्वीकार क्यों हो
जिसको बहना है उसे
इन बंधनों से प्यार क्यों हो

पर भला इन पत्थरों में
कैद तू कब तक रहेगी
एक दिन तू फिर बहेगी
फिर नदी बनकर बहेगी

एक दिन फिर नेह नाता
सिंधु पति से तोड़ करके
प्रिय समंदर की भुजाओं
का आलिंगन छोड़ करके

किसलिए बोलो नदी तुम
किसलिए हां किसलिए।

शैलेन्द्र सागर
बहराइच

कर दिया तूने स्वयं को
बादलों के फिर हवाले
उड़ चले बादल तुम्हारी
प्रीत निज उर में सम्हाले

पर कहां बाहों के घेरे
में तुझे बंधना गंवारा

मन एकांत चाहता है

बहुत कुछ द्वंद्व है मन के भीतर,
किंतु स्याही को अब शब्द नहीं मिलते।

हृदय में मद्धिम सा स्वर कोलाहल मचा रहा
अंतर्द्वंद्व से निजात पाने को मन अब बस एकांत चाहता है।

ऐसे लगते है कि ढलती संध्या के साथ
मन की इच्छाएं भी यूंही ढल गई हो।

एकांत की गहराइयों में बहुत दूर जाना चाहता है
जहां शब्दों का कुछ भी शेष न हो मन बस एकांत अंत चाहता है।

अब कोई साथ नहीं कोई विश्वास नहीं
कोई उम्मीद भी नहीं मन अब बस थक गया है।

अब इंतजार नहीं उस दूर की बारिश का
जो मन को हरा कर दे
मन अब बहुत दूर जाना चाहता है।

अम्बिका कुशवाहा
पटना

विषमताओं के पथ पर

चार दिनों के इस जीवन में,
मैंने कई साल देखे हैं।

अपनेपन की तुर्श गोलियां
हर दरवाजे
पर पाई हैं,
फिर भी मैंने जानबूझकर
समय-समय पर
ये खाई हैं,
किंतु सुधारों के पैरों पर
मैंने लगे
नाल देखे हैं।

कुछ किस्सों को भूल गया हूं,
कुछ लगता है
अभी घटे हैं,
कुछ से बात रोज होती है
कुछ दिमाग ने
स्वयं रटे हैं,
शेष कथाओं के जुड़े से
झड़ते हुए
बाल देखे हैं।

सन्नाटों में कोलाहल का
अनुभव मुझको
खूब हुआ है,
भरी भीड़ में तन्हाई ने
अक्सर मेरा
हाथ छुआ है,
इन्हीं विषमताओं के पथ पर
मैंने बिछे
जाल देखे हैं।

विवेक कुमार
नवगीतकार, शाहजहांपुर

अति सुख - दुख और अध्यात्म

कई दिनों से एक मां का रूदन मन और आत्मा दोनों को बिंध रहा है। एक ऐसी मां, जो आजीवन पुत्र के सुखी जीवन के लिए खुद को तन, मन और धन हर तरह से खर्च करती जा रही थी। एकाएक उसकी मृत्यु की खबर मां को जीवन के कटु सत्य से परिचित कराती है, जहां जीवन अचानक से ठहर जाता है और सामने एक अनंत शून्य, जिसमें अनगिनत सवाल मन और मस्तिष्क में उठ रहे हैं, पर सवालों के कोई उत्तर नहीं है। दुख का अनंत बिंदु जीवन को अध्यात्म की ओर उन्मुख करता है, ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार नदी मार्ग में आते शहरों की गंदगी ढोते-ढोते जब थक जाती है, तो अंत में वह सागर का चुनाव करती है, जिसका कभी अंत नहीं होता।

अध्यात्म भी वही सागर है, जहां देह रूपी सारी इच्छाएं, कामनाएं और वेदनाएं विलीन हो जाती हैं और देह अभिमान टूटकर आत्म साक्षात्कार हो जाता है। व्यक्ति स्वीकार कर लेता है, उसकी यात्रा अनंत युगों की है और इस जन्म में उसका अब तक का पड़ाव मात्र एक अंश है और सांसारिक संबंध से विछोह किसी की सांसारिक यात्रा का अंतिम स्टेशन। दुख की गहराई आध्यात्मिक बीज की जड़े बहुत मजबूत कर देती है, उसके बाद आने वाले सुख-दुख व्यक्ति पर अधिक प्रभाव नहीं डाल पाते।

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

अध्यात्म भाव केवल दुख से ही नहीं, अति सुख से भी उपजता है। शरीर भोगों को भोगते हुए जब थक जाता है, तब वह एक ऐसे साधन की तलाश करता है, जहां सुख की अवस्था निरंतर रहे। ऐसा संतोष, जिसका कभी अंत न हो। ये वह आत्माएं हैं, जो जन्मों से इस धरती में सुखों को भोग-भोगकर इनसे उपरत हो चुकी हैं और अब शरीर से ऊपर उठकर आत्मा के स्तर पर जीना चाहती है। कर्मयोगी, भक्तियोगी और हमारे साधु संत, जिन्हें सांसारिक विषय वस्तु किंचित मात्र भी प्रभावित नहीं करती। वह इसी कोटी में आते हैं।

अध्यात्म मार्ग हर किसी के लिए सुलभ नहीं है। प्रकृति स्वयं पात्रो का चुनाव इस मार्ग पर चलने के लिए अनिवार्य ग्रहणशीलता, समर्पण, संवेदनशीलता और ब्रह्मांड के स्पंदनों के प्रति जागरूकता के आधार पर करती है। यह वह आत्माएं होती हैं, जिन्हें ईश्वरीय छैनी की मार एक प्राणवान मूर्ति की भांति तराशती है, जिससे वह स्वयं को प्रकाशित कर संसार को भी राह दिखा सके।

गौतम बुद्ध के आध्यात्मिक की राह अति सुख और अति दुख दोनों के मिलन का बिंदु था, जिसने उन्हें आत्म-साक्षात्कार से अन्य आत्माओं के उद्धार हेतु उन्हें निमित्त बनाया।

आध्यात्म प्रकृति और ब्रह्मांड की सूक्ष्म तरंगों के साथ मनुष्य की आत्मा की तादात्म्य की अवस्था है, जिसमें व्यक्ति का शरीर ईश्वर की उच्च आकांक्षाओं को पूरा करने का माध्यम बन जाता है। सारांश तात्पर्य है कि कई बार परिस्थितियों हमारी स्वीकार्यता से मेल नहीं खाती, परंतु जब दृष्टि बड़ी रखकर हम उन्हें देखते हैं, तो ईश्वर के संकेत भली भांति समझ में आने लगते हैं।

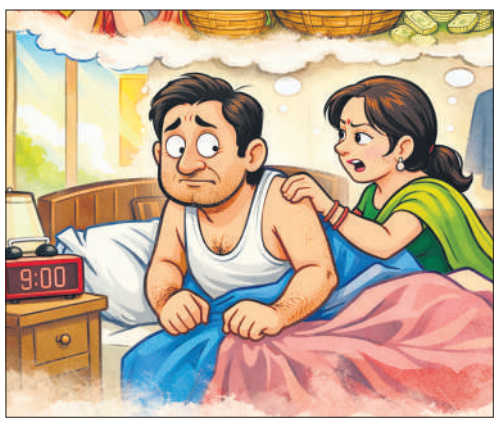

लघुकथा

किरपा

जैसे ही मैंने अपने हाथ और पैर 2-2-3-7 के क्रम में चलाएं, मेरा शरीर हवा में तैरने लगा। यह क्या मैं...! मैंने अनायास इंसान के हवा में उड़ने की तकनीकी ईजाद कर ली थी। हजारों वर्षों से किसी को यह ज्ञात नहीं था कि इस तरीके से हाथ-पांव चलाने से मनुष्य उड़ सकता है। लोगों ने मुझे उड़ते हुए देखा तो मेरे भक्त बन गए। उन्होंने मुझे दैवीय प्रतिनिधि मान लिया। कहा गया कि मुझ पर 'योगिनी' की किरपा हुई है।

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको)

मैं गंभीर हो गया। मेरे आस-पास लोगों की भीड़ लग गई। बीमार, दुःखी और परेशान लोगों ने मुझ पर दान, चढ़ावा और प्रसाद का अंबार लगा दिया। वे सभी मेरी अलौलिक शक्ति से अपनी समस्या दूर कर लेना चाहते थे। लोग आते और अपने सिर पर मेरा हाथ रखवाते जाते थे। मेरा स्पर्श किया जल पीते ही उनके रोग दूर होने लगे।

मेरे आगे-पीछे सैकड़ों सेवादार व्यवस्था में लगे रहते। एक विशेष वाहन पर मुझे बैठाकर शोभा यात्रा निकाली गई। लोगों को हाथ उठा-उठा कर आशीर्वाद देते-देते मेरे दाएं कंधे में दर्द होने लगा। तभी मेरे कंधे को किसी ने झिझौडा। "क्या बड़बड़ाऐ जा रहे हो? ऑफिस नहीं जाना क्या? सुबह के नौ बज रहे हैं।" मेरी पत्नी मुझे जगा रही थी। करवट से लेटे रहने से मेरा दायां हाथ दबा हुआ था। मैं उठकर बैठ गया। मेरा सपना अधूरा रह गया।

समीक्षा

रहस्यों पर प्रकाश

महादेव देवों के देव हैं और हर सनातनीधर्मी के परम आराध्य हैं। इनसे जुड़ी बहुत सारी उत्सुकताएं श्रद्धालुओं के मन में सदैव रहती हैं। यद्यपि पुराणों और धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन से ये सारी उत्सुकताएं शांत हो सकती हैं, मगर न तो यह ग्रंथ आसानी से उपलब्ध होते हैं, न हर कोई इतने सारे ग्रंथ खरीद और पढ़ सकता है। इतना समय और अर्थ व्यय करना सबके बूते की बात नहीं है। दोनों ऐसे में विद्वान लेखकद्वय द्वारा लिखित यह पुस्तक महादेव के भक्तजनों के लिए अत्यंत उपयोगी है। पावन मोक्ष भूमि काशी और भगवान शिव से जुड़ी बारीक से बारीक बातों को दोनों लेखकों ने बहुत संक्षेप में मगर अच्छी तरह से समझाया है। बनारस की ऐतिहासिक, धार्मिक, स्मृतियां और यहां के पुरातात्विक महत्व पर भी बखूबी प्रकाश डाला गया है। चौदह लोक, त्रिनेत्र, शिवलिंग क्या है, त्रिपुंड, रुद्राक्ष, त्रिशूल, डमरू, नाग वासुकी, शिव के अस्त्र-शस्त्र, माता पार्वती, सृष्टि का विस्तार, सती, शक्तिपीठों के स्थान अंग और शक्ति भैरव, भस्म, अन्नपूर्णा, दुर्गा, चंद्रमा, गंगा,भगवान शंकर की महा परिषद, नंदी, भृंगी, ज्ञानव्यापी, 64 योगिनी, 12 आदित्य, चतुर्मुख ब्रह्मा, शिव के गण आदि केशव, विश्वेश्वर, काल भैरव, महर्षि व्यास और काशी, महर्षि दुर्वासा और काशी आदि सब के विषय में अलग-अलग अध्याय दिए गए हैं। हम में से कितने लोगों को पता होगा की प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट कभी रूद्र सरोवर के नाम से भी जाना जाता था। राजा दिवो दास के संरक्षण में जब ब्रह्मा जी ने यहां दस अश्वमेध यज्ञ किए तब से इसे दशाश्वमेध के नाम से जाना जाने लगा। पुस्तक में बताया गया है कि पौराणिक परंपरा अविमुक्तेश्वर को विश्वेश्वर का गुरु मानती है, जिनकी पूजा स्वयं विश्वेश्वर करते थे। वर्तमान विश्वनाथ मंदिर के दक्षिण पूर्वी कोने में सृष्टि का सर्वप्रथम लिंग अविमुक्तेश्वर स्थापित कर, काशी को पूरी तरह बिना त्यागे भगवान शिव मंदार पर्वत चले गए थे। बारह आदित्य कौन-कौन से हैं, 56 विनायकों के नाम क्या हैं आदि सब आपको इस पुस्तक में मिलेंगे। भगवान शिव के प्रिय भृंगी और नंदी के वार्तालाप को आधार बनाकर विद्वान लेखकों ने शिव जी के बारे में सब कुछ बताया है। उनकी काशी, उनके अस्त्र-शस्त्र, गणों, परिवार आदि के बारे में समस्त जानकारियां पाठकों के लिए सहज उपलब्ध हैं। यह पुस्तक अत्यंत पठनीय और संग्रहणीय है।

पुस्तक : दंडपाणि च भैरवम् (काशी की संपदा का महत्वपूर्ण अभिलेख)
लेखक : प्रोफेसर (डॉ) विजय नाथ मिश्र एवं यतींद्रनाथ चतुर्वेदी
प्रकाशक : मंजुल पब्लिशिंग हाउस ,भोपाल
मूल्य : 299 रुपए मात्र
समीक्षक-शिखर चंद जैन

व्यंग्य

माया महा ठगनी हम जानी

माया के चाल-चरित्र और चेहरा से कबीरदास भली-भांति परिचित थे। उनके समान अनपढ़-ज्ञानी, समाज सुधारक संत और मस्त मौला फकीर कोई दूसरा नहीं हुआ। उनकी सधुक्कड़ी भाषा को समझना विद्वानों के लिए टेड़ी खीर है। कबीर कल भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और शायद आने वाले कल में भी रहेंगे। माया के संदर्भ में कबीर द्वारा प्रस्तुत विचार सारगर्भित हैं। माया-भ्रम की दशा, माया-धन-दौलत, माया-सत्य से विमुख करने वाली, माया-सांसारिक बंधन में बांधने वाली, माया-परमात्मा से आत्मा को विमुख करने वाली शक्ति आदि रूपों में कबीर ने इसे निरूपित किया है। कबीर ने इसका समाधान भी प्रस्तुत किया है। भक्ति एवं सत्कर्म, सद्गुरु की शरण, सत्य की पहचान और अनासक्ति योग का अवलंबन से हम माया पर विजय हासिल कर सकते हैं। माया के दो रूप हैं-विद्या माया यह ज्ञानवान होती है और अविद्या माया यह ज्ञान को नष्ट कर देती है। माया कभी मिटने वाली नहीं है। कबीर ने स्वयं कहा है कि -

माया मुई न मन मुआ, मरि-मरि गया शरीर।

माया को संतों और विद्वानों ने अलग-अलग ढंग से व्याख्या की है। संतों ने माया छोड़ो, ईश्वर से नाता जोड़ो का नारा दिया है। उनके अनुसार माया का तात्पर्य धन-दौलत है। अपने प्रवचन में वह भक्तों को प्रलोभन देते रहते हैं। जब तक तुम अपनी सारी धन-दौलत संत श्री के चरणों में समर्पित नहीं कर देते हो, तब तक माया से मुक्त नहीं हो सकते हो। संतों के बहकावे में आकर कुछ लोग त्वदीयं वस्तु गोविन्दं तुभ्यमेवं समर्पयामि का मंत्र जाप करते हुए सब कुछ समर्पित कर देते हैं। फिर भी वह माया से मुक्त नहीं हो पाते। संत श्री धन से संयुक्त अवश्य हो जाते हैं। कभी वृद्धाश्रम के नाम पर कभी गोशाला के नाम तो कभी मंदिर के नाम पर भक्तों से धन लूटते रहते हैं। मंच पर रखी हुई दान पेटी हमेशा दान से भरी रहती है। संतों की माया को सामान्य भक्त पहचान नहीं पाते। सब कुछ लुटा के होश में आया, तो क्या हुआ, ऐसे भक्तों के लिए यही कहावत सत्य चरितार्थ होती है।

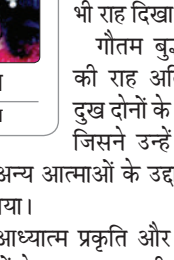

रमेश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व प्रधानाचार्य

माया का बाजार गर्म है। माया पहले ठगिनी नारी बनकर ठगती थी। आज वह सूट-बूट-टाई और मोबाइल लेकर ठगती है। माया आज जरूरत की सामग्री गई है। वह हमारे 'स्टेटस सिंबल' का ज्ञान कराती है। वह धीरे से हमारे कान में फुसफुसाती है- इसके बिना तुम्हारा काम चलने वाला नहीं है। तुम्हारे पड़ोसी के पास फ्रीज, ए.सी, कूलर, बाइक, बंगला, कार सब कुछ है तुम्हारे पास क्या है? बैंक से लोन लेकर ले जाओ। पचास पर्सेंट डिस्काउंट का लाभ उठाओ। मरता क्या न करता। बाजार की चकाचौंध से माया भ्रमित कर देती है। वह भूल जाता है कि पांव उतना ही पसारना चाहिए, जितनी लंबी चादर हो। चमकीले विज्ञापन, आकर्षक आफर और चित्ताकर्षक रैपर देखकर माया अपना मोह जाल फेंकती है। बाजार प्रलोभन देता है-वाय वन गेट वन फ्री। वन फ्री का चक्कर बहुत खतरनाक होता है। फ्री सेल और भारी डिस्काउंट का आफर तो उसे कहीं का नहीं छोड़ता। माया आत्मज्ञान नष्ट को देती है। आत्मनिर्भर बनने चला मनुष्य माया के सामने आत्मसमर्पण कर देता है।

राजनीति में माया का विस्तार चापलूसी से लेकर चमचागिरी तक छाया हुआ है। चुनाव के समय वह विकास का पोस्टर पहनकर आती है, तो चुनाव होने के बाद व्यवस्था का संकट बनकर रह जाती है। नेता अपनी सुख-सुविधा का विस्तार करते हैं और जनता पर आरोप जड़ देते हैं कि जनता माया के वशीभूत है। जनता पूछती है- क्या हुआ तेरा वादा? माया से ग्रसित नेता जवाब देते हुए कहते हैं -कागजी थे हवा हो गए। माया देखकर बेबसी पर मुस्कराते हुए कहती है- ठगे तो दोनों गए, लेकिन दोषी कोई नहीं है। माया के कौतुक क्रीड़ा से पार पाना मुश्किल है।

माया का खेल अभी खत्म नहीं हुआ है। परिवार में माया रिश्तों की थाली सजाती है। थोड़ा-सा प्रेम, थोड़ा स्वार्थ और अपेक्षाओं की चाशनी से सजी माया अपना असली रूप दिखाती है। मेरा और तेरा का खेल रचाती है। बेटा कमासुत तो हाथों हाथ लिया जाता है निठल्ला निकला तो अपमान के आंसू बहाता है। बेटी कमाए तो हर्षित परिवार। दहेज रूपी दानव से छुटकारा अपार। माया बराबरी की बातें करती है, लेकिन भौतिक तुला अपने साथ रखती है। परिवार में माया की अहमियत लोगों को समझ में आती है, जिसका जितना ऊंचा औरा, उसका उतना ऊंचा कौरा। सोशल मीडिया पर माया फिल्टर लगाकर देखती है, जिसको सबसे ज्यादा लाइक्स और कमेन्ट्स मिला माया उसको गदगद कर देती है।

माया भले ही ठगती है, लेकिन वह राह भी दिखाती है। समाज में किस प्रकार से लोगों को बचा जा सकता है। इसलिए हमें माया का आभारी होना चाहिए। माया कभी समाप्त होने वाली वस्तु नहीं है। यह हर युग और हर काल में अपनी मौजूदगी दर्ज कराती है। सीना चौड़ा करते हुए कोई यह नहीं कह सकता कि वह माया से मुक्त है। क्या कहा आपने संन्यासी? संन्यासी तो सबसे अधिक माया के मोह में पड़े हुए हैं। आजकल के साधु-संत-संन्यासी जंगलों में नहीं पंच सितारा युक्त आश्रमों में निवास करते हैं। अतः आप माया को अंगीभूत और आत्मार्पित करते हुए माया को स्वीकार कीजिए।

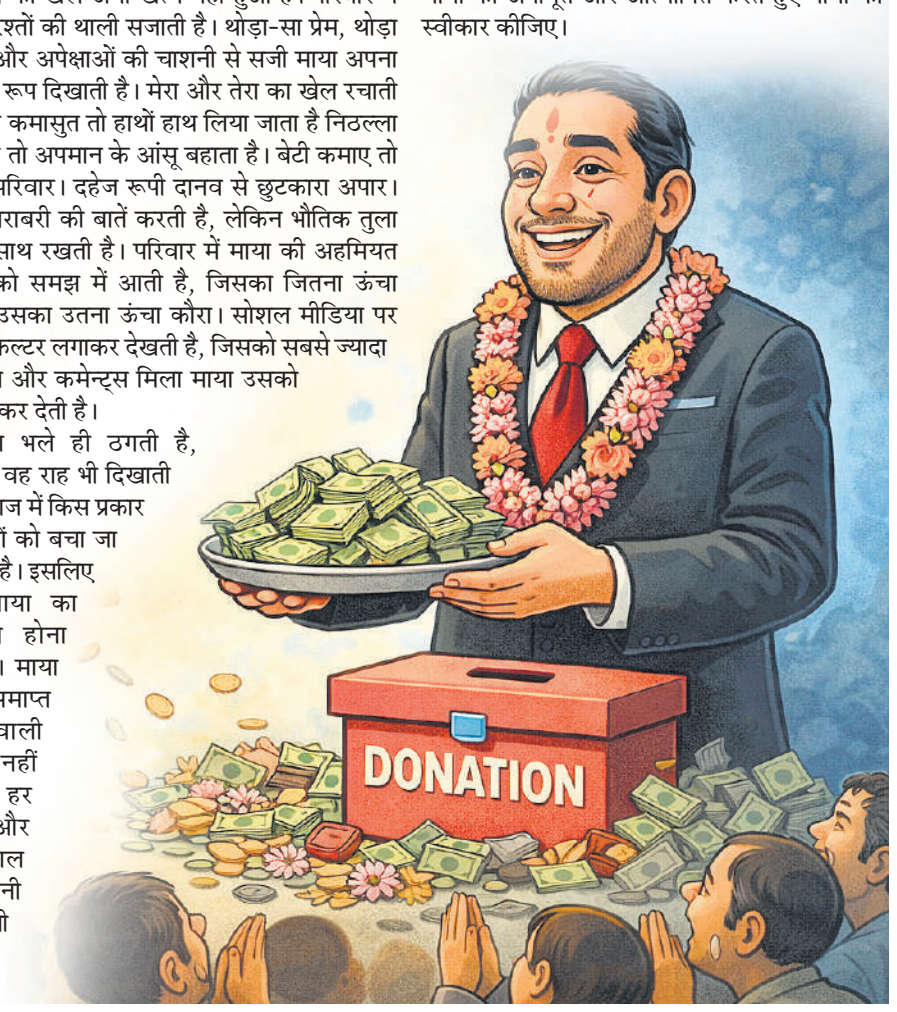

मुस्कान मनुष्य की वह सहज अभिव्यक्ति है, जो बिना शब्दों के भावों को संप्रेषित कर देती है। भारतीय संस्कृति में मुस्कान को सौहार्द, करुणा और आत्मीयता का प्रतीक माना गया है। लोक कथाओं से लेकर शास्त्रीय साहित्य तक, मुस्कान को मन की पवित्रता और सामाजिक सौजन्य से जोड़ा गया है। अतिथि के स्वागत में हल्की मुस्कान, गुरु के स्नेहिल उपदेश में संयत मुस्कान और जन-जीवन में निश्छल मुस्कान परस्पर विश्वास की आधारशिला है। ये सभी हमारी सांस्कृतिक परंपरा में मुस्कान के महत्व को रेखांकित करते हैं।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

मुस्कुराहट का जादू

वन, टू, थ्री कैमरे के सामने खड़े होते ही यह वाक्य मानो जैसे मुस्कुराने का आदेश देता है। होंठ अपने आप फैलते हैं, आंखें चमक के साथ हल्की-सी सिकुड़ती हैं और एक पल में आपकी मुस्कान कैमरे में कैद हो जाती है। यह मुस्कान हृदय से निकलती है और आंखों को स्पर्श करते हुए गालों तक पहुंच कर ठहर जाती है। एक सच्ची और प्यारी मुस्कान किसी को भी आकर्षित कर सकती है। मुस्कुराहट मनुष्य को ईश्वर प्रदत्त एक बड़ा वरदान है, जो किसी अन्य प्राणी को सहज उपलब्ध नहीं है। मुस्कान हमें सकारात्मक संदेश देती है और आशा की किरण बनती है। यह ऐसी भाषा है, जिसे समझने के लिए किसी अनुवादक की आवश्यकता नहीं होती। इसे प्राकृतिक और सहज बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

स्वस्थ मुस्कान जीवन की अमूल्य निधि

कृत्रिम अर्थात डिजिटल मुस्कान

कृत्रिम (आर्टिफिशियल) मुस्कान आपको कुछ पल के लिए सुंदर तो बना देगी, लेकिन असली मुस्कान जैसी प्रभावी नहीं होगी। असली मुस्कान आंखों में उतरती है, आवाज में झलकती है और व्यवहार में महसूस होती है। आज की विकसित तकनीक-मोबाइल, कैमरे और एआई-आधारित फोटो एडिटिंग टूल्स ने सुंदर दिखने को बहुत आसान बना दिया है। एक क्लिक में त्वचा बेदाग, नाक पतली, आंखें बड़ी और मुस्कान 'परफेक्ट' हो जाती है। यह स्वयं को तुरंत संतुष्टि और खुशी देती है-'वाह! सचमुच कितने सुंदर लग रहे हैं हम।' किंतु यह तात्कालिक खुशी और बनावटी सुंदरता अधिक समय तक नहीं टिकती और तब स्वाभाविक मुस्कान गायब हो जाती है। प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक कार्ल रोजर्स ने कहा था- 'जब हम स्वयं को वैसा स्वीकार नहीं कर पाते, जैसे हम हैं, तो मानसिक असंतुलन जन्म लेता है।"

फिल्टर की मुस्कान में वह गर्माहट नहीं है, जो अंतरात्मा से निकली हंसी में होती है। आज फिल्टर के युग में क्या वास्तव में मुस्कुराना अनिवार्य है? मन उदास हो, थकान हावी हो या भीतर कोई अनकहा बोझ दबा हो, फिल्टर सब संभाल लेता है, वह उदास आंखों में भी चमक भर देता है। होठों को हल्का-सा मोड़ देता है और ऐसी तस्वीर रच देता है, जिसे देखकर स्वयं ही कह उठें- 'वाह'। फिल्टर चेहरे की झुर्रियां-लकीरों को मिटा सकता है, किंतु मन की गांठें नहीं खोल सकता।

फिल्टर आज हमारी भावनाओं की साज-सज्जा बन चुके हैं। डिजिटल प्लेटफार्म अब बस तस्वीरें नहीं देखते, भावनाएं तौलते हैं। वह लाइक, शेयर और व्यूज के तराजू पर। आज लोकप्रियता के नए मानक स्थापित हो चुके हैं, जितनी प्रतिक्रिया, उतनी अधिक स्वीकार्यता।

भावना कम, प्रदर्शन ज्यादा

आज के डिजिटल प्लेटफार्म केवल तस्वीरें नहीं गिनते, अपितु लोगों की भावनाओं को भी नापते हैं। इस प्रक्रिया में मुस्कान अब भावना नहीं, अपितु प्रदर्शन बन गई है। डिजिटल मुस्कान इसी वस्तुकरण की परिणति है। जब व्यक्ति अपने चेहरे, शरीर और मुस्कान से असंतुष्ट रहता है, तब एक अवास्तविक मानक गढ़ लेता है। तकनीक स्वयं बुरी नहीं होती, परंतु समस्या तब गहराती है, जब साधन लक्ष्य बन जाएं। आज प्राकृतिक मुस्कान लुप्त होने का खतरा बढ़ रहा है। लोग सच में मुस्कुराना और अपनी असली मुस्कान भूल रहे हैं। सच्ची मुस्कान लोगों के हृदय तक पहुंचती है और आत्मविश्वास एवं अपनापन उत्पन्न करती है। आज हम खुश दिखने में इतने पारंगत हो चुके हैं कि खुश होना कहीं पीछे छूट गया है। आज हम तस्वीरों के माध्यम से खुश दिखना सीख गए हैं, किंतु खुश होना भूलते जा रहे हैं। कैमरे के सामने हंसना-मुस्कुराना आसान है, लेकिन स्वयं के साथ अपनी उदासी स्वीकार करना कठिन है। मुस्कान कोई आदेश नहीं है, भावना है। जब मन करे, तभी वह सुंदर लगती है। जबरन या नकली मुस्कान चेहरे को सजा देती है, लेकिन आत्मा को नहीं। कभी-कभी बिना मुस्कुराए फोटो खिंचवाना भी जरूरी है, क्योंकि यह आपको सच्चा बनाती है। जब आप सच में मुस्कुराएंगे, तब न कैमरे की आवश्यकता होगी, न फिल्टर की। वह वास्तविक मुस्कान अपने आप आपकी दुनिया को प्रकाशित कर देगी।

आध्यात्मिक दृष्टि

आध्यात्मिक स्तर पर मुस्कान अंतर्मन की शांति का प्रतिबिंब है। संत परंपरा में कहा गया है कि प्रसन्नचित्तता साधना का फल है। ध्यान, प्रार्थना और सेवा से उपजी संतुलित चेतना चेहरे पर सहज मुस्कान के रूप में प्रकट होती है। यह अहंकार को शिथिल करती है और करुणा का विस्तार करती है। आध्यात्मिक मुस्कान दिखावे से मुक्त होती है। न उसमें उपहास होता है, न ही दंभ, वह स्वीकार और प्रेम का संदेश देती है। ऐसी मुस्कान दूसरों के दु:ख को हल्का करती है और स्वयं के भीतर स्थिर आनंद का अनुभव कराती है।

मुस्कान सच्ची होना आवश्यक

एक समय था,जब मुस्कान को मन की सहज प्रतिक्रिया माना जाता था। यह भीतर उपजी प्रसन्नता, संतोष या अपनापन का स्वाभाविक प्रकटीकरण होती थी, लेकिन आज वही मुस्कान एक सीखी हुई कला बनती जा रही है। तराशी हुई, फिल्टर से छनी हुई और सोशल मीडिया पर छा जाने के लिए तैयार। ठुड्डी ऊपर, होंठों का नकली फैलाव और आंखों में कृत्रिम चमक, सब कुछ प्रदर्शन मात्र, अंदर से आता हुआ कुछ भी नहीं। फ्रांसीसी दार्शनिक बौद्रिया का कहना है - "प्रतिरूप, वास्तविकता से अधिक वास्तविक हो गया है।" महान चिंतक दीनानाथ दिनेश ने कहा है- "मुस्कान ज्ञान और संयम का चिह्न है। श्रेष्ठ पुरुषों की मुस्कान विजयसूचक होती है।"

वैज्ञानिक दृष्टि

वैज्ञानिक दृष्टि से मुस्कान केवल भावात्मक प्रतिक्रिया नहीं, अपितु एक जैव-रासायनिक प्रक्रिया भी है। जब हम मुस्कुराते हैं, तो मस्तिष्क में एंडार्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे अच्छे हार्मोन सक्रिय होते हैं। इससे तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित रहता है और प्रतिरक्षा तंत्र सुदृढ़ होता है। शोध बताते हैं कि मुस्कान सामाजिक संबंधों को भी मजबूत करती है-यह विश्वास बढ़ाती है, सहयोग की भावना जगाती है और संवाद को सरल बनाती है। रोचक तथ्य यह है कि "नकली" मुस्कान भी मस्तिष्क को सकारात्मक संकेत दे सकती है, जिससे मनोदशा में वास्तविक सुधार आता है। इस प्रकार मुस्कान स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता, दोनों की सहायक है।

मुस्कान हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान निधि है। मुस्कान प्रेम की भाषा है। प्रसिद्ध दार्शनिक थैकरे के अनुसार - "मधुर हास्य मकान में सूर्य प्रकाश के तुल्य है।" यह केवल चेहरे की अभिव्यक्ति नहीं, अपितु हृदय से निकली सकारात्मक ऊर्जा है। यह एक सहज, स्वाभाविक और सच्चा मानवीय भाव है। कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कहा है - "जो सत्य है, वही सुंदर है।" इसलिए मुस्कुराइए, जैसे आप वास्तव में हैं।

आज के तीव्र, प्रतिस्पर्धी और डिजिटल युग में मुस्कान का महत्व और बढ़ गया है। यह मानसिक स्वास्थ्य की सरल औषधि, सामाजिक सौहार्द्र का माध्यम और आत्मिक उन्नयन की सीढ़ी है। यदि हम प्रतिदिन सजग होकर मुस्कान को अपनाएं, स्वयं के प्रति, परिवार के प्रति और समाज के प्रति उत्तरदायी बनें, तो जीवन अधिक मानवीय, स्वस्थ और अर्थपूर्ण बन सकता है। मुस्कान छोटी है, पर उसका प्रभाव व्यापक है, यही उसकी वास्तविक महानता है। किसी विद्वान ने कहा है - "मुस्कान थके हुए के लिए विश्राम है, हतोत्साह के लिए दिन का प्रकाश है, उदास के लिए धूप तथा कष्ट के लिए प्रकृति का सर्वोत्तम प्रतिकार है।"

बदलता मौसम और शैकेट का स्मार्ट अंदाज

फैशन केवल ट्रेंड का अनुसरण नहीं करता, बल्कि मौसम, मनोदशा और जीवनशैली के बदलावों को भी अपने भीतर समाहित करता है। जैसे-जैसे ठंड विदा लेती है और गर्मी की हल्की आहट महसूस होने लगती है, वैसे-वैसे पहनावे में भी बदलाव साफ नजर आने लगता है। भारी जैकेट अब अलमारी में रख दिए जाते हैं और बहुत हल्के कपड़े अभी पूरी तरह सहज नहीं लगते। ऐसे संक्रमणकाल में जिस परिधान ने सबसे संतुलित, स्मार्ट और स्टाइलिश विकल्प के रूप में अपनी पहचान बनाई है, वह है शैकेट यानी शर्ट और जैकेट का बेहतरीन मेल। आज शैकेट केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि महिलाओं के फैशन में भी यह उतना ही लोकप्रिय और प्रयोगशील परिधान बन चुका है। बदलते मौसम में शैकेट पुरुषों और महिलाओं दोनों को एक सहज, यूथफुल और ट्रेंडी लुक देता है।

बदलते मौसम का फैशन समाधान

मार्च और उसके आसपास का समय अपने साथ अस्थिर मौसम लेकर आता है। दिन में हल्की गर्मी और सुबह-शाम ठंडक। ऐसे मौसम में शैकेट एक आदर्श फैशन समाधान बनकर उभरता है। यह न तो जैकेट जितना भारी होता है और न ही शर्ट जितना हल्का। इसी संतुलन के कारण यह कॉलेज, ऑफिस, यात्रा, सामाजिक मेल-मुलाकात और कैजुअल आउटिंग हर अवसर के लिए उपयुक्त माना जाता है। जब लोग पारंपरिक और भारी पहनावे से हटकर कुछ आरामदायक, लेकिन स्टाइलिश विकल्प तलाशते हैं, तो ऐसे में शैकेट उनकी पहली पसंद बनता जा रहा है।

फैब्रिक और कंफर्ट का महत्व

बदलते मौसम में फैब्रिक का चुनाव बेहद अहम हो जाता है। इसी कारण कॉटन-ब्लेंड, ट्विल, डेनिम और हल्के वूल मिक्स फैब्रिक से बने शैकेट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए सॉफ्ट टेक्सचर और फ्लोइंग फिट वाले शैकेट ट्रेंड में हैं, जबकि पुरुषों के लिए स्ट्रक्चर्ड और स्लिम-फिट शैकेट अधिक पसंद किए जाते हैं। इसके साथ-साथ सस्टेनेबल फैशन की ओर बढ़ता रुझान भी साफ नजर आता है। ऑर्गेनिक कॉटन और रिसाइकल्ड फैब्रिक से बने शैकेट पर्यावरण के प्रति जागरूक युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए शैकेट: आराम, एलिगेंस और एक्सपेरिमेंट

महिलाओं के फैशन में शैकेट ने एक नए अध्याय की शुरुआत की है। आज की महिलाएं ऐसे परिधान चाहती हैं, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी हों। शैकेट इस जरूरत को पूरी तरह पूरा करता है।

ओवरसाइज्ड शैकेट, लॉन्ग-लाइन शैकेट और बेल्टेड शैकेट महिलाओं के बीच खासतौर पर लोकप्रिय हो रहे हैं। इन्हें टॉप, क्रॉप टॉप, कुर्ती या यहां तक कि ड्रेस के ऊपर भी आसानी से पहना जा सकता है।

पेस्टल शेड्स, ऑफ-व्हाइट, स्काई ब्लू, पिंक, मस्टर्ड और हल्के चेक्स महिलाओं के लिए इस मौसम में बेहद पसंद किए जा रहे हैं।

इन रंगों की खासियत यह है कि ये लंबे समय तक फ्रेश लुक बनाए रखते हैं और हर तरह की स्टाइलिंग के साथ सहज रूप से मेल खाते हैं।

यूनिसेक्स फैशन की ओर बढ़ता कदम

शैकेट की सबसे बड़ी खासियत इसकी यूनिसेक्स अपील है। आज फैशन में जेंडर की पारंपरिक सीमाएं धीरे-धीरे धुंधली हो रही हैं और शैकेट इसी बदलाव का प्रतीक बन चुका है।

लड़के और लड़कियां दोनों इसे अपनी-अपनी स्टाइलिंग के अनुसार ढाल सकते हैं। कोई इसे रफ-टफ लुक देता है, तो कोई सॉफ्ट और एलिगेंट अंदाज में पहनता है।

पुरुषों के लिए शैकेट: सादगी में स्मार्टनेस

पुरुषों के फैशन में शैकेट को एक परिपक्व, लेकिन यूथफुल लुक देने वाला परिधान माना जा रहा है। टी-शर्ट या हल्के स्वेटर के ऊपर पहना गया शैकेट बिना ज्यादा प्रयास के स्टाइलिश दिखाई देता है।

चेक्स पैटर्न, डेनिम शैकेट, ऑलिव ग्रीन, ब्राउन, नेवी ब्लू और ग्रे जैसे रंग पुरुषों के बीच खासे लोकप्रिय हैं।

काम के बाद दोस्तों के साथ बाहर जाना हो या किसी पारिवारिक आयोजन में शामिल होना हो, शैकेट एक साफ-सुथरा, संतुलित और प्रभावशाली लुक प्रदान करता है।

शैकेट स्टाइलिंग

हल्के और सॉफ्ट रंग चुनें

अंदर सिंपल टी-शर्ट या टॉप रखें

लोअर में डेनिम, प्लाजो या कॉटन ट्राउजर बेहतर रहेगा

फुटवियर आरामदायक रखें। कम एक्सेसरीज रखें ताकि लुक साफ और संतुलित दिखे।

बजट में स्टाइल हर किसी के लिए

- शैकेट की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण इसकी किफायती उपलब्धता भी है। सामान्य बाजार में 800 से 1500 रुपये तक में अच्छे शैकेट आसानी से मिल जाते हैं, जो डेली वियर के लिए उपयुक्त होते हैं।
- वहीं महिलाओं के डिजाइनर और लॉन्ग शैकेट 2000 से 3500 रुपये तक की रेंज में उपलब्ध हैं।
- ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के बाजारों में मिलने वाले विकल्पों ने इसे हर वर्ग की पहुंच में ला दिया है।

एक सोच, फैशन से आगे

आज का फैशन केवल दिखावे तक सीमित नहीं है। यह व्यक्ति की सोच, आत्मविश्वास और जीवनशैली को दर्शाता है। शैकेट इसी आधुनिक सोच का प्रतीक है, जहां पुरुष और महिला दोनों अपने-अपने अंदाज में सहज, स्वतंत्र और आत्मविश्वासी दिखाई देते हैं। बदलते मौसम के साथ शैकेट ऐसा परिधान बन चुका है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्टाइल, आराम और व्यावहारिकता का बेहतरीन संगम है। यह न सिर्फ फैशन का हिस्सा है, बल्कि आज की युवा सोच और आधुनिक जीवनशैली का सशक्त प्रतिबिंब भी है। अगर आप अपने लुक में कुछ नया, स्मार्ट और संतुलित जोड़ना चाहते हैं, तो शैकेट को जरूर अपनाइए, क्योंकि जब पहनावा सहज होता है, तो आत्मविश्वास अपने आप झलकने लगता है।

खाना खजाना

रवा अप्पे

सुबह का नाश्ता अगर पौष्टिक, हल्का और झटपट बनने वाला हो, तो दिन की शुरुआत अपने आप बेहतर हो जाती है। ऐसे में सूजी के अप्पे अर्थात रवा के अप्पे एक आदर्श विकल्प हैं। यह दक्षिण भारतीय शैली से प्रेरित व्यंजन आज पूरे देश में पसंद किया जाता है। कम तेल में बनने वाला यह नाश्ता स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिहाज से भी बेहद लाभकारी है। खास बात यह है कि इसमें अपनी पसंद की सब्जियां डालकर इसे और भी पौष्टिक बनाया जा सकता है।

नीलम कोडवानी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- सूजी -1 कप
- दही -1 कप
- पानी-आवश्यकतानुसार
- सब्जियां - बारीक कटा प्याज, गाजर, शिमला मिर्च और हरा धनिया
- मसाले - नमक स्वादानुसार, हरी मिर्च (बारीक कटी), लाल मिर्च (वैकल्पिक)
- तड़का - 1 चम्मच तेल, राई (सरसों के दाने), करी पत्ता
- अन्य - 1 छोटी चम्मच ईनो (Eno) या बेकिंग सोडा

सूजी के अप्पे क्यों हैं खास

सूजी पचने में हल्की होती है और इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं। दही मिलाने से इसमें प्रोटीन और प्रोबायोटिक गुण जुड़ जाते हैं, जो पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। सब्जियों की मौजूदगी इसे फाइबर और विटामिन से भरपूर बना देती है। यही कारण है कि यह नाश्ता बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए उपयुक्त माना जाता है।

बनाने की विधि

सबसे पहले आप बैटर तैयार करें। इसके लिए एक बड़े बाउल में सूजी और दही डालें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए गाढ़ा और चिकना घोल तैयार करें। ध्यान रखें कि बैटर बहुत पतला न हो। इस मिश्रण को ढककर 10-15 मिनट के लिए रख दें। इस दौरान सूजी अच्छी तरह फूल जाती है, जिससे अप्पे मुलायम बनते हैं।

अब बैटर में कटी हुई सब्जियां, नमक, हरी मिर्च और चाहें तो लाल मिर्च डालें। सब कुछ अच्छे से मिला लें ताकि स्वाद समान रूप से फैले। फिर एक छोटे पैन में तेल गरम करें। इसमें राई डालें, जब राई चटकने लगे, तो करी पत्ता डालें। इस तड़के को तुरंत बैटर में मिला दें। इससे अप्पों में जबरदस्त खुशबू और स्वाद आता है। अब अप्पे पकाने से ठीक पहले बैटर में ईनो डालें और ऊपर से थोड़ा-सा पानी डालकर हल्के हाथ से मिलाएं। बैटर हल्का और फूला-फूला हो जाएगा। फिर अप्पे पैन को मध्यम आंच पर गरम करें और हर खाने में थोड़ा-सा तेल लगाएं। अब चम्मच से बैटर डालें और पैन को ढककर 3-4 मिनट तक पकाएं। जब नीचे की सतह सुनहरी हो जाए, तो अप्पों को पलट दें। दूसरी तरफ से भी 2-3 मिनट पकाएं, जब तक वे हल्के क्रिस्पी न हो जाएं।

सिटी ब्रीफ

फुटबॉल टूर्नामेंट का फिक्स्चर आज होगा जारी

अमृत विचार, लखनऊ : मिलानी क्लब और लखनऊ फुटबॉल एसोसिएशन की देखरेख में आगामी एक मार्च को आरडीएसओ स्टेडियम में एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया जायेगा। एसोसिएशन सचिव कन्हैया लाल ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियों के क्रम में टूर्नामेंट का फिक्स्चर रविवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में निकाला जाएगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक टीमें निकुंज सरदार से संपर्क कर सकती हैं।

दुल्हन के लाखों के जेवर लेकर फरार हुए चोर

अमृत विचार, लखनऊ /उन्नाव : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के राजमार्ग स्थित आजाद नगर में एक गेस्टहाउस में चल रहे शादी समारोह से दुल्हन के लाखों के जेवर चोरी होने से हड़कंप मच गया। जयमाल के बाद जब शादी की अन्य रस्में चल रही थीं तभी अज्ञात चोरों ने दुल्हन के जेवरात से भरे बक्से का ताला तोड़कर कीमती सामान पार कर दिया। बता दें कि पोनी रोड श्रीनगर निवासी मनोज गुप्ता की बेटी की शादी शुक्रवार रात आजाद नगर के सामने एक गेस्ट हाउस में थी। पीड़ित मनोज गुप्ता ने गंगाघाट पुलिस को तहरीर दी है।

504 में मात्र 73 शिकायतों का निस्तारण

डीएम ने सदर तहसील में सुनीं जनता की समस्याएं, शिकायतकर्ताओं को कॉल करके लिया फीडबैक

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतें सुनते जिलाधिकारी एवं अन्य।

अमृत विचार : राजधानी की पांचों तहसीलों में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवसों में प्राप्त कुल 504 प्रकरणों में से 73 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी विशाख जी ने तहसील सदर में जनता की समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिकायतकर्ताओं को कॉल करके निस्तारण का फीडबैक लिया। तहसील सदर में प्राप्त कुल 30 प्रकरणों में से 12 का मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष प्रकरणों को सम्बंधित विभागों को एक सप्ताह में निस्तारण के लिए भेजा।

जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में 30 में से 12 प्रकरणों का निस्तारण, तहसील मलिहाबाद में 59 में से 4 प्रकरण, तहसील बीकेटी में 80 में से 16 , तहसील मोहनलालगंज में 224 में से 33 तथा तहसील सरोजनीनगर में 111 में से 8 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर किया गया। पुलिस 64, राजस्व एवं पुलिस संयुक्त 1, राजस्व 241, विकास 37, शिक्षा 3, स्वास्थ्य 2, समाज कल्याण 14, नगर निगम 5 तथा अन्य 137 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी के साथ मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, एडीएम आपूर्ति ज्योति गौतम, उप जिलाधिकारी तहसील सदर मनोज सिंह, तहसीलदार सदर जेपी सिंह, पुलिस, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के आरोपों की गूंज

- अमृत विचार, बख्शी का तालाब, : बख्शी का तालाब तहसील परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में शिकायतों की भरमार रही। भारतीय किसान यूनियन के नेता अमरेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत मुसपिपरी के प्रधान व सचिव पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। शिकायत के अनुसार हैंडपंप, स्ट्रीट लाइट, होम पाइप, प्रशासनिक कार्य एवं सफाई मद में लाखों रुपये खर्च दर्शाए गए। आरोप है कि 25 मई 2024 को "पेमेंट" के नाम पर 8,81,539 रुपये तथा 29 अप्रैल 2024 को "सीएक्ससी" के नाम पर 8,81,539 रुपये का भुगतान किया गया, जिसकी पारदर्शिता संदिग्ध है। तहसीलदार ने बीडीओ को जांच के निर्देश दिए। वहीं जमखनवां निवासी विधवा सुंदरा ने बताया कि उनके पति के नाम गाटा संख्या 1429, 488 ख और 1453 स्थित तालाब 31 अगस्त 2020 को 10 वर्ष के लिए मछली पालन हेतु पट्टे पर आवंटित हुआ था। पति की मृत्यु के बाद भी वह 2024 तक लगान जमा करती रहीं। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने 50 हजार रुपये लेने के बावजूद मछली पकड़ने से रोका और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। तहसीलदार ने नायब तहसीलदार को जांच के निर्देश दिए।

पेंशन रुकी तो मालूम हुआ कागजों में मर गए

- अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह के समक्ष सिसेंडी निवासी बुजुर्ग महिला रामदुलारी ने लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनके पति जयनारायण को गुजर-बसर के लिए वृद्धावस्था पेंशन मिलती थी, लेकिन कुछ माह पूर्व दोनों की पेंशन अचानक बंद हो गई। समाज कल्याण विभाग के लखनऊ स्थित कार्यालय में जानकारी करने पर पता चला कि प्रपत्रों में दोनों को मृत दर्शा दिया गया है, इसी कारण पेंशन रोकी गई। बुजुर्ग महिला ने बताया कि पेंशन दोबारा शुरू कराने और स्वयं को जीवित साबित करने के लिए वे महीनों से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम राकेश सिंह ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को जांच कर बुजुर्ग दंपति की रुकी पेंशन शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिए।

पुलिस मुठभेड़ में लुटेरे के पैर में लगी गोली, साथी भी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लूटी गयी चेन का टुकड़ा, तमंचे, कारतूस व लूट में प्रयुक्त एक्टिवा बरामद

अमृत विचार: इंदिरानगर के लवकुश नगर मोड़ स्थित आरआर बंधे के पास शनिवार देर रात गाजीपुर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि दूसरे को पुलिस ने घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गयी चेन, दो तमंचे, कारतूस, खोखा व लूट में प्रयुक्त काली एक्टिवा बरामद की है।

डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि इंदिरानगर ए-ब्लॉक निवासी विमला 19 फरवरी को कुछ काम से जा रही थी। रास्ते में सर्वोदयनगर स्थित गोल चौराहे के पास एक्टिवा सवार दो बदमाशों ने चेन लूट ली थी। गाजीपुर पुलिस और सर्विलांस टीम की दो टीमें लगायी गयी थी। शनिवार देर रात गाजीपुर पुलिस लवकुश नगर मोड़ स्थित आरआर बंधे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को काली स्कूटी सवार दो बदमाश आते दिखे। पुलिस को देखकर बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। घेराबंदी

घायल बदमाश।

होने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बाएं पैर में गोली लगने से एक बदमाश सड़क पर गिर पड़ा। जबकि दूसरा गाड़ी छोड़कर भाग निकला। जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में घायल बदमाश मोहम्मद रानू उर्फ फराज निवासी बिसवां सीतापुर हालपता हारूनी मस्जिद कलीम टेंट हाउस के पीछे विधायक चौराहा थाना चिनहट है। साथी मोहम्मद रिजवान निवासी सुल्तानपुर हालपता निशातगंज है।

तालाब को भूमाफियाओं द्वारा पाटे जाने का लगाया आरोप

संवाददाता, सरोजनीनगर

- सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में एडीएम ट्रांस गोमती की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित
- राजस्व अभिलेखों में हेरफेर कर अस्तित्व समाप्त करने का प्रयास, हल्का लेखपाल व कानूनगो पर मिलीभगत का आरोप

सरोजनीनगर तहसील में समस्याएं सुनते अधिकारी।

अमृत विचार: सरोजनीनगर तहसील में शनिवार को एडीएम ट्रांस गोमती राजकुमार मित्तल की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न शिकायतें दर्ज की गईं। बेहटा निवासी प्रशांत, सुजीत सहित ग्रामीणों ने खसरा संख्या 1053, 1052 व 1050 में दर्ज तालाब की भूमि को बिल्डरों व भूमाफियाओं द्वारा पाटे जाने का आरोप लगाया।

उनका कहना है कि वर्ष 1332, 1347 व 1359 फसली अभिलेखों में भूमि तालाब (श्रेणी-4) के रूप में दर्ज थी, लेकिन अब राजस्व अभिलेखों में हेरफेर कर उसका अस्तित्व समाप्त करने का प्रयास हो रहा है। ग्रामीणों ने हल्का लेखपाल संदीप कुमार और कानूनगो राममूरत यादव पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच और स्थानांतरण की मांग की। सरैयां गांव के अरुण कुमार रावत ने गाटा संख्या 305, 306 व 284, जो ऊसर बंजर में दर्ज है, पर अवैध निर्माण की शिकायत की। उन्होंने भू-माफिया एक्ट के तहत कार्रवाई और भूमि खाली कराने की मांग की। वहीं जुनाबगंज मजरा सराय सहजादी निवासी राजदुलारी ने आरोप लगाया कि त्यागपत्र देने के बावजूद उनके मोबाइल नंबर पर बिजली कनेक्शन दर्ज कर बिल जारी किया जा रहा है। एडीएम ने सभी प्रकरणों में निष्पक्ष जांच कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

निजी कर्मचारियों के संरक्षण के आरोपों से गरमाई मोहनलालगंज तहसील

- **अमृत विचार, मोहनलालगंज :** प्रशासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि तहसील में निजी कर्मचारियों को नहीं रखा जाएगा और ऐसा पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। इसके बावजूद शुक्रवार को मोहनलालगंज तहसील में जिलाधिकारी विशाख जी के प्रस्तावित निरीक्षण की सूचना फैलते ही तहसील की कोर्ट सहित विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत करीब एक दर्जन निजी कर्मचारी अचानक अपने स्थान से गायब हो गए। सूत्रों के अनुसार निरीक्षण की जानकारी मिलते ही कुछ कथित निजी कर्मचारी कार्यालय छोड़कर चले गए, जबकि शनिवार को वही कर्मचारी पुन : अपनी-अपनी सीटों पर कार्य करते दिखाई दिए। इस घटनाक्रम से तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ये कर्मचारी अधिकृत नहीं हैं तो नियमित रूप से कैसे कार्य कर रहे हैं, और यदि अधिकृत हैं तो निरीक्षण के समय अनुपस्थित क्यों रहे। गौरतलब है कि शुक्रवार को जिलाधिकारी ने तहसील के विभिन्न पटलों, अभिलेखों, लंबित प्रकरणों और साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया था। पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और प्रशासन से पारदर्शी कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

आज बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: वोटर जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन 22 फरवरी को बंगलाबाजार में किया गया है। कार्यक्रम में हजारों लोग शामि होंगे। इसे देखते हुए सुबह 9 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

यह जानकारी डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने दी। इस दौरान इमरजेंसी में वैकल्पिक मार्ग के अभाव में प्रतिबंधित मार्ग से एंबुलेंस, दमकल, शव वाहन व स्कूली वाहन को जाने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके लिए चालक को यातायात कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 पर संपर्क करना होगा।

यहां रहेगी रोक

- रामकथा मोड़ से बंगलाबाजार की तरफ रोक रहेगी।
- बंगलाबाजार चौकी से बंगलाबाजार पेट्रोल पम्प की तरफ रोक रहेगी।
- खजाना मार्केट से बंगलाबाजार पुलिस चौकी की तरफ रोक रहेगी।
- किला चौराहा से बंगलाबाजार पेट्रोल पम्प की तरफ रोक रहेगी।
- चांस्लर क्लब तिराहा से स्मृति उपवन गेट नं.-04 की तरफ रोक रहेगी।
- काशा ग्रीन सिटी चौराहा से उसरी पेट्रोल पम्प तिराहा की तरफ रोक रहेगी।
- सालेह नगर तिराहा से उसरी पेट्रोल पम्प तिराहा की तरफ रोक रहेगी।

यहां से जाएं

- ये वाहन रामकथा मोड़ से दाहिने होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन खजाना मार्केट होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन सैनिक लॉन मोड़ से जा सकेंगे।
- ये वाहन स्मृति उपवन/ रजनीखण्ड होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन स्मृति उपवन, खाजाना मार्केट होते हुए जा सकेंगे।
- ये वाहन बंगलाबाजार चौराहा (वीआईपी रोड) होते जा सकेंगे।
- ये वाहन किला चौराहा होते हुए जा सकेंगे।

कॉस्मेटिक सर्जरी में भी बढ़ेगा रोबोटिक तकनीक का दायरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू के 114वें स्थापना दिवस पर विशेषज्ञों ने गिनाए फायदे, कम रक्तस्राव, तेज रिकवरी और अधिक सटीक परिणाम

अमृत विचार : जटिल और गंभीर ऑपरेशनों में सटीक परिणाम देने वाली रोबोटिक सर्जरी तकनीक अब कॉस्मेटिक सर्जरी के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खोल रही है। यह जानकारी गुवाहाटी के वरिष्ठ सर्जन डॉ. सुभाष खन्ना ने दी।

शनिवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के जनरल सर्जरी विभाग का 114वां स्थापना दिवस अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में मनाया गया। कार्यक्रम में दिल्ली के कृष्ण नगर से विधायक डॉ. अनिल गोयल मुख्य अतिथि रहे।

डॉ. खन्ना ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी में सर्जन विशेष कंसोल से रोबोटिक आर्म्स नियंत्रित करता है, जिससे अत्यंत सूक्ष्म चीरे लगाए जा सकते हैं। इससे रक्तस्राव कम, संक्रमण का खतरा घटता है और रिकवरी तेज होती है। हृदय, कैंसर और यूरोलॉजी सर्जरी में इसके बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। भविष्य में टेलीरोबोटिक व नैनो-रोबोटिक तकनीक का लाभ भी मरीजों को मिलेगा। फेसलिफ्ट, राइनोप्लास्टी और बॉडी कॉन्टूरिंग जैसी कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं में भी इसका उपयोग बढ़ेगा।

सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनव अरुण सोनकर ने कहा कि थ्री-डी विजन और सटीक नियंत्रण से प्लास्टिक सर्जरी में इसका दायरा बढ़ेगा। अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने चिकित्सकों की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. अक्षय आनंद सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे।

धरना प्रदर्शन के दौरान हिंदी संस्थान के पास सड़क पर लगा जाम। अमृत विचार

मुंबई-कटिहार होली विशेष ट्रेन 6 फेरों के लिए संचालित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रेलवे ने होली स्पेशल गाड़ियों और प्रायोगिक ठहराव की सुविधा की घोषणा

अमृत विचार: रेलवे प्रशासन ने होली पर्व पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए 09189/09190 मुंबई सेंट्रल-कटिहार-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी चलाने का निर्णय लिया है। मुंबई सेंट्रल से यह ट्रेन 28 फरवरी, 07, 14, 21 और 28 मार्च को प्रस्थान करेगी, जबकि कटिहार से 24 फरवरी, 03, 10, 17, 24 और 31 मार्च को रवाना होगी। 09189 मुंबई सेंट्रल से 10.55 बजे चलकर अगले दिन 13.55 बजे लखनऊ पहुंचेगी।

09190 कटिहार से 00.15 बजे प्रस्थान कर 16.35 बजे लखनऊ पहुंचेगी। गाड़ी में एसी द्वितीय श्रेणी 1, एसी तृतीय श्रेणी 3, शयनयान 12 और साधारण द्वितीय श्रेणी 2 कोच लगाए जाएंगे।

रक्सौल-उधना साप्ताहिक विशेष वाया गोरखपुर

- रेलवे ने 05559/05560 रक्सौल-उधना-रक्सौल साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचालन भी घोषित किया है। रक्सौल से 28 फरवरी तथा उधना से 01 मार्च को एक-एक फेरा संचालित होगा।

सीहोर स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव: पश्चिम रेलवे के अनुसार 19489/19490 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस और 19091/19092 बांद्रा टर्मिनल-गोरखपुर एक्सप्रेस का सीहोर स्टेशन पर दो मिनट का प्रायोगिक ठहराव रहेगा। समय की जानकारी रेलवे पूछताछ केंद्र और रेलवन ऐप से प्राप्त की जा सकती है।

सुविधा | 305 बसों का होगा नॉन-स्टॉप संचालन

रोडवेज की होली स्पेशल बस सेवा का प्लान तैयार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ क्षेत्र में रोडवेज प्रशासन ने होली पर्व के लिए बस संचालन का पूरा खाका तैयार कर लिया है। लखनऊ क्षेत्र की कुल 967 बसों में से 305 बसों को विशेष रूप से चिह्नित किया गया है। ये बसें 25 फरवरी से 5 मार्च तक यूपी के 13 प्रमुख शहरों के बीच नॉन-स्टॉप सेवाओं के रूप में संचालित होंगी।

प्रमुख बस अड्डों से मिलेगी सुविधा : यात्रियों को बसों की सुविधा आलमबाग, कैसरबाग और अवध स्टेशन से उपलब्ध होगी। एकमुश्त सवारी होने पर बसें सीधे रवाना की जाएंगी। इसके चलते यात्रियों को रास्ते में बार-बार सवारी उतारने और चढ़ाने के झंझट से मुक्ति मिलेगी और फिजूल का समय बर्बाद नहीं होगा। क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय ने बताया कि बस अड्डों पर यात्रियों के बैठने, खान-पान और अन्य सुविधाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

मार्गों के अनुसार बसों का विवरण

- कानपुर मार्ग : 17 बसें
- गोरखपुर मार्ग : 46 बसें
- दिल्ली मार्ग : 43 बसें
- बहराइच मार्ग : 26 बसें
- गोंडा-बलरामपुर मार्ग : 24 बसें
- आजमगढ़ मार्ग : 37 बसें
- देहरादून मार्ग : 9 बसें
- हरिद्वार मार्ग : 10 बसें
- बनारस मार्ग : 10 बसें
- प्रयागराज मार्ग : 33 बसें

- आगरा-मथुरा मार्ग : 20 बसें
- रायबरेली मार्ग : संख्या निर्दिष्ट नहीं
- यात्रियों की सुविधा के लिए एसी बसें भी संचालित की जाएंगी। इन एसी बसों में तत्काल या एडवांस बुकिंग की सुविधा भी खोल दी गई है।

बाजार में होम मेड प्रोडक्ट की धूम, होली पर खाइए जेली

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी के बाजारों में होली को लेकर रौनक बढ़ गई है। रंग-गुलाल के साथ चिप्स और पापड़ की दुकानों पर भी खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। इस बार जेली पापड़ खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रंग-बिरंगी चिप्स, पापड़ और कचरी की बिक्री में तेजी आई है, जो त्योहार का स्वाद बढ़ा रहे हैं।

बाजार में आलू-चावल मिक्स पापड़, बनारसी पापड़, साबूदाना, मूंग और उड़द के पापड़ सहित कई वैराइटी उपलब्ध हैं। मसालेदार और सादे चिप्स भी ग्राहकों को लुभा रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार होममेड उत्पादों की मांग बढ़ी है, क्योंकि लोग इन्हें स्वादिष्ट और सेहतमंद मानते हैं।

अमीनाबाद मार्केट में नमकीन की खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

- बाजारों में आलू चावल मिक्स, बनारसी पापड़ सहित कई वैराइटियों में मौजूद है पापड़ और चिप्स

यहियागंज व्यापारी सुनील शुक्ला ने बताया कि त्योहार के समय बिक्री में 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो जाती है। आलू-चावल मिक्स पापड़ 200 रुपये किलो, आलू पापड़ 140 रुपये, बनारसी पापड़ 200 रुपये, कचरी 100 से 150 रुपये और साबूदाना पापड़ 150 से 200 रुपये किलो बिक रहा है। व्यापारी गगनदीप ने बताया कि जेली पापड़ तीन वैराइटी में 130 से 150 रुपये किलो उपलब्ध है। चना पापड़ 225 रुपये, लहसुन 235 रुपये और तिरंगा पापड़ 240 रुपये किलो बिक रहा है।

प्रेम अगम अनुपम अमित
सागर सरिस बखान
जो आबत यहि ढिग बहुरि
जात नहीं रसखान।

रसखान कहते हैं, प्रेम का ज्ञान नहीं होता। वह अनुभव आधारित होता है। वह अथाह और अनुपम होता है। उसकी उपमा नहीं दी जा सकती। वह रस से सराबोर किए रहता है। जो इस प्रेम रूपी समुद्र के किनारे आ जाता है, वह फिर लौटकर वापस नहीं जा पाता।

मनुष्य और पशु दोनों में एक प्राण शक्ति

प्रकृति में जैव विविधता है। पशुओं के प्रति लगाव का इतिहास पुराना है। मनुष्य और पशुओं के मध्य आत्मीयता का भाव वैदिक साहित्य से लेकर आज तक प्रत्यक्ष दिखाई पड़ता है। कुत्ते हमारे स्वाभाविक परिजन हैं। उनकी सूंघने व सुनने की क्षमता विलक्षण है। संप्रति आधुनिक सभ्यों का एक वर्ग कुत्तों से चिढ़ा हुआ है। कोर्ट-कचहरी तक कुत्तों पर बहस है। कुत्तों को संसार से शून्य करना चाहता है। यह बात सही है कि जब-तब कुत्ते आक्रामक भी हो जाते हैं, लेकिन वे स्वयं अपनी ओर से कभी आक्रामक नहीं होते। उनकी आंखों में स्वाभाविक आत्मीय लगाव देखा जा सकता है। वे अपने लिए कोई संपदा नहीं चाहते। वे इस विराट संसार में अपने लिए छोटी सी जगह चाहते हैं। दौड़ाने पर वे वह जगह छोड़कर दूसरी जगह बैठ जाते हैं। पालतू कुत्तों की बात अलग है। बाकी सब भूखे-प्यासे मरते हैं।

> वैदिक साहित्य में कहा गया है, 'मनुष्य और पशु दोनों में एक प्राण शक्ति है।' उनमें आत्मीयता है। बाघ आदि जानवर कभी पालतू नहीं रहे। ऋग्वेद के शिव और रुद्र पशुपति भी हैं। वैदिक इंडेक्स में लिखा है, 'ऋग्वेद में प्राणियों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है, पहली श्रेणी वायव्य है। इस श्रेणी में पक्षी आते हैं। दूसरी श्रेणी अरण्य है। अरण्य का अर्थ है वन। इस श्रेणी में जंगल में रहने वाले पशु आते हैं और ग्राम्य-गांव में रहने वाले पालतू पशु हैं। वैदिक काल में पशुओं के प्रति प्रेम बहुत सघन रूप में व्यक्त हुआ है।

वैदिक साहित्य में कहा गया है, 'मनुष्य और पशु दोनों में एक प्राण शक्ति है।' उनमें आत्मीयता है। बाघ आदि जानवर कभी पालतू नहीं रहे। ऋग्वेद के शिव और रुद्र पशुपति भी हैं। वैदिक इंडेक्स में लिखा है, 'ऋग्वेद में प्राणियों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है, पहली श्रेणी वायव्य है। इस श्रेणी में पक्षी आते हैं। दूसरी श्रेणी अरण्य है। अरण्य का अर्थ है वन। इस श्रेणी में जंगल में रहने वाले पशु आते हैं और ग्राम्य-गांव में रहने वाले पालतू पशु हैं। वैदिक काल में पशुओं के प्रति प्रेम बहुत सघन रूप में व्यक्त हुआ है। अग्नि ऋग्वेद में बड़े देवता हैं। ऋग्वेद के ऋषि के ध्यान में अग्नि की पशु जैसी चंचलता की ओर गया है। ऋग्वेद (1.65.5) में कहते हैं, 'अग्नि पशु जैसे चंचल हैं।' कभी-कभी घरेलू पशु खो जाते हैं। खोजने पर मिल जाते हैं। पशु के खो जाने और बाद में उसके मिल जाने पर प्रसन्नता होती है। ऋग्वेद में कहते हैं, 'पूषन देव हमें वैसे ही मिलते हैं, जैसे खोए हुए पशु खोजने पर मिल जाते हैं।' अनेक पशु इधर-उधर घूमा करते हैं। ऋषि ऐसे पशुओं की तुलना अग्नि देवता से करते हैं, 'अग्नि वैसे ही फैल जाता है, जैसे रक्षक के बिना पशु इधर-उधर भागता है।'

पशुओं से अपने कुल या वंश का संबंध जोड़ना सर्वविदित है। सभी पशु प्रिय हैं, लेकिन कुत्ते प्राचीन भारतीय इतिहास से लेकर आधुनिक काल तक अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं। भारतीय अध्यात्म परंपरा में स्वर्ग प्राप्ति को महत्वपूर्ण बताया गया है। महाभारत के रचनाकाल में स्वर्ग अति प्रतिष्ठित धारणा थी। महाभारत की कथा के अनुसार युधिष्ठिर अपने भाई व द्रौपदी के साथ स्वर्ग की यात्रा पर निकले। कथा के अनुसार उनका कुत्ता भी साथ था। स्वर्ग की दुर्गम पहाड़ियों में एक-एक पांडव गिरते गए। मरते गए अंत में द्रौपदी के भी गिर जाने के बाद कुत्ता ही जीवित शेष रहा। महाभारत में सभी पांडवों के देहावसान के कारण बताए गए हैं। युधिष्ठिर के कुत्ते का बच जाना उसकी निष्ठा का पुरस्कार था। कुत्ते अपने पालक के प्रति निष्ठावान रहते हैं। निष्ठा भी साधारण नहीं। अपने पालक के साथ स्वर्ग तक जाने की पात्रता ध्यान देने योग्य है। स्वर्ग प्राप्ति की पात्रता आश्चर्यजनक है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

कुत्तों को मारने का फतवा ठीक नहीं। कुत्तों की आंखों में आंख डालकर झांकना चाहिए। यहां आत्मीयता है। वे निर्दोष हैं। आंखें आत्मरस से लबालब हैं। वे किसी को भी चोट नहीं पहुंचाना चाहते। अपने पालक के प्रति निष्ठा दुर्लभ है, उनमें। संसार में बड़े अनूठे जीव हैं। संसार जैव विविधता से भरा पूरा है। ऋग्वेद के एक प्रसंग में कुत्ते देवताओं की गाय चुरा लेते हैं। गायों की चोरी की घटना से देव व्यथित थे। ऋग्वेद की कथा के अनुसार देवों की कुतिया शर्मा ने चोरी गई गाय खोज निकालीं। गाय चोरी करने वालों ने शर्मा से कहा कि हम-तुम यह गोधन परस्पर बांट लें। शर्मा ने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। उसकी अपनी वंश परंपरा में निष्ठा बहुत महत्वपूर्ण है। उसने कहा कि इंद्र आ रहे हैं और अपनी गाय वापस ले जाएंगे। आचार्य सायण ने इस मंत्र सूक्त के आधार पर शर्मा को कुतिया होने के बावजूद देवता का सम्मान दिया है। शर्मा वैदिक देवता है।

गाय और घोड़े भी प्राचीन समाज में प्रतिष्ठित पशु रहे हैं, लेकिन तीनों की अलग-अलग प्रतिष्ठा है। गाय वैदिक समाज में माता है। घोड़ा उपयोगी है, लेकिन कुत्ते की बात ही अलग है। कुछ विद्वान बंदर को पूर्वज बताते हैं। बंदर में पूछ होती है। बाकी सब मनुष्य जैसा है। पूरी बात गले नहीं उतरती। मनुष्य में ईर्ष्या होती है। हिंसा होती है। बेईमानी होती है। पशु बेईमान नहीं होते। भारतीय समाज में जीवों को अतिरिक्त आदर दिया गया है।

गणेश गण देवता हैं। उनका वाहन एक छोटा सा पशु चूहा है। एक देवता कार्तिकेय हैं, उनका वाहन मोर है। रूद्र शिव का वाहन वृषभ है। नंदी प्रतीक की चर्चा पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया के बड़े भूभाग में प्रचलित है। वैसे भी शंकर पशुपति हैं। बिल्ली भी अपनी ओर से काटने नहीं दौड़ती। गिर जाने पर हाथ-पैर चलाती है। समूचे पशु संसार को आदर के साथ मानना भारत में ही संभव है। ऐसे प्रतीक दुनिया की किसी अन्य संस्कृति में नहीं मिलते। सभी जीवों के प्रति आत्मीयता के सिद्धांत में सभी मनुष्यों के प्रति आत्मीयता का भाव अंतर्निहित है। प्रायः सभी जीव अपने आचरण से हिंसक नहीं होते। वे आत्मरक्षा में गलती कर सकते हैं।

पशु भारत की सम्मानित संपदा रहे हैं। इसके विपरीत पश्चिम एशिया और यूरोप के देशों में पशुओं के प्रति प्रेम भाव नहीं रहा है। संभवतः यूरोपीय देशों में मनुष्य और पशुओं के भीतर प्रवाहमान एक ही प्राण शक्ति का दार्शनिक भावबोध नहीं था। भारतीय दर्शन में मनुष्यों और पशुओं में तथा सभी जीवों में एक ही प्राण शक्ति का दर्शन हुआ है। भारत के आम जनों में सभी जीवों में एक ही प्राण शक्ति के दर्शन हुए हैं। हमारे परिचित देवाजी जायसवाल व अजय प्रताप सिंह कुत्तों, बंदरों व पक्षियों के प्रति संवेदनशील हैं। यह संवेदनशीलता प्रशंसनीय है।

गीता प्रबोधन में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से समूचे ब्रह्मांड में भिन्न-भिन्न प्रतिष्ठित प्रतीकों के उल्लेख किए हैं। कृष्ण ने अर्जुन को बताया है, 'शस्त्रधारियों में राम मैं हूं।' राम यहां भगवत्ता के प्रतीक हैं। ऐसे ही उन्होंने गाय के बारे में कहा है,' कामधेनु गाय मैं हूं। हाथियों में ऐरावत मैं हूं।' गाय सम्माननीय प्रतीक है। हाथी व सांप से लेकर सभी दिव्य प्रतीकों का उल्लेख गीता में हुआ है।

बंदर को मनुष्य का पूर्वज कहा जाता है। यह सिद्धांत चार्ल्स डार्विन के विचार से लिया गया है। जहां डार्विन बंदर को पूर्वज बताते हुए प्रकृति के विकास का संकेत देते हैं। भारतीय परंपरा में हनुमान ज्ञान और बुद्धि के देवता हैं। हनुमान बुद्धि, बल और ज्ञान के देवता हैं। वे भक्ति और समर्पण का शिखर हैं। पशु ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले से ही सम्माननीय हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र (9.72.9) में ऋषि स्तुति करता है कि हमारा धन पशुओं से भरा पूरा हो और स्वर्ण से युक्त हो। यहां सोने की तरह पशुओं को भी धन के रूप में देखा गया है।

यूरोप के लोग मनुष्य को सोशल एनिमल मानते थे। मनुष्य उनकी दृष्टि में सामाजिक प्राणी हैं। भारत का मनुष्य अनेक संभावनाओं से भरा-पूरा है। यहां वनस्पतियां आराध्य हैं। पृथ्वी आराध्य हैं। अंतरिक्ष आराध्य हैं। शक्ति का कण-कण उपास्य है। पश्चिम एशिया और यूरोप के देशों में पशुओं के प्रति आदर भाव नहीं रहा। ऋग्वेद में पशु सहित सभी प्राणी सम्माननीय हैं। यूरोप पर भारत के दृष्टिकोण में यह आधारभूत अंतर है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एआई इंपैक्ट समिट: वैश्विक सराहना और संभावनाएं

भारत में आयोजित हालिया एआई समिट केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं था; यह 21वीं सदी के भारत की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की घोषणा जैसा अवसर था। नई दिल्ली के मंच पर जब दुनिया के प्रमुख नेता, उद्योगपति और तकनीकी विशेषज्ञ एक साथ बैठे, तो संदेश साफ था- भारत अब तकनीक का उपभोक्ता भर नहीं, बल्कि नीति और नवाचार का निर्माता बनना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि भारत की एआई दृष्टि 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर आधारित है। उनका जोर इस बात पर था कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित शक्ति न बने, बल्कि स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और शासन में आम नागरिक के जीवन को बेहतर बनाए। उन्होंने यह भी जिक्र किया कि भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आधार, यूपीआई और ओपन नेटवर्क दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है और एआई इसी आधार पर आगे बढ़ेगा।

शिवेंद्र सिंह बघेल
लेखक

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने मंच से भारत की डिजिटल क्रांति की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि एक दशक में भारत ने करोड़ों लोगों को डिजिटल पहचान और बैंकिंग से जोड़ा है और अब वही ढांचा एआई के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहा है। मैक्रोन का यह कथन कि 'भारत ने पैमाने पर तकनीक को लोकतांत्रिक बनाया है', सिर्फ प्रशंसा नहीं, बल्कि वैश्विक मान्यता का संकेत था। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी कहा कि भारत एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार विकास में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। उनके शब्दों में, 'अगर नवाचार और सुरक्षा साथ चलें, तो भारत वैश्विक समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है।' तकनीकी जगत के नेताओं ने भी भारत की भूमिका को रेखांकित किया। ओपनएआई के प्रमुख सैम आल्टमैन ने भारत की प्रतिभा और डेवलपर इकोसिस्टम की सराहना करते हुए कहा कि आने वाला दशक एआई नवाचार में भारत का दशक हो सकता है, बशर्ते नीति और नैतिकता पर संतुलित दृष्टि बनी रहे।

> भारत एआई के भविष्य का एक केंद्रीय स्तंभ बन रहा है। वैश्विक समुदाय भारत को संभावनाओं, प्रतिभा और नीति-निर्माण की प्रयोगशाला के रूप में देख रहा है। यह वह क्षण था, जब राष्ट्रीय आत्मविश्वास को अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही थी।

इन तमाम बयानों में एक साझा भाव था, भारत एआई के भविष्य का एक केंद्रीय स्तंभ बन रहा है। वैश्विक समुदाय भारत को संभावनाओं, प्रतिभा और नीति-निर्माण की प्रयोगशाला के रूप में देख रहा है। यह वह क्षण था, जब राष्ट्रीय आत्मविश्वास को अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही थी।

इसी मंच पर एक ऐसी घटना भी घटी, जिसने इस सकारात्मक विमर्श पर छाया डालने का काम किया। यूथ कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा मंच पर चढ़कर टी-शर्ट उतारकर विरोध दर्ज कराना निस्संदेह लोकतांत्रिक असहमति का एक रूप हो सकता है, परंतु उसके समय और स्थान पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। जब देश-विदेश के नेता और विशेषज्ञ भारत की तकनीकी क्षमता पर चर्चा कर रहे हों, तब इस प्रकार का प्रदर्शन मुख्य मुद्दे से ध्यान हटाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

लड़कियों की शिक्षा में बाधा बनते रास्ते

यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते बड़ी संख्या में लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं, खासकर ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में। शिक्षा मंत्रालय के 2021–22 के आंकड़े बताते हैं कि दुर्गम क्षेत्रों में स्कूल छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। वहीं, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, किशोरियों के लिए स्वच्छ शौचालय और सुरक्षित परिवहन की कमी शिक्षा में निरंतरता की एक बड़ी बाधा है।

स्कूल प्रशासन भी इन समस्याओं से अनजान नहीं है। वह जानते हैं कि किस प्रकार लड़कियां रोजाना दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होकर हर खतरों से गुजरते हुए स्कूल आती हैं। बारिश के दिनों में तो अक्सर कई दिनों तक वह अनुपस्थित रहती हैं। इसके पीछे मुख्य कारण पहाड़ के फिसलन भरे रास्तों का डर। कुछ किशोरियां तकनीकी या शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित रह जाती हैं, क्योंकि नियमित उपस्थिति संभव नहीं हो पाती। जब पढ़ाई में निरंतरता टूटती है, तो उनका मन भी धीरे-धीरे स्कूल से हटने लगता है।

सरिता अरमोली
एक्टिविस्ट

ग्रामीण इलाकों में यह स्थिति केवल भौगोलिक कठिनाइयों तक सीमित नहीं है। सामाजिक और आर्थिक कारण भी उतने ही प्रभावी हैं। कई परिवारों के लिए लड़कियों की पढ़ाई आज भी प्राथमिकता नहीं बन पाई है। गांव की कुछ महिलाएं चाहती हैं कि उनके बच्चों विशेषकर उनकी लड़कियों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं मिले। वे मानती हैं कि पढ़ाई ही भविष्य बदलने का रास्ता है, लेकिन संसाधनों की कमी और व्यवस्थागत बाधाएं उनके इरादों के सामने दीवार बनकर खड़ी हो जाती हैं। कई बार लड़कियों को घर के कामों में मदद के लिए स्कूल जाने से रोक लिया जाता है, क्योंकि परिवार की रोज़मर्रा की ज़रूरतें पहले आती हैं।

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जैसे समग्र शिक्षा अभियान, किशोरियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं और निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, लेकिन इन योजनाओं का लाभ तब ही प्रभावी हो सकता है, जब लड़कियों के लिए स्कूल तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित की जाए। सड़क, परिवहन और आवासीय विद्यालय जैसी सुविधाएं पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षा को सुलभ बना सकती हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट भी इस बात पर ज़ोर देती है कि दुर्गम इलाकों में शिक्षा के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश सबसे आवश्यक है।

इस पूरे परिदृश्य में यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है। यह सम्मान, सुरक्षा और अवसर से जुड़ा प्रश्न है। जब तक किशोरियों को सुरक्षित वातावरण, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और सामाजिक समर्थन नहीं मिलेगा, तब तक स्कूल उनके लिए अधूरा सपना बना रहेगा। यह आवश्यक है कि नीतियां जमीनी सच्चाइयों को समझते हुए बनाई जाएं और स्थानीय समुदाय को भी समाधान का हिस्सा बनाया जाए, लेकिन सवाल उठता है कि क्या आने वाले समय में इन लड़कियों की राह आसान होगी?

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

दांव पर बचपन: निर्णायक कदम की जरूरत

दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इंपैक्ट समिट का वह क्षण ऐतिहासिक बन गया। इमैनुएल मैक्रों मंच पर खड़े थे; आँखों में गहरी चिंता और स्वर में पिता-सी व्याकुलता। उन्होंने प्रधानमंत्री की ओर देखकर कहा, 'मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, क्या आप इस क्लब में शामिल होंगे?' यह केवल कूटनीतिक प्रश्न नहीं, एक पिता की पुकार और सभ्यता की चेतावनी थी। उन्होंने पूछा, 'जो चीजें वास्तविक जीवन में अपराध हैं, वे हमारे बच्चों के सामने क्यों परोसी जा रही हैं? फ्रांस पंद्रह वर्ष से कम आयु के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध की दिशा में बढ़ रहा है। स्पेन और ग्रीस भी आगे हैं। अब भारत को 'कोलिशन ऑफ विलिंग' में शामिल होने का आमंत्रण है, क्योंकि यह नियमों से बढ़कर हमारी सभ्यता का प्रश्न है।' उनके शब्द सभागार में गूंजे और असंख्य माता-पिताओं के हृदय तक पहुंचे। क्या हम अब भी मौन रहेंगे?

> इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री से कहा, 'मिस्टर प्राइम मिनिस्टर, क्या आप इस क्लब में शामिल होंगे?' यह कूटनीतिक प्रश्न नहीं, एक पिता की पुकार और सभ्यता की चेतावनी थी। उन्होंने पूछा, 'जो चीजें वास्तविक जीवन में अपराध हैं, वे हमारे बच्चों को क्यों परोसी जा रही हैं?

यह विमर्श अब केवल तकनीक की प्रगति का नहीं, हमारे बच्चों के मन और मर्म की सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। वैज्ञानिक शोध निरंतर चेतावनी दे रहे हैं कि सामाजिक माध्यम किशोरों में अवसाद, चिंता और आत्महत्या जैसे विचारों की प्रवृत्ति को बढ़ा रहे हैं। अनवरत स्क्रीन पर उंगली चलाने की आदत ऐसी जकड़ बन चुकी है कि बच्चे नींद, अध्ययन और वास्तविक संबंधों से दूर होते जा रहे हैं। भारत में पचास करोड़ से अधिक युवा इंटरनेट से जुड़े हैं, जिनमें दस से चौदह वर्ष आयु के लाखों बच्चे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे मंचों पर घंटों डूबे रहते हैं। मैक्रों इसे स्पष्ट शब्दों में 'डिजिटल अब्यूज' कहते हैं। प्रश्न यह है- क्या हम इसे अब भी मात्र 'एक्सपोजर' का नाम देकर टालते रहेंगे, या फिर समय की पुकार सुनकर अपने बच्चों को इस विशैली स्क्रीन-जगत से बचाने का साहस करेंगे?

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

भारत में यह बहस पुरानी है, पर अब निर्णायक हो चली है। आर्थिक सर्वेक्षण ने सोशल मीडिया पर आयु-आधारित सीमा की अनुशंसा की है। एआई इंपैक्ट समिट में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार मंचों से डीपफेक और आयु-नियंत्रण पर चर्चा कर रही है। आंध्र प्रदेश सोलह वर्ष से कम आयु के लिए प्रतिबंध का प्रस्ताव रख चुका है। पर प्रश्न है- क्या केवल कानून पर्याप्त होगा? फेक आईडी और वीपीएन को कैसे रोका जाएगा? ऑस्ट्रेलिया ने सोलह वर्ष से कम आयु पर प्रतिबंध लगाया, फिर भी चुनौतियां बनी रहीं। भारत जैसे विशाल देश में यह और कठिन होगा। फिर भी इमैनुएल मैक्रों का प्रश्न स्पष्ट है, क्या बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि होगी?

विरोधी पक्ष का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध व्यावहारिक समाधान नहीं है। बच्चे शिक्षा, संवाद और सृजन के लिए इन मंचों का उपयोग करते हैं। कठोर प्रतिबंध उन्हें छिपे और अनियंत्रित उपयोग की ओर धकेल सकता है, इसलिए सख्त अभिभावकीय निगरानी, प्रभावी आयु-सत्यापन और सुदृढ़ सामग्री छनन को अधिक संतुलित विकल्प माना जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत आंकड़ा संरक्षण अधिनियम अठारह वर्ष से कम आयु के लिए अभिभावकीय सहमति अनिवार्य करता है, किंतु प्रश्न शेष है, क्या यह पर्याप्त है? मैक्रों का स्पष्ट मत है, जब तक मंच स्वयं जवाबदेही नहीं स्वीकारेंगे, तब तक बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी। फ्रांस में विधेयक आगे बढ़ चुका है। अब प्रश्न भारत के सामने है, क्या वह प्रतीक्षा करेगा?

यह प्रश्न केवल बच्चों तक सीमित नहीं, पूरे समाज का है। सोशल मीडिया ने सूचना को जनसुलभ बनाया, पर साथ ही घृणा, उत्पीड़न और मिथ्या समाचार का खुला बाजार भी खड़ा कर दिया। सबसे आसान लक्ष्य हमारे बच्चे बनते हैं। एआई के दौर में डीपफेक और एआई जेनरेटेड कंटेंट ने खतरा दोगुना कर दिया है। ग्रोक चैटबॉट से हजारों बच्चों की सेक्शुअलाइज्ड इमेज बनने की घटना ने दुनिया को झकझोर दिया। इमैनुएल मैक्रों ने स्पष्ट कहा, 'एआई सबके लिए होनी चाहिए, पर बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है।' प्रधानमंत्री मोदी ने भी उत्तर दिया कि एआई को 'फैमिली-गाइडेड' और 'चाइल्ड-सेफ' बनाना अनिवार्य है। अब निर्णय की घड़ी आ पहुंची है। भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है; हमारी डेमोग्राफी हमारी ताकत है, लेकिन अगर हम बच्चों को डिजिटल जहर से नहीं बचाएंगे, तो यह ताकत कमजोर पड़ सकती है। मैक्रों का प्रस्ताव एक सीधी चुनौती है। क्या हम यूरोप के साथ संतुलित और नियंत्रित मार्ग चुनेंगे, या अमेरिकी मॉडल (फ्रीडम फर्स्ट) को अपनाएंगे?

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

'हानि-लाभ जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ'

जीवन में अच्छे-बुरे दोनों अवसर आते हैं। कोई सोचे कि केवल अनुकूल और सकारात्मक ही अवसर आएंगे, तो यह एक तरह से गलत विचार ही माना जाएगा। वैसे भी गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में 'हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ' चौपाई के जरिए अवगत कराया है कि कभी भी एक जैसा समय नहीं रहेगा। अतः व्यक्ति को दोनों परिस्थितियों को झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। लाभ हो गया तो उसे प्रभु की कृपा माननी चाहिए तथा हानि हो गई तब भी भगवान की ही कृपा माननी चाहिए। इसी प्रकार अच्छा खासा जीवन जीने वाले की असमय में मृत्यु हो जाती है। किसी का वश नहीं चलता कि मृत व्यक्ति को जीवित कर दे।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यश-अपयश भी ईश्वरीय देने है। जीवन में यश मिलता है तो अपयश भी मिलता है।

धर्म ग्रंथों में विसंगतियों को भगवान तक झेलने के लिए विवश हुए हैं। शिव जी के विवाह के समय उनकी अर्धांगिनी पार्वती जी की मां मैना ने विसंगतियां खड़ी कर दीं। शिव का स्वरूप देखकर वे विवाह का विरोध करने लगीं, लेकिन जब उन्हें समझाया गया कि शिव जी देवों के देव हैं तथा ईश्वर हैं, तब कहीं जाकर मैना विवाह के लिए तैयार हुईं। इसी तरह की विसंगति त्रेतायुग में भगवान श्रीराम के साथ हुई।

एक ओर उनके राज्यारोहण की तैयारी हो रही थी कि उसी समय विसंगतियां आ खड़ी हुईं। राजा दशरथ की दूसरी पत्नी कैकेई ने अपनी दासी मंथरा के उकसाने पर रंग में भंग डाल दिया और भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की जगह उन्हें 14 वर्षों का वनवास दे दिया गया। भगवान श्रीराम वनवास से जरा भी विचलित नहीं हुए और बड़ी प्रसन्नता से वनवास स्वीकार किया और यहां तक कहा, 'पिता दीन्ह मोहिं कानन राजू, जहं अब होहिं मोर बड़ काजू।' ऐसा हुआ भी।

वनवास के दौरान उन्होंने ऋषियों-संतों की रक्षा की, जबकि राक्षसों का वध किया। 14 वर्षों के इन कार्यों की वजह से वे पूज्य हो गए। उनके शासन को कोई नहीं जानता, जबकि 14 वर्षों के वनवास को सभी जानते हैं। अतः मनुष्य को विसंगतियों से नहीं घबराना चाहिए। हो सकता है कि विसंगतियां जीवन को और निखार दें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

दिल ढूंढता है फिर वही संयुक्त परिवार के सुकून भरे दिन

आधुनिक जीवन शैली ने पारिवारिक ढांचे को गहराई से प्रभावित किया है। संयुक्त परिवारों का टूटना, एकल परिवारों का बढ़ना और आपसी संवाद में कमी मानसिक तनाव को और गहरा कर रही है। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में लोग अपने घरों से दूर हो रहे हैं, जिससे पारंपरिक भावनात्मक सहारा कमजोर पड़ रहा है। आर्थिक असुरक्षा, सीमित आय, परिवार की जिम्मेदारियों का दबाव और रिश्तों में बढ़ती दूरी मन को अस्थिर कर देती है। पति-पत्नी के बीच मतभेद, पारंपरिक और आधुनिक सोच का टकराव तथा रिश्तों में अनावश्यक हस्तक्षेप पारिवारिक तनाव को जन्म देते हैं। आज मानसिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौती काम नहीं, बल्कि काम से जुड़ा दबाव और समाज में बनी इमेज है। परिवार की उम्मीदें, रिश्तेदारों की तुलना और लोग क्या कहेंगे का डर इंसान को भीतर से तोड़ देता है। हम मुस्कुराते हुए भी भीतर से टूटते रहते हैं। यही मानसिक दबाव धीरे-धीरे शरीर और व्यवहार दोनों को प्रभावित करता है।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इसके लक्षण समय रहते पहचानना बेहद जरूरी है। लगातार चिंता, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी, नींद की समस्या, शारीरिक थकान, सामाजिक अलगाव और भावनात्मक असंतुलन। ऐसे संकेत लंबे समय तक बने रहें, तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर परामर्श और उचित उपचार मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं। इसका सबसे गहरा असर बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा है। पारिवारिक कलह, संवाद की कमी और माता-पिता की बढ़ती महत्वाकांक्षा उनके मन पर गहरा प्रभाव डालती है। बेहतर अंक और ऊंचे करियर की उम्मीदें कई बार बच्चों को अपनी भावनाएं दबाने पर मजबूर कर देती हैं।

समाधान की शुरुआत परिवार से ही होती है। खुला संवाद, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और अपनापन ही मानसिक सुकून की पहली सीढ़ी है। बच्चों को तुलना नहीं, सहयोग की जरूरत होती है। युवाओं को आलोचना नहीं, विश्वास चाहिए और बुजुर्गों को उपेक्षा नहीं, सम्मान और साथ चाहिए। यदि तनाव अधिक बढ़ जाए तो विशेषज्ञों से सलाह लेने में झिझक नहीं होनी चाहिए। स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। प्रत्येक जिले में मेंटल हेल्थ क्लिनिक की स्थापना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण और उच्च तनाव वाले पेशों के लिए नियमित काउंसलिंग आज समय की मांग है।

परिवार का टूटना केवल सामाजिक ढांचे का बदलाव नहीं, बल्कि एक गहरी मानसिक पीड़ा है। संवेदनशीलता, समझ और आपसी सहयोग से ही इस पीड़ा को कम किया जा सकता है। जब समाज सफलता से पहले इंसानियत को महत्व देना शुरू करेगा, जब उपलब्धियों से पहले खुशहाली को प्राथमिकता दी जाएगी और जब संवाद को चुप्पी पर तरजीह मिलेगी, तभी मानसिक स्वास्थ्य का वास्तविक संरक्षण संभव होगा। मानसिक सुकून कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है। जब तक इंसान अपने मन को समझना नहीं सीखेगा, तब तक बाहरी सफलताएं भी उसे सच्ची शांति नहीं दे पाएंगी।

मानसिक तनाव आज केवल किसी एक व्यक्ति की निजी परेशानी नहीं रहा, बल्कि यह एक गंभीर और तेजी से बढ़ती वैश्विक चुनौती बन चुका है। बदलती जीवन शैली, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, डिजिटल निर्भरता और सामाजिक अपेक्षाओं ने इंसान के भीतर ऐसा दबाव पैदा कर दिया है, जिसे वह रोजमर्रा की मुस्कान के पीछे छिपाकर जी रहा है। बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर ही भीतर मन थक चुका होता है। यही थकान धीरे-धीरे चिंता, बेचैनी और निराशा में बदल जाती है, जो जीवन की दिशा और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित करती है। डिजिटल युग ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं मानसिक शांति को चुनौती भी दी है। मोबाइल और स्क्रीन की लगातार उपस्थिति नींद को प्रभावित कर रही है, एकाग्रता कम कर रही है और मन में अस्थिरता पैदा कर रही है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

न्यूज ब्रीफ

डीएम ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन के साथ रतन सेन महाविद्यालय बांसी में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम के स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रतनसेन महाविद्यालय में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यातायात व्यवस्था, पार्किंग, भीड़ नियंत्रण, महिला सुरक्षा, वीआईपी आगमन-प्रस्थान मार्ग तथा आपातकालीन निकास व्यवस्था कराये जाने के बारे में निर्देश दिया।

डॉक्टर के बेटे की सड़क हादसे में मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के गंगईचा-दसावा मार्ग पर गंगईचा कब्रिस्तान मोड़ के पास शुक्रवार देर शाम हुए सड़क हादसे में एक डॉक्टर के बेटे की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सीएचसी सेमरियावां में प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। सेमरियावां ब्लॉक के जातेडीहा निवासी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अरशद हुसैन सेमरियावां चौराहे पर क्लिनिक चलाते हैं और कई वर्षों से बच्चों के साथ वहीं रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका बड़ा बेटा मोहम्मद अनस (18 वर्ष) इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा था। पहला पेपर देने के बाद वह गांव में दादी से मिलने गया था। दादी से दुआ लेने के बाद अनस अपने दोस्त शमीर पुत्र शाहिद के साथ बुलेट से परसा शेख चला गया।

रामलला के दरबार में नतमस्तक हुए गुयाना के उपराष्ट्रपति

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : गुयाना के उप राष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव शनिवार को रामनगरी पहुंचे। उन्होंने रामलला और राम दरबार के समक्ष माथा टेका। दर्शन पूजन के दौरान वह भाव विभोर हो गए। डॉ. भरत जगदेव का श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने परिसर में स्वागत सम्मान किया। लगभग एक घंटे के बाद गुजरात के लिए रवाना हो गए।

गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ भरत जगदेव लगभग 11:00 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर निजी विमान से पहुंचे। जहां शंखनाद के साथ महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक चंद्रभानु पासवान, जिला पंचायत सदस्य रोली सिंह व प्रमुख अधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद उनका काफिला एयरपोर्ट से निकलकर सड़क मार्ग से जगद्गुरु आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर परिसर पहुंचा। इस दौरान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने स्वागत करते हुए रामलला का प्रसाद और अंगवस्त्र भेंट किया।

राम मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद मौजूद गुयाना के उपराष्ट्रपति डॉ. भरत जगदेव ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा व विधायक चंद्रभानु पासवसन।

- दर्शन के दौरान हुए भाव-विभोर, एक घंटे रहे परिसर में
- निजी विमान से पहुंचे, शंखनाद से हुआ स्वागत

निहारी भव्यता, दिव्यता को किया आत्मसात

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक प्राण प्रतिष्ठा के बाद से बहुत सारे देशों से राम भक्त और वहां के विशेष अतिथि, मंत्री और राष्ट्र अध्यक्ष दर्शन के लिए आ चुके हैं। गुयाना के उपराष्ट्रपति राम मंदिर पहुंचे थे, जिन्होंने रामलला का दर्शन पूजन किया है। तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय के साथ मन्दिर परिसर का भ्रमण किया। निर्माण की भव्यता निहारी और दिव्यता को आत्मसात किया। महासचिव ने उन्हें लंबे संघर्ष, आंदोलन, न्यायालय प्रक्रिया और निर्माण संबंधी वांछित जानकारी दी।

रामलला का प्रसाद और अंगवस्त्र भेंट किया।

राम मंदिर में दर्शन पूजन के बाद कुबेर टीला, सप्त ऋषि मंदिर सहित अन्य स्थानों पर भी दर्शन पूजन संपन्न किया। इस दौरान लगभग एक घंटे से अधिक का समय परिसर में बिताया। उनके आगमन के दौरान वीवीआईपी प्रोटोकॉल के तहत अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सहादतगंज से नया घाट तक डायवर्जन लागू रहा। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था चौकस रही।

34 अपराधी हुए जिलाबदर

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार। जनपद में कानून-व्यवस्था को सख्त करने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। शांति और लोक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 34 व्यक्तियों को जिला बदर कर दिया गया है।यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1970 के तहत की गई है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को तय अवधि तक जनपद कुशीनगर की सीमा से बाहर रहने का निर्देश दिया गया है। जिला बदर किये गए अभियुक्त अमरजीत पुत्र श्री नारायण निवासी अवरही कृतपुरा बढ़ई टोला, थाना कप्तानगंज, प्रमोद पुत्र राधेश्याम निवासी अवरही कृतपुरा बढ़ई टोला, थाना कप्तानगंज, जिला गोड़ पुत्र तीरथगोड़ निवासी खोट्टा, थाना अहिरौली बाजार, सतीश उर्फ़ रामसतीश पुत्र धर्मदेव यादव निवासी सेन्दुआर, थाना अहिरौली बाजार, सत्येंद्र पुत्र रामेश्वर निवासी भटगांवा, थाना अहिरौली बाजार, राम केवल पुत्र रामेश्वर निवासी भटगांवा, थाना अहिरौली बाजार, आकाश साहनी पुत्र जयप्रकाश उर्फ भोली निवासी पटनी, थाना अहिरौली बाजार, दीपक पुत्र इंद्रासन निवासी एकवनही थाना जटहाँ बाजार, कमलेश तिवारी पुत्र पिंटू निवासी जंगल बेलवा देवकी नगर, थाना कोतवाली पडरौना, भोला उर्फ समीम पुत्र मुस्तकीम निवासी लेहनी, थाना अहिरौली बाजार, मुन्ना उर्फ आलमीन आदि शामिल हैं।

किशोरी को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म

250 कैमरे खंगालने के बाद आरोपियों तक पहुंच सकी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बर्रा में शादी समारोह में शामिल होने गई किशोरी को पता पूछने के बहाने किया अगवा

अमृत विचार। बर्रा में शादी समारोह में पहुंची किशोरी को अगवाकर चलती पिकअप में गैंगरेप हुआ। आरोपी बहाने से अगवा कर ले गए। किशोरी के लापता होने की खबर पर पुलिस ने तलाश शुरू की। 24 घंटे में 250 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद दोनों आरोपियों को बंबा कट के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर पिकअप को सीज किया है। किशोरी के बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट व गैंगरेप की कार्रवाई कर जेल भेजा है। बर्रा थाना प्रभारी रवींद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 19 फरवरी की रात किशोरी के लापता होने की सूचना उसके परिजनों से मिली थी। किशोरी के पिता ने थाने आकर बताया कि वह मां के साथ शादी समारोह में शामिल होने के लिए इलाके के एक गेस्ट हाउस गई थी, जहां रात करीब नौ बजे गायब हो गई। मां ने तलाश शुरू की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। सूचना पर पुलिस ने भी पहुंचकर तलाश की। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए। एक कैमरे में पिकअप सवार दो युवक किशोरी को जबरन ले जाते दिखे। इसके बाद पुलिस ने कैमरों की मदद से उनकी लोकेशन खंगालनी शुरू की। पुलिस की कई टीमें किशोरी की तलाश में जुट गईं। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर करीब 250 से ज्यादा कैमरों को खंगाला, जिसके आधार पर पिकअप के जाने वाले रूट पर पुलिस ने पड़ताल शुरू की। इसी बीच पुलिस को नंबर के आधार पर पिकअप बंबा कट की ओर जाने की सूचना मिली। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर पिकअप को पकड़ लिया।

पता पूछने के बहाने खींचा, मुंह दबाया

थाने लाने पर पूछताछ में किशोरी ने बताया कि आरोपियों ने पता पूछने के बहाने से उसे गेस्ट हाउस के बाहर से जबरन पिकअप में खींच लिया। शोर न मचा सके, इसलिए मुंह दबा लिया। रास्ते में दोनों आरोपियों ने चलती पिकअप में उसके साथ गलत काम किया। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी के बयानों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट व गैंगरेप की कार्रवाई की गई है। पिकअप सीज कर दोनों को जेल भेजा गया है।

गोकशी के मामले में छह आरोपित किए गिरफ्तार

सिंहपुर, अमेठी

अमृत विचार। अमेठी जनपद के थाना इन्हौना क्षेत्र में गोकशी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित कुल छह आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिनमें पति पत्नी व दो सगे भाइयों के साथ छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान मुख्य आरोपी के पैर में गोली लगने से घायल हो गया है। ये सभी अपराधी एक ही गांव के रहने वाले हैं। एक ही घर के चार आरोपी है वही दो पड़ोस के रहने वाले हैं। बीते शुक्रवार को थाना इन्हौना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम करनगांव मजरे पहाड़पुर के जंगल में कुछ लोग गोकशी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां चार पुरुष और एक महिला संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त मिले। पुलिस की घेराबंदी के प्रयास के दौरान आरोपी जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। मौके से गोवंश के अवशेष, गोकशी में प्रयुक्त उपकरण और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में थाना इन्हौना में गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई।

किसान ने किया आत्मदाह का प्रयास, हड़कंप

रुदौली/मवई/पटरंगा, अयोध्या। रुदौली तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान शनिवार दोपहर एक बजे के बाद सनसनीखेज घटना होते- होते बच गई। शत्रोहन यादव (50) निवासी विचाला ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि उसे आग नहीं लगी, लेकिन घटना से तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने तत्काल उसे पकड़ कर अपने कब्जे में ले लिया। पीड़ित किसान पैतृक बाग की बीते दिनों हुई पैमाइश से संतुष्ट नहीं था. कई बार समाधान दिवस में पुनः पैमाइश की गोहार लगा चुका था।

संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

समाधान दिवस: मौके पर जाकर निस्तारित करें भूमि विवाद

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शासन की मंशा के अनुरूप तहसील नौगढ़ में डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं एसपी डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तहसील नौगढ़ में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई डीएम, एसडीएम नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य द्वारा तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई एसपी डॉ. अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। इस मौके पर कुल 41 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-30, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-04, नगर पालिका-01, विकास-01, मनरेगा-02, स्वास्थ्य-01, बाल विकास-02 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व के 06 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

अमृतसर से 25, 28 और चार मार्च को चलेगी विशेष ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04610/04609 अमृतसर-मानसी-अमृतसर होली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन अमृतसर से 25, 28 फरवरी एवं 04 मार्च, 2026 को तथा मानसी से 26 फरवरी, 02 एवं 06 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04610 अमृतसर-मानसी होली विशेष गाड़ी 25, 28 फरवरी एवं 04 मार्च, 2026 को अमृतसर से 20.10 बजे प्रस्थान कर व्यास जं. से 20.42 बजे, जलंधर सिटी से 21.20 बजे, फगवाड़ा से 21.40 बजे, ढंडारी कलां से 22.40 बजे, सरहिन्द से 23.24 बजे, राजपुरा से 23.52 बजे, दूसरे दिन अम्बाला कैंट से 00.40 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 01.32 बजे, सहारनपुर से 02.40 बजे, मुरादाबाद से 06.10 बजे, बरेली से 07.32 बजे, सीतापुर से 11.25 बजे, गोंडा से 14.20 बजे, गोरखपुर जं0 से 17.20 बजे, सीवान से 19.22 बजे, छपरा से 20.40 बजे, सोनपुर से 22.02 बजे, हाजीपुर से 22.20 बजे, शाहपुर पटोरी से 23.10 बजे, तीसरे दिन बरौनी से 00.40 बजे, बेगूसराय से 01.00 बजे तथा खगड़िया से 01.42 बजे छूटकर मानसी 02.30 बजे पहुँचेगी। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह फैसला किया गया है।

बरघाट दुर्गा मंदिर में सनातन उद्घोष कथा महोत्सव शुरू

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के बरघाट स्थित श्री दुर्गा मंदिर परिसर में कर्मयोगी परिवार के तत्वावधान में श्री आदि शक्ति मां दुर्गा की प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ एवं सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे सनातन उद्घोष कथा महोत्सव का सातवां एवं अंतिम दिन (विश्राम दिवस) शनिवार को अत्यंत श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। अंतिम दिन की कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया। कथा आयोजन से पूर्व प्रात :काल यज्ञशाला में विधि-विधानपूर्वक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ संपन्न कराया गया। वहीं श्रद्धालुओं द्वारा सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण का संकल्प अंतिम दिन पूर्ण किया गया। इसके उपरांत बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रुद्राभिषेक कर भगवान शिव की आराधना की, जिससे पूरा परिसर हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, दीपेंद्र विक्रम सिंह, डा. सीमा मिश्रा, दिलीप पाण्डेय, मंटू पाण्डेय, अमरेंद्र त्रिपाठी, रमेश श्रीवास्तव, पप्पू श्रीवास्तव, राम प्रमोद यादव आदि मौजूद रहे।

पुरस्कृत होने के बाद खुशी का इजहार करते खिलाड़ी। अमृत विचार

क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में जापान में 21 फरवरी को आयोजित 18वीं एशियन क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व कर रही पूर्वोत्तर रेलवे की महिला एथलीट कुमारी नंदनी गुप्ता के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। कुमारी नंदनी गुप्ता पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में मुख्य गाड़ी परिचालन के पद पर कार्यरत है। इसके अतिरिक्त बनारस लोकोमोटिव कारखाना, वाराणसी में 18 से 21 फरवरी, 2026 तक आयोजित 18वीं अखिल भारतीय रेलवे हैंडबॉल चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के पुरुष हैंडबॉल टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लुम्बिनी स्थित थाई मठ मे दीप प्रज्ज्वलित करतीं नेपाली प्रधानमंत्री सुशीला कार्की।

माया देवी मंदिर पहुंचीं नेपाली पीएम सुशीला कार्की

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शनिवार को बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी पहुंचकर मायादेवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विकसित किए जा रहे विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने लुम्बिनी क्षेत्र के प्रमुख मठ, संग्रहालय, वज्रयान मंदिर तथा थाई मठ एंव विश्व शांति स्तूप का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री कार्की इससे पहले रुपन्देही जिले के विभिन्न स्थानों का दौरा कर 5 मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने रूपनदेही पहुचीं थीं। लुम्बिनी पहुंचने पर लुम्बिनी विकास कोष के सदस्य-सचिव दीपक श्रेष्ठ सहित अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें लुम्बिनी मास्टर प्लान व चल रही विकास परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

परीक्षा दे रहीं तीन छात्राओं की बिगड़ी तबीयत

बाराबंकी, अमृत विचार : तहसील सिरौली गौसपुर क्षेत्र स्थित सुंदरलाल इंटर कॉलेज में बोर्ड परीक्षा के दौरान शनिवार को परीक्षा दे रही एक छात्रा कक्ष में बेहोश होकर गिर पड़ी। वहीं दो अन्य छात्राओं की भी तबीयत बिगड़ी, स्कूल प्रशासन ने एंबुलेंस से छात्राओं को सीएचसी बड़ागांव भिजवाया, जहां उपचार के बाद हालत स्थिर हुई। बेहोश हुई छात्रा उम्मेहया पुत्री मोहम्मद आसिफ, निवासी ग्राम बांसा थाना मसौली है। बताया जा रहा कि छात्रा पूर्व से उपचाराधीन थी, परीक्षा के दौरान उसकी तबीयत और बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद स्वास्थ्य में सुधार हो गया। इसी कालेज की दो अन्य छात्राओं की तबीयत भी परीक्षा के बीच बिगड़ी। स्कूल प्रबंधन के मुताबिक, उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया, जिसके बाद उनकी स्थिति सामान्य हो गई। दोनों छात्राएं पुनः परीक्षा में शामिल हुईं। परीक्षा अवधि के दौरान छात्राओं के अस्वस्थ होने की घटनाएं सामने आने से अभिभावकों और शिक्षक चिंतित हैं।

थाने में पिटाई से युवक की हालत गंभीर, लोगों ने किया धरना-प्रदर्शन

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। पूछताछ के नाम पर अयोध्या की दो थानों की पुलिस बाराबंकी के जिस युवक को लेकर गई, वह गंभीर दशा में लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस पर बेरहमी से पिटाई का आरोप लगाते हुए परिजनों संग आप पार्टी के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी की। हालांकि रूदौली से आए सीओ ने मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा देकर प्रदर्शन समाप्त कराया।

कोतवाली क्षेत्र के ढेमा गांव निवासी सुहेल के परिजनों के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले अयोध्या जिले की इनायतनगर व पटरंगा थाने की पुलिस सुहेल को घर से पूछताछ के नाम पर ले गई थी। परिवार का आरोप है कि पुलिस हिरासत में सुहेल की जमकर पिटाई की गई, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह उपचाराधीन है। आर्केस्ट्रा पार्टी में कलाकार पिता हग्गन ने रोते हुए बताया कि उनका बेटा स्वस्थ था, लेकिन पुलिस की पिटाई के बाद उसकी स्थिति नाजुक हो गई। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। सूचना पर आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सहित कई पदाधिकारी, अधिवक्ता और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने भिटरिया चौराहे पर नारेबाजी की और छोटी हनुमान गढ़ी मंदिर के सामने धरना दिया। मौके पर सीओ जटा शंकर मिश्र और रुदौली के सीओ आशीष निगम ने फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर बातचीत की।

कबड्डी बालिका वर्ग में बी. कॉम की टीम जीती

लखनऊ, अमृत विचार : श्री कृष्ण दत्त एकेडमी में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शनिवार को हुआ। 19 फरवरी से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान बैडमिंटन (बालक/बालिका – एकल एवं युगल), बास्केटबॉल (बालक/बालिका), वॉलीबॉल (बालक/बालिका), कबड्डी, रस्साकशी तथा एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं हुईं। अंतिम दिन विभिन्न वर्गों में रोमांचक मुकाबले आयोजित किए गए, जिनके परिणाम निम्नलिखित रहे-बालिका कबड्डी : बी.कॉम विजेता। रस्साकशी (बालक वर्ग) विजेता डी.एल.एड.; उपविजेता बी.कॉम। रस्साकशी (बालिका) विजेता – बी.एससी.; उपविजेता – बी.कॉम। 100 मीटर दौड़ (बालक) विजेता – नितिन (डी.एल.एड.); उपविजेता – अभिषेक (बी.एससी.)। 100 मीटर दौड़ (बालिका) प्रथम स्थान दिव्यांश (बी.एससी.); द्वितीय पारुल (बी.एससी.)। एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह ने विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई दी। समापन प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर किया गया।

लुमिना टेरा स्कूल ऑफ नेशंस में ओपन डे आयोजित

लखनऊ, अमृत विचार : लुमिना टेरा स्कूल आफ नेशन्स ने शनिवार को पहला ओपन डे आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एलटी ह्यूमन हड टीचर मिस नोवा का अनावरण था जो प्राथमिक शिक्षा में एआई की पहल है। अभिभावकों व छात्रों ने मिस नोवा से बात की। मुख्य अतिथि एसिटियंस टेक्नोलॉजीज प्रालि के संस्थापक और सीईओ अमितेश शर्मा ने कहा कि लुमिना टेरा ने कुछ अनोखा बनाया है। मिस नोवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शिक्षण साथी बन जाती है, बच्चों को जानती है। उनसे बातचीत करती है। तुरंत उनके क्यों का उत्तर देती है ताकि हर बच्चे को एक शिक्षक द्वारा समृद्ध भाषा मिले और उनकी जिज्ञासा पूरी हो। स्कूल के सलाहकार पैनल में जॉन कोरिपो, रिक्की ढिल्लो, श्रीका एइचा बाह डल्लो, माइकल फेनेक्स, सुनीता गांधी, ज्योत्स्ना कौर हबीबुल्ला, मनीष जैन, पिरजो कावुला, जयंत कृष्ण, ओलिवर लेडुक्स, विजय सिन्हा और इनगर मेटे स्टेंसेथ। ओपन डे के दौरान आगंतुकों ने स्कूल के सिग्नेचर लर्निंग स्पेस का पता लगाया। ओपन डे ने बच्चों को आत्मविश्वास से भरी सोच के लिए प्रेरित किया।

कासगंज में परिवार के 4 सदस्यों की हत्या कर की आत्महत्या

कासगंज, एजेंसी। कासगंज जिले के अमापुर क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा अपने परिवार के चार सदस्यों की हत्या करने के बाद खुदकुशी करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार नगला भोजराज गांव में एक सत्यवीर फौजी (50) ने अपनी पत्नी राम श्री (48), पुत्री प्राची (12), पुत्री अमरवती (10) और पुत्र गिरीश (9) की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी, बाद में फंदे पर लटक अपनी जान दे दी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि मृतक सत्यवीर फ़ौजी बेल्डिंग का काम करता था और पूरा परिवार दो दुकानों में रह रहा था। पिछले दो दिनों से जब दुकान नहीं खुली तो पड़ोसियों ने शक जताते हुए आज दराज से झांक कर देखा तो अंदर शव पड़े थे। सूचना पर अमापुर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शवों को बाहर निकाला। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बताया कि क़स्बा अमापुर में शाम साढे छह बजे सूचना मिली कि इसमें कई मृत लोगों के शव पड़े हैं। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया लगता है कि सत्यवीर ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की हत्या करने के बाद फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बताया कि घर के गेट पर एक कपड़ा बंधा हुआ था, ज़ब उसको फाड़ कर देखा गया तो सत्यवीर का शव फंदे पर लटका दिखाई दे रहा था, जबकि अन्य चार शव पड़े हुए थे। पत्नी राम श्री के गले में कट का निशान है। उन्होंने कहा कि दरवाजा अंदर से बंद था और पुलिस को फिलहाल किसी बाहरी एंट्री के सबूत नहीं मिले है।

शैक्षणिक हिंदू भाईचारा सम्मेलन आज, प्रदेश भर से जुटेंगे शिक्षाविद

लखनऊ, अमृत विचार। लोक जागरण मंच के तत्वावधान में रविवार को अवध शिल्पग्राम, शहीद पथ पर "शैक्षणिक हिंदू भाईचारा सम्मेलन" का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम आज प्रात: 10 बजे से सायं तीन बजे तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस दौरान शैक्षणिक उन्नति, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मीडिया प्रभारी एड. दीपू निषाद (सागर) ने बताया कि सम्मेलन को सफल बनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव कायम करना और सामाजिक उत्थान में बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका अदा करना है।

राहुल के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा का प्रदर्शन

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को खलीलाबाद बाईपास पर राहुल गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन गलगोटिया यूनिवर्सिटी में आयोजित एआई समिट से जुड़े कथित प्रकरण के बाद देशभर में चल रहे विरोध कार्यक्रमों की कड़ी में किया गया। जिलाध्यक्ष सर्वेश त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के पोस्टर जलाए और पुतले को लात-जूते से पीटकर आक्रोश व्यक्त किया। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सर्वेश त्रिपाठी ने बताया कि देश विरोधी नारेबाजी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां देश की एकता और अखंडता के खिलाफ हैं। जिला महामंत्री सौरभ पांडेय ने कहा कि राहुल गांधी देश की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष के कुछ नेता देश को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने देश की छवि धूमिल करने और अमर्यादित आचरण करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रविरोधी नारे लगाने वाले तत्वों पर देशद्रोह की धारा में केस दर्ज करने की मांग की। इस दौरान अंशुमान सिंह, आशीष मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव, हरिओम पांडेय, निशांत त्रिपाठी, विशाल सिंह, श्याम नारायण तिवारी आदि रहे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीरों को फूंकते भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता। अमृत विचार

नवी मुंबई हवाई अड्डे ने डिजियात्रा सुविधा शुरू की

मुंबई, एजेंसी : नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) ने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के लगभग दो महीने बाद डिजियात्रा सेवा शुरू करने की घोषणा की है। निजी हवाईअड्डा संचालक ने एक बयान में शुक्रवार को कहा कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा देश के पांच अन्य हवाईअड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 22 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

ओमनीटेक इंजी. का आईपीओ 25 को

अहमदाबाद। ओमनीटेक इंजीनियरिंग लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 फरवरी को खुलेगा। कंपनी की ओर से शनिवार को यहां जारी बयान में कहा इसका पांच रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का आईपीओ बुधवार, 25 फरवरी को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली लगाने की तिथि बोली/प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले, यानी मंगलवार, 24 फरवरी है। बोली/प्रस्ताव बंद होने की तिथि शुक्रवार, 27 फरवरी है। प्रस्ताव का मूल्य बैंड पांच रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर 216 से 227 रुपये तक निर्धारित किया गया है। न्यूनतम पांच रुपये अंकित मूल्य के 66 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 66 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोली लगाई जा सकती है।

देवरिया में पांच चीनी मिलों में से मात्र एक अस्तित्व में

देवरिया। कभी चीनी का कटोरा कहे जाने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में सरकारी तंत्र की उपेक्षा के चलते पांच चीनी मिलों में मात्र एक एशिया की सबसे पुरानी चीनी मिल अस्तित्व में है। आज यहां पांच चीनी मिलों में से मात्र एक प्रतापपुर की चीनी मिल चल रही है। कभी देवरिया जिले में देवरिया में गौरीबाजार, बैतालपुर, देवरिया सदर, भटनी और प्रतापपुर पांच चीनी मिल चला करती थी, लेकिन यहां की चार चीनी मिलें देवरिया सदर, बैतालपुर, गौरी बाजार और भटनी की चीनी मिलें सरकारों की उपेक्षा के कारण वर्षों पूर्व बंद हो गई।

इंडियन ओवरसीज बैंक के अधिकारी 2 मार्च को करेंगे हड़ताल

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज बैंक अधिकारी संघ (आईओबीओए) ने बैंक प्रबंधन के कथित तौर पर दमनकारी निगरानी उपायों और कार्यस्थल नियमों के विरोध में दो मार्च को एक-दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल की घोषणा की है। अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) ने इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) की कार्यसंस्कृति में गंभीर और चिंताजनक बदलाव आए हैं।

आधुनिक उपकरणों को दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- विकसित भारत का निर्माण तभी होगा जब भारत आत्मनिर्भर बनेगा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रेटर नोएडा में शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के सेमीकंडक्टर पार्क के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत की नींव आत्म-निर्भरता के आधार पर रखी जाएगी, जिसके लिए भारत में निर्मित सेमीकंडक्टर चिप का होना बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के सेमीकंडक्टर संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से शिलान्यास करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान छोटी चिप की कमजोर आपूर्ति श्रृंखला ने कई अर्थव्यवस्थाओं के विकास को रोक दिया था और विभिन्न कारखानों में काम ठप हो गया था।

प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी होगा जब भारत आत्मनिर्भर बनेगा। इसके लिए भारत में बनी चिप बहुत जरूरी हैं। इस दशक में भारत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जो भी कर रहा है, वह 21वीं सदी में हमारी क्षमता की नींव बनेगा।" उन्होंने कहा कि भारत में चिप का निर्माण होने से हमारे आधुनिक उपकरणों के उत्पादन के लिए देश को अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान चिप की आपूर्ति बाधित हुई, तो कारखाने ठप पड़ गए और वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं लड़खड़ा गईं। भारत ने उस संकट से सबक लिया और उसे एक अवसर में बदल दिया। हमने चिप विनिर्माण के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया और इसके लिए हम देश में एक संपूर्ण सेमीकंडक्टर परिवेश तैयार कर रहे हैं।

एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन का संयुक्त उद्यम इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड' ग्रेटर नोएडा के जेवर में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अंतर्गत एक आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसैट) संयंत्र स्थापित करेगा। एचसीएल और फॉक्सकॉन की यह संयंत्र प्रौद्यागिकी के लिए एक 'शक्ति के केंद्र' के रूप में उत्तर प्रदेश की पहचान को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश से सांसद के रूप में अपनी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का सांसद होने के नाते, यह मेरे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह सेमीकंडक्टर संयंत्र उत्तर प्रदेश और पूरे भारत के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

प्रधानमंत्री ने इस बात को स्वीकार किया कि भले ही भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी यात्रा थोड़ी देरी से शुरू की है, लेकिन अब यह अत्यंत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने तेल और प्रौद्योगिकी के बीच के ऐतिहासिक बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि 20वीं सदी में जिन देशों के पास तेल था, उनके पास समृद्धि और शक्ति थी। लेकिन 21वीं सदी में यह शक्ति एक छोटी सी 'चिप' में समाहित है। अब शक्ति का केंद्र वे कौशल और सामग्रियां हैं, जो इस चिप से जुड़ी हुई हैं।

इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड 60:40 हिस्सेदारी वाला एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन का संयुक्त उपक्रम है। इस उन्नत ओसैट संयंत्र का परिचालन वर्ष 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने अगले कुछ वर्षों में इस परियोजना पर 3,700 करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। इस निवेश से 3,500 से अधिक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके साथ ही स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला के विकास और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में पारिस्थितिकी भागीदारों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। इस संयंत्र में प्रति माह 20,000 वेफर यानी सिलिकॉन प्लेट के प्रसंस्करण की क्षमता होगी।

इस इकाई का भारत की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने और आत्मनिर्भर, सुदृढ़ सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का इरादा है। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के एक 'शक्ति-केंद्र' के रूप में स्थापित किया है। भारत अब इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात करने वाले दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल हो गया है। इस संयंत्र से हर महीने 3.6 करोड़ चिप का उत्पादन होगा।

उद्योग जगत में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अनिवार्य

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (आइमा) के अध्यक्ष टी. वी. नरेंद्रन ने शनिवार को कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में कृत्रिम मेधा (एआई) और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती अहमियत के बीच भारत की समृद्धि बनाए रखने के लिए उद्योग जगत की हस्तियों के पास प्रौद्योगिकी को समझने और उसे लागू करने की क्षमता होनी जरूरी है। नरेंद्रन ने आइमा के 70वें स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय व्यवसाय और उनके नेतृत्वकर्ता राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

टाटा स्टील के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक नरेंद्रन ने कहा कि घरेलू कंपनियां आज दुनिया भर में व्यवसायों का अधिग्रहण कर रही हैं और भारतीय प्रबंधक विश्व के कुछ सबसे जटिल संगठनों का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने एआई के संदर्भ में कहा कि कृत्रिम मेधा अब केवल चर्चा का एक छोटा हिस्सा नहीं रह गया है।

अकाली दल वाघा, फाजिल्का बॉर्डर खोलने को वचनबद्ध

अटारी, एजेंसी

● सीमाएं बंद होने से सीमावर्ती क्षेत्र में व्यापार प्रभावित: बादल

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को घोषणा की कि 2027 में अकाली दल की सरकार बनने पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार के लिए वाघा और फाजिल्का बॉर्डर खोले जायें और सीमावर्ती क्षेत्र में एक विशेष औद्योगिक ज़ोन बनाया जाये।

पंजाब बचाओ मुहिम के तहत वरिष्ठ नेता गुलजार सिंह रणीके की ओर से यहां आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए श्री बादल ने कहा कि सीमाएं बंद होने से सीमावर्ती क्षेत्र में व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि एक बार हम चुने गये तो हम वाघा और फाजिल्का बॉर्डर को फल, सब्जियों और अन्य वस्तुओं के मध्य एशियाई देशों को निर्यात को खोलेंगे। इस निर्यात से अमृतसर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का केंद्र बन जाएगा और पूरे क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा। बादल ने जोर देकर कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में उद्योग स्थापित करना भी बहुत जरूरी है, खासकर तब जब उद्योग पहाड़ी राज्यों में मिल रही रियायतों के कारण वहां चले गए हैं।

क्लीनमैक्स ने एंकर निवेशकों से 921 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान प्रदाता क्लीनमैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुलने से पहले एंकर (प्रमुख) निवेशकों से 921 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एंकर निवेश दौर में टेमासेक होल्डिंग्स, नोमुरा एसेट मैनेजमेंट, एसबीआई लाइफ, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्प, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एडीआईए, एसबीआई जनरल, प्रेमजी इन्वेस्ट और फ्रैंकलिन टेम्पलटन सहित विदेशी और घरेलू संस्थान शामिल हुए।

इंडिया सोलर एंड ई-व्हीकल एक्सपो में उमड़े उद्यमी

संवाददाता, मेरठ

● व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया उद्घाटन

अमृत विचार : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन मेरठ चैप्टर द्वारा आयोजित इंडिया सोलर एंड ई-व्हीकल एक्सपो 2026 का शनिवार को आईआईए भवन, मोहकमपुर में भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय (21 से 23 फरवरी) इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि आईबी सोलर कंपनी के फाउन्डर डायरेक्टर अभिनव महाजन ने आभार जताया।

एक्सपो में उद्यमियों, छात्र-छात्राओं और आमजन में भारी उत्साह देखा गया। युवाओं ने कैरियर की संभावनाएं तलाशीं। एक्सपो में सोलर और इलेक्ट्रिक व्हीकल के 60 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। सोलर सेल, मॉड्यूल, हाइब्रिड वाहन, ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन और अत्याधुनिक बैटरी तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। आईआईए पदाधिकारियों ने बताया कि इस 10वें सोलर एक्सपो और 4 ई-व्हीकल एक्सपो का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों को हरित ऊर्जा और टिकाऊ परिवहन समाधानों से जोड़ना है। आईआईए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने मेरठ को क्रांति की धरती बताते हुए पुनः हरित क्रान्ति के लिए संकल्पित बताया। विशेष आकर्षण वियतनाम की विनफास्ट ई-वी कार रही। सोलर कम्पनियों माइक्रोकटेक ल्यूमिनस के एवीपी, आईबी सोलर के तकनीकी हेड रिगनेन्ट के चेरयमैन के सेल्सनिड, लूनो के स्टेट हैड, वी एस सोलर के हैड, आईडीएफसी के सोलर लोन एक्सपर्ट ने सोलर बिजनेस अवसर पर गहन चर्चा की। संचालन सोलर कमेटी चेयरमैन तारिक हसन नकवी ने किया। अजय गुप्ता, पंकज गुप्ता, अशोक अग्रवाल को सम्मानित किया गया। संजीव मित्तल और संजीव गुप्ता भी मौजूद रहे।

मेरठ में एक्सपो का उद्घाटन करते व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल।

राष्ट्रीय

दिल्ली में लश्कर-ए-तैयबा के हमले की चेतावनी, चांदनी चौक में सुरक्षा सख्त

एक मंदिर और लालकिले के आसपास सुरक्षा क्षेत्रों में हमले की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

● प00000000000000

दिल्ली में भीड़भाड़ वाले धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को निशाना बनाने की पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की साजिश की जानकारी मिलने के बाद शनिवार को हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। खुफिया सूचनाओं के अनुसार, विशेष रूप से चांदनी चौक स्थित एक मंदिर और लाल किले के आसपास के उच्च-सुरक्षा क्षेत्रों में आईईडी के माध्यम से हमले की आशंका जताई गई है।

ऐसी आशंका जताई जा रही है कि आतंकी लाल किले के निकटवर्ती क्षेत्रों सहित अन्य उच्च-सुरक्षा वाले इलाकों में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं। इस अलर्ट के मद्देनजर चांदनी चौक के मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी कर दी गई है और निरंतर निगरानी व सतर्कता सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक बलों (पैरामिलिट्री फोर्स) की तैनाती की गई है। सुरक्षा के ये कड़े इंतजाम पिछले साल नवंबर में लाल किले के पास हुए भीषण कार बम धमाके के मद्देनजर किए गए हैं। उस समय लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोटकों से भरी एक कार में हुए ब्लास्ट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गयी थी और 20 से अधिक लोग घायल हुए थे। जांच में सामने आया था कि उस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट आधारित विस्फोटकों का प्रयोग किया गया था। अधिकारियों ने बाद में उस वाहन के चालक की पहचान उमर मोहम्मद उर्फ उमर उन नबी के रूप में की थी।

नबी फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा एक डॉक्टर था। जांच एजेंसियां इस पहलू पर भी गौर कर रही हैं कि क्या लश्कर-ए-तैयबा का यह संभावित कदम इस महीने की शुरुआत में इस्लामाबाद की एक मस्जिद पर किए गए आतंकी हमले को दोहराने की मंशा से प्रेरित है। ज्ञात हो कि गत छह फरवरी को इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित इमाम बारगाह क़सर-ए-खदीजतुल कुबरा मस्जिद में हुए आत्मघाती विस्फोट में 32 लोग मारे गए थे और 160 से अधिक घायल हुए थे। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी।

भारत के विदेश मंत्रालय ने उस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा था कि इस्लामाबाद की मस्जिद में हुआ बम धमाका निंदनीय है और भारत इसमें हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान अपने सामाजिक ढांचे को नुकसान पहुँचाने वाली आंतरिक समस्याओं के समाधान के बजाय अपनी घरेलू बुराइयों के लिए दूसरों पर दोष मढ़कर स्वयं को भ्रम में रख रहा है। भारत ऐसे सभी आरोपों को खारिज करता है, जो पूरी तरह निराधार और अर्थहीन हैं।

राहुल भिवंडी की अदालत में पेश हुए सपकाल को नया जमानतदार बनाया

ठाणे/मुंबई, एजेंसी

● मानहानि मामले की अगली सुनवाई 4 अप्रैल को

कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यकर्ता की ओर से उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में नया जमानतदार पेश करने के लिए शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत में पेश हुए। उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को अपना नया जमानतदार नामित किया। राहुल के महाराष्ट्र के ठाणे जिले की ओर जाते समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मुलुंड टोल प्लाजा पर उन्हें काले झंडे दिखाए, नारे लगाए और कांग्रेस पर दिल्ली में एआई इंपैक्ट समिट में युवा कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन के माध्यम से भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया।

संयुक्त दीवानी न्यायाधीश और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) पीएम कोलसे की अदालत ने राहुल के नये जमानतदार से संबंधित प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद मानहानि मामले की अगली सुनवाई चार अप्रैल के लिए तय की। आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंते की ओर से दायर मामले में कांग्रेस नेता को पहले ही व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी जा चुकी है। कुंते ने अदालत में शिकायत दायर कर आरोप लगाया है कि राहुल ने 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान सोनाले गांव में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे संघ का हाथ था। अदालत ने राहुल से इस मामले में एक नया जमानतदार पेश करने के लिए कहा था, क्योंकि पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का 12 दिसंबर 2025 को निधन हो गया था, जो उनके जमानतदार थे।

जब राहुल 2016 में अदालत के समक्ष पेश हुए थे, तब पाटिल उनके जमानतदार बने थे, जिसके बाद अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी। शनिवार को नया जमानतदार बनाने की कार्यवाही को त्वरित प्रक्रिया के तहत लगभग 15 मिनट में पूरा कर लिया गया। अदालत ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के जमानत पत्र औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिए हैं।

भिंड में बस और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत

भिंड। मध्यप्रदेश के भिंड-ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 719 पर बस और वैन की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई, वहीं 7 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात लगभग तीन बजे हुई ये टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पूरी तरह पिचक गई। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसा गोहद चौराहा थाना अंतर्गत छींमका गांव के पास हुआ।

गोहद चौराहा थाना प्रभारी मनीष धाकड़ के अनुसार, ईको वैन ग्वालियर से सवारियों को लेकर भिंड की ओर आ रहा था, जबकि बस ग्वालियर की ओर जा रही थी। अभी दो मृतकों की पहचान हुई है। दोनों भिंड जिले के है। इनके नाम अतुल शिवहरे निवासी फूप और जगदीश भदौरिया निवासी स्योड़ा गांव अकोड़ा है। बाकी के शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं।

द्रमुक ने सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए टी आर बालू के नेतृत्व में समिति गठित की

तमिलनाडु चुनाव

चेन्नई, एजेंसी

● चुनाव के लिए कांग्रेस को अधिक सीट देने की संभावना

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने आगामी विधानसभा चुनावों में सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए शनिवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता टी आर बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की।

डीएमडीके को गठबंधन में शामिल करने के इस कदम ने उसकी प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक को झटका दिया है, जो आगामी विधानसभा चुनाव में द्रमुक का सामूहिक रूप से मुकाबला करने के लिए विजयकांत द्वारा स्थापित पार्टी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल करने का प्रयास कर रही थी।

द्रमुक के एक सूत्र ने बताया कि पार्टी 22 फरवरी से अपने सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू कर सकती है। डीएमडीके को समायोजित करने के अलावा पार्टी के इस चुनाव के लिए कांग्रेस को अधिक सीट आवंटित करने की संभावना है। तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की किसी भी संभावना को खारिज करते हुए द्रमुक के सहयोगी एमडीएमके प्रमुख वाइको ने कहा कि द्रविड़ पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। वाइको ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन 2026 के विधानसभा चुनाव जीतकर फिर से सरकार बनाएंगे।

वाइको ने शनिवार को दक्षिणी जिले तिरुनेलवेली में पत्रकारों से कहा कि आगामी चुनाव शक्ति प्रदर्शन की बड़ी परीक्षा नहीं होंगे। द्रमुक ज्यादातर सीट पर जीत हासिल करेगी। द्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि हमारे नेता (स्टालिन) ने सहयोगी दलों को चुनावी माहौल के लिए तैयार कर दिया है।

अगरतला-कोलकाता बस सेवा बहाल करने के प्रयास

अगरतला, एजेंसी

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मणिक साहा ने कोलकाता को ढाका के रास्ते अगरतला से जोड़ने वाली भारत-बांग्लादेश बस सेवा को फिर से शुरू करने की पहल का शनिवार को स्वागत किया। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण रॉयल-मैत्री अंतर्राष्ट्रीय बस सेवा पिछले एक साल से निलंबित है, जिससे वीजा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हुईं और यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। स्थिति में सुधार होने के साथ, बस संचालक अब सेवा को पुनः शुरू करने की कोशिश कर रहे हैं और इसके लिये परीक्षण शुरू किया है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मैं कोलकाता को ढाका के रास्ते अगरतला से जोड़ने वाली भारत-बांग्लादेश बस सेवा को फिर से शुरू करने के कदम का स्वागत करता हूं। बांग्लादेश में निर्वाचित सरकार के गठन के साथ अनिश्चितता समाप्त हो गई है। भारत-बांग्लादेश बस सेवा के निलंबन के एक साल बाद संचालक ने सेवा को फिर से शुरू करने के लिए ढाका से पश्चिम त्रिपुरा के कृष्णानगर डिपो में एक बस मंगवाई। बस सेवा के प्रबंधक मनोरंजन देवनाथ ने बताया कि पड़ोसी देश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण भारत-बांग्लादेश बस सेवा को एक वर्ष के लिए निलंबित कर दिया गया था।

गोलपाड़ा से विस्थापितों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें: कोर्ट

गुवाहाटी, एजेंसी

● कोर्ट में 60 लोगों ने दायर की थी रिट याचिका

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को निर्देश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि पिछले साल जून में गोलपाड़ा जिले में बेदखली अभियान से प्रभावित परिवारों को पीने योग्य पानी, बुनियादी चिकित्सा और स्वच्छता सुविधाएं तथा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने कहा कि जीवन के अधिकार में गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार, पीने योग्य पानी का अधिकार, स्वच्छता का अधिकार, साथ ही बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं का अधिकार शामिल है। यह आदेश न्यायमूर्ति देवाशीष बरुआ के नेतृत्व वाली पीठ ने 16, 17 और 18 जून, 2025 को हाशिला बील (आर्द्रभूमि) क्षेत्र में की गई बेदखली से प्रभावित 60 याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर एक रिट याचिका पर दिया।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि बच्चों सहित 566 परिवारों को कुछ अन्य व्यक्तियों से संबंधित पट्टा भूमि के एक छोटे से भूखंड में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ताओं सहित प्रभावित परिवार आठ महीने से अधिक समय से घोर अभाव की स्थिति में रह रहे हैं, जहां पीने योग्य पानी, स्वच्छता, भोजन या उचित चिकित्सा देखभाल की कोई उपलब्धता नहीं है। न्यायमूर्ति बरुआ ने याचिकाकर्ता और प्रतिवादियों के अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तर्कों को सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि इस न्यायालय की राय है कि जीवन के अधिकार में गरिमा के साथ जीने का अधिकार, पीने योग्य पानी का अधिकार, स्वच्छता का अधिकार और साथ ही बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं का अधिकार शामिल है। इस न्यायालय की यह भी राय है कि 2013 के अधिनियम के तहत पात्र व्यक्तियों को लाभ प्रदान किए जाने हैं। यहां '2013 के अधिनियम' से तात्पर्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 से है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- ईरान पर सीमित सैन्य हमला करने पर कर रहे विचार

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा- कुछ ही दिनों में तैयार कर लेंगे परमाणु समझौते का मसौदा

तेहरान/ वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ संभावित परमाणु समझौते का मसौदा दो-तीन दिन में तैयार कर लेगा, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान पर सीमित सैन्य हमले करने पर विचार कर रहे हैं। अराघची ने एमएसएनबीसी चैनल को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरा अगला कदम एक संभावित समझौते का मसौदा अपने अमेरिकी समकक्षों को सौंपना है।

यह मसौदा अगले दो से तीन दिनों में तैयार हो जाएगा। मसौदा पश्चिमी एशिया में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को एक अच्छे निष्कर्ष की ओर काम करने से पहले एक और चर्चा के दौर की जरूरत होगी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने मंगलवार को हुए अप्रत्यक्ष वार्ता के दूसरे दौर में कहा था कि ईरान ने अपने देश में यूरेनियम संवर्धन खत्म करने का प्रस्ताव नहीं रखा है, न ही अमेरिका ने ऐसी कोई मांग की है। अराघची ने कहा कि एक न्यायपूर्ण और बराबरी वाला समझौता हो सकता है, लेकिन पश्चिमी एशिया में अमेरिकी सेना की बढ़ती उपस्थिति बिल्कुल अनावश्यक है। दूसरी ओर, ट्रंप ने कहा कि वह ईरान पर समझौता करने के लिए दबाव बनाने की खातिर सीमित हमला करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस में कहा, ऐसा कह सकते हैं कि मैं इसपर विचार कर रहा हूं। अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता के बारे में नवीनतम जानकारी देने के लिए अपने मिस्र और रूसी समकक्षों के साथ फ़ोन पर बातचीत की।

रूस-मिस्र ने किया कूटनीतिक प्रक्रिया का स्वागत

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रही कूटनीतिक प्रक्रिया का स्वागत किया। उन्होंने आग्रह किया कि शामिल पार्टियों के लिए एक स्वीकार्य खाका हासिल करने के लिए बातचीत जारी रहें। एक अलग फ़ोन कॉल में, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि वह ऐसी बातचीत का समर्थन करते हैं, जिसका मकसद अप्रसार संधि के सिद्धांतों के तहत ईरान के वैध अधिकारों के सम्मान के आधार पर बराबर राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान ढूंढना है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र (संरा) महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को कहा कि संरा ईरान के हालात को लेकर बहुत चिंतित है।

जापान ने जारी की 50 से अधिक देशों के लिए यात्रा चेतावनी

टोक्यो। जापान ने शनिवार को पश्चिम एशिया में हाल के तनाव के मद्देनजर 50 से अधिक देशों और क्षेत्रों के लिए यात्रा पर सतर्कता चेतावनी जारी की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हालात में अचानक बदलाव होने की संभावना बनी हुई है और इससे अप्रत्याशित घटनाएं हो सकती हैं, न केवल पश्चिम एशिया बल्कि अमेरिका और यूरोप सहित अन्य भागों में भी।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुणे में 19 झुग्गियां जलकर खाक

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे के हडपसर इलाके में बने राम मनोहर लोहिया उद्यान के पास एक श्रमिक बस्ती में कल देर रात भीषण आग लगने से 19 झुग्गियां और तीन दोपहिया वाहन जलकर राख हो गए। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना पुणे-सोलापुर रोड पर उद्यान के पीछे स्थित अस्थायी बस्ती में तड़के करीब 2:30 बजे हुई। बताया जा रहा है कि आग एक झुग्गी से शुरू हुई और तेजी से आसपास की झोपड़ियों में फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां और पानी के टैंकर मौके पर पहुंचे।

हमलों में मारे गए तीन हिजबुल्लाह कमांडर

बेरूत। इज़राइल की ओर से लेबनान के पूर्व में किए गए हवाई हमलों में हिज़बुल्लाह समूह के तीन कमांडर और आठ सैनिक मारे गए, जबकि 35 अन्य घायल हो गए। लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज़ एजेंसी ने शुक्रवार को शुरुआती आंकड़ों की रिपोर्ट दी, जिसमें कहा गया कि पूर्वी लेबनान के रियाक में एक बिल्डिंग पर हुए हवाई हमलों में 10 से ज़्यादा लोग मारे गए और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। लेबनान नागरिक रक्षा के एक सूत्र ने शिन्हुआ को बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है।

दक्षिणी नेपाल के रौतहट जिले में कर्फ्यू लागू

काठमांडू। दक्षिणी नेपाल में मधेस प्रांत के रौतहट जिले में दो गुटों के बीच हुई झड़पों के बाद तनाव बढ़ने पर कुछ हिस्सों में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। गुरुवार शाम को एक विवाद के बाद दो समुदायों के बीच झड़पें शुरू हुईं, जिसके बाद शुक्रवार और शनिवार सुबह तक जारी रही हिंसा में आठ लोग घायल हो गए। मुख्य जिला अधिकारी दिनेश सागर भुसाल के अनुसार, शनिवार दोपहर एक बजे से जिला मुख्यालय गौर और अन्य हिस्सों में अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि यह निर्णय रौतहट जिला सुरक्षा समिति द्वारा लिया गया है। जिला प्रशासन ने कर्फ्यू क्षेत्र में लोगों की आवाजाही, सभाओं, रैलियों और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीतापुर

पत्रांक– मु0चि0अ0 / XVth FC / विज्ञप्ति / U-AAM/भवन / 2025–26 / दिनांक – / 02 / 2026

प्रेस–विज्ञप्ति

निदेशक, नगरीय निकाय निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या –8 / 746 / 320(5) / 15वां वि0आ0 / 2025–26 दिनांक 27 अक्तूबर के क्रम में जनपद सीतापुर की 04 नगर पंचायतों में 15वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान से 06 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर किराये के भवनों में संचालित किये जाने के निर्देश प्राप्त हुये हैं, जहां की जनसंख्या (लगभग 15000 से 20,000) के मध्य में स्थित हो एवं मलिन बस्तियों में या उनके करीब हो तथा भवन में कम से कम 04 कमरे हों जिनका न्यूनतम क्षेत्रफल निम्न तालिका के अनुसार हो–

क्र.सं.	नगर पंचायत जहां पर अर्बन आयुष्मान मन्दिर हेतु भवन उपलब्ध कराया जाएगा	स्थापित किए जाने वाले सेन्टर की संख्या (15–20 हजार की शहरी जनसंख्या पर 01 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर)	आवश्यक न्यूनतम कारपेट एरिया	
.1.	नगर पंचायत महोली	2	ओ.पी.डी. रूम	100 वर्ग फुट
			औषधि भण्डार एवं वितरण	80 वर्ग फुट
2.	नगर पंचायत तम्बौर कम अहमदाबाद	2	टीकाकरण / काउन्सिलिंग	80 वर्ग फुट
			स्टॉफ नर्स एवं पंजीकरण कक्ष	100 वर्ग फुट
3.	नगर पंचायत हरगांव	1	वेटिंग रूम व पंजीकरण	210 वर्ग फुट
			शौचालय 02 नग	60 वर्ग फुट
			वेलनस कक्ष	250 वर्ग फुट
			डे केयर रूम	220 वर्ग फुट
4.	नगर पंचायत सिधौली	1	योग	1100 वर्ग फुट
			आवश्यक निर्देश :– कॉरपेट एरिया का न्यूनतम 25 से 30 प्रतिशत अंश दीवार एवं सर्कुलेशन का होता है। इस प्रकार भवन का कुल क्षेत्रफल न्यूनतम 1400 वर्गफुट होगा। भवन का किराया उस क्षेत्र के डी0एम0 सर्किल रेट या रू0 50,000/– जो कम हो, उसके अनुसार प्रतिमाह अनुमोदनोपरान्त दिया जायेगा। आवश्यकतानुसार भवन की संख्या घट/बढ. एवं अन्य स्थान पर हो सकती है। उपरोक्त भवन के अन्तिम चिन्हीकरण हेतु जिला स्वास्थ्य समिति का निर्णय मान्य होगा।	

इच्छुक भवन स्वामी (भवन के पूर्ण विवरण सहित) आवेदन दिनांक 01.03.2026 से 15.03.2026 तक कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, एन0एच0 24, हुसैनगंज, धनीपुर,, निकट होटल मेलरोज सीतापुर, पिन कोड–261125 पर स्पीड–पोस्ट / पंजीकृत डाक / कार्यालय के कक्ष संख्या 03 (डाक डिस्पैच कक्ष) में जमा कर सकते हैं।

नोट–भवन के मानक एवं शर्तो का विवरण जनपद की राजकीय वेबसाईट sitapur.nic.in पर उपलब्ध है।

UP - 246694 दिनांक: 20/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

मुख्य चिकित्साधिकारी
सीतापुर।

लखनऊ नगर निगम

टी.एन.मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ई-मेलः nnlko@up.nic.in

ई-निविदा सू०सं०: 422 / मु०अ० / 2025-26 दिनांक : 20.02.2026

ई–निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा टू-बिड सिंस्टम पर दिनांक 13.03.2026 को 01 कार्य हेतु ई-निविदा, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर०टी०जी०एस / एन०ई०एफ०टी० / इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 13.03.2026 को अपराह्न 15.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें दिनांक 13.03.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण / नियम / शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं। **मुख्य अभियन्ता**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

पत्रांक 962 /352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/25-26 दिनांक :- 17-02-2026

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक-668/352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/2025-26 दि0 02-02-2026 एवं शुद्धि-पत्र सं0 821/352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/25-26 दिनांक 09-02-2026 द्वारा आमंत्रित निविदायें जो दिनॉक 19-02-2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे से ऑन लाइन डाउनलोड/सबमिट की जानी हैं तथा दिनॉक 28-02-2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जानी हैं। अपरिहार्य कारणों वश उक्त निविदा अब दिनॉक 27.02.2026 से दिनॉक 07.03.2026 मध्यान्ह 12.00 बजे तक ऑन लाइन डाउनलोड/सबमिट की जा सकेंगी तथा दिनॉक 07.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेंगी।

निविदा सूचना की अन्य शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

(बुद्धि सागर सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

UP - 246700 दिनांक: 20/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सर्वसम्मति पर आधारित होगा हिंद महासागर में संयुक्त समुद्री तंत्र

पणजी, एजेंसी

- गोवा समुद्री सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर बोले नौसेना प्रमुख

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने शनिवार को कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में प्रस्तावित कोई भी संयुक्त समुद्री तंत्र भागीदार देशों के बीच आम सहमति पर आधारित होगा। एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने इसके साथ ही क्षमता निर्माण प्रयासों में भागीदार देशों के लिए भारत के समर्थन का आश्वासन दिया। एडमिरल त्रिपाठी ने गोवा समुद्री सम्मेलन (जीएमसी) 2026 के दौरान एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मेलन के पहले सत्र में हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के संबंध में चर्चा हुई, जिसमें संयुक्त कार्य बल जैसी व्यवस्था की संभावना भी शामिल है।

उन्होंने कहा, जीएमसी आम सहमति पर आधारित है। सभी देशों के बीच आम सहमति होनी चाहिए। सभी देशों के बीच सहमति होना जरूरी है। हम सबकी क्षमताएं अलग-अलग हैं, इसलिए हर देश जो योगदान दे सकता है, उसे ध्यान में रखना होगा। नौसेना प्रमुख ने कहा कि नजदीकी परिचालन सहयोग का विचार सर्वमान्य है और संयुक्त कार्य बल के तौर तरीके पर सामूहिक रूप से काम करना होगा। उन्होंने एक पिछली पहल का उल्लेख करते हुए इंडियन ओशन शिप (आईओएस) एसएजीएआर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) का उल्लेख किया, जिसके तहत पिछले साल हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के 10 देशों के कर्मी एक भारतीय नौसेना के प्लेटफार्म पर सवार हुए और 41 दिनों तक एकसाथ सफर करते हुए पूरे क्षेत्र के बंदरगाहों का दौरा किया। नौसेना प्रमुख ने कहा कि विभिन्न देशों के समुद्री और राजनीतिक नेतृत्व सहित हमें जो अनुभव और प्रतिक्रिया मिली, वह बहुत सकारात्मक थी। इसी के आधार पर हमने इस वर्ष आईओएस एसएजीएआर 2.0 आयोजित करने का निर्णय लिया है। हम तिथि तय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल, जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) देशों के अधिकारी और नाविक एक साथ नौकायन और काम करते हैं, समुद्री वातावरण की एक साझा समझ विकसित करने में सहायक होती हैं।

अजित पवार विमान दुर्घटना मामले में साजिश की जांच हो

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के विधायक रोहित पवार ने शनिवार को आरोप लगाया कि बड़े व्यवसायी और नेता 28 जनवरी को पुणे के बारामती में हुए विमान दुर्घटना की जांच में विलंब और उसे नियंत्रित करने की साजिश कर रहे हैं जिसमें उनके चाचा एवं महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई थी।

दो बार के विधायक पवार ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा है, जिसमें उनसे तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू को हटाने की अपील की गई है, जो सत्ताधारी भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की साझेदार है। रोहित पवार ने मीडिया से कहा, मैं मोदी जी से आग्रह करता हूं कि नागिरक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के मामले में तुरंत कार्रवाई करें। वीएसआर कंपनी और उनकी पार्टी के बीच रिश्तों पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन रिश्तों की जांच एक स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी से होनी चाहिए। अगर ज़रूरी हो तो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। जांच होने तक राम मोहन नायडू को मंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा जाए।

विमान खरीदने पर मरियम नवाज पर साधा निशाना

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज अपने निजी इस्तेमाल के लिए 11.7 अरब पाकिस्तानी रुपये का एक आलीशान विमान खरीदने के मामले में कड़ी आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। स्ट्रैटकॉम ब्यूरो के अनुसार, पंजाब सरकार ने वीआईपी परिवहन के लिए 2019 में निर्मित एक नया गल्फस्ट्रीम जी500 विमान खरीदा है। विमान की अनुमानित कीमत लगभग 4.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। विपक्षी दलों ने मरियम नवाज की विलासितापूर्ण जीवन शैली की कड़ी आलोचना की है।

न सिर्फ मतदाता सूची से, देश से भी निकाल देंगे घुसपैठिए : शाह

गुवाहाटी, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जोर दिया कि अगर भारत नक्सलियों से मुक्त हो सकता है, तो वह घुसपैठियों से भी मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में अवैध प्रवासियों को न केवल मतदाता सूची से बल्कि देश से भी निकाल दिया जाएगा।

शाह असम पुलिस की 10वीं बटालियन के नए परिसर की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बटालियन के बारे में उन्होंने कहा कि इसका निर्माण घुसपैठियों के अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर किया जाएगा।

उन्होंने कहा, अतिक्रमण की गई जमीनों से घुसपैठियों को निकालना ही काफी नहीं है, उन्हें भारत से बाहर भी भेजना होगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता ने एक बार कहा था कि घुसपैठियों को बाहर निकाल दिया जाएगा, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं कर सकती क्योंकि अवैध प्रवासी उसका वोट बैंक हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना
NER-LJN-2026-35

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है– **ई निविदा संख्याः–** NER-LJN-2026-35, **कार्य का नामः–** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डलः– गोरखपुर–बाराबंकीः– गोरखपुर–बाराबंकी खंड के बीच टिम्बल गीदो वोर्सिस ट्रॉली सिस्टम का उपयोग करके ट्रैक की टैपिंग से पहले और बाद का, माप सर्वेक्षण।, **अनुमानित लागत (रु):–** 22727699.76, **अग्रिम धन (रु):–** 263600.00, **समापन अवधिः–** 12 माह, **1** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2026-35** के लिये ई–निविदा दिनांक 17.03.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी।, **2** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग
मुजाधि / डब्लू–477 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं, प्रदीप कुमार पटेल पुत्र राम जीवन सिंह यह निवेदन करता हूँ कि मेरी 10वीं की मार्कशीट और प्रमाण पत्र की मूल एवं द्वितीय प्रति (वर्ष 2005, रोल नंबर 1411092, उत्तर प्रदेश बोर्ड,प्रयागराज), इंटरमीडिएट की मार्कशीट (वर्ष 2007, रोल नंबर 0829018), बी.टेक की डिग्री (वर्ष 2013, एनआईटी श्रीनगर, नामांकन संख्या 554/2009, प्रमाण पत्र संख्या 782) और बी.टेक का अनतिम प्रमाण पत्र (वर्ष 2013) वास्तव में खो गए हैं। **निवासी: सोनेपुर रोड, शत्रुघ्नपुरी, कर्वी, चित्रकूट 210205, उत्तर प्रदेश। मोबाइल नंबर:** 8287155962

सूचना

मैं **चन्द्रसेन नायक पुत्र स्व0 साहबजादा नायक निवासी– ग्राम–चवरिया खुर्द, थाना– गगहा, जिला– गोरखपुर, उ0प्र0,** मैं उत्कर्ष नायक (Utkarsh Nayak) का पिता एवं संरक्षक हूँ। मेरे पुत्र की कक्षा 10 की मार्कशीट में मेरा नाम त्रुटिवश Chandrsen Nayak अंकित हो गया है। जो कि गलत है। उपरोक्त दोनों नाम Chandrsen Nayak व Chandrasen Nayak मेरे ही हैं। जिसे भविष्य में Chandrasen Nayak के नाम से जाना जाये व माना जाये।

सूचना

मैं **शषांक वर्मा पुत्र उमा शंकर वर्मा निवासी ग्राम खरकपुर, पोस्ट हरिपुर जलालाबाद मानपुर जिला अयोध्या** , मेरे जीवन बीमा पॉलिसी संख्या 216888196 मे मेरा उपनाम सचिन कुमार वर्मा (Sachin Kumar Verma) अंकित है। परन्तु स्कूली दस्तावेजों में शषांक वर्मा (Shashank Verma), आधार कार्ड सं0 – 7116 तथा बैंक खाते में नाम शषांक वर्मा (Shashank Verma) अंकित है। शषांक वर्मा व सचिन कुमारं वर्मा दोनों नाम मेरे ही है। अतः मेरी पॉलिसी संख्या – 216888196 में मेरा नाम सचिन कुमार वर्मा के स्थान पर शषांक वर्मा संसोधित कर भुगतान किया किया जाय।

सूचना

मैंने अपने विवाहित पुत्र प्रदीप एवं पुत्रवधू रूपादेवी के समाज विरोधी कृत्यों में लिप्त होने से परेशान होकर उन दोनों से अपने सम्बन्ध विच्छेद करके उनदोनों को अपनी समस्त चल – अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आज की तिथि से उन दोनों द्वारा किए गए किसी अच्छे बुरे कार्य, सरकारी व गैरसरकारी लेनदेन आदि की जिम्मेदारी मेरी व मेरे अन्य परिवारीजनों की न होगी। **राधेश्याम पुत्र प्यारेलाल निवासी ग्राम भिठारी थाना कोतवाली शहर जिला हरदोई।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं Amit kumar Maurya S/o Ramjee Rath Maurya, M/o Suman, Add-Village-Mallpur, post Para Ramnagara, Rampur Mathura, Mahmudabad, Sitapur, 261204 मेरा हाई स्कूल सर्टिफिकेट जिसका रोल नं0– 4119744 वर्ष 2009 रास्ते में कहीं गिर गया है।

सूचना

मै रजनी सिंह पत्नी रंजीत सिंह मकान नं0 2/172 आवास विकास कालोनी नवाबगंज बाराबंकी उ0प्र0 का एलाटमेन्ट लेटर की मूल प्रति खो गयी है।.जिसका प्रयोग अवैघ माना जायेगा।

सूचना

मै **श्रीमती मीरा गुप्ता पत्नी स्व0 महेश चंद्र गुप्ता निवासी नौनिहाल गंज बांगरमऊ उन्नाव** , मै शपथ पूर्वक श्रीमती मीरा गुप्ता पत्नी स्व0 महेश चंद्र गुप्ता अपने पुत्र अभिषेक गुप्ता पुत्र स्व0 महेश चंद्र गुप्ता का चाल चलन ठीक न होने के कारण मैं उसको अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रही हूं इसके द्वारा किए गए अच्छे बुरे कार्यो से मेरा व मेरे परिवार का कोई लेना–देना नहीं रहेगा।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD ASLAM था अब बदलकर MOHAMMAD ASLAM रख लिया है। भविष्य मे मुझे MOHAMMAD ASLAM के नाम से जाना व पहचाना जाये। MOHAMMAD ASLAM S/0-MOHAMMAD HANEEF ADD-652/405 KURSI ROAD, SABOULI, SECTOR-C DIST-LUCKNOW-226021 (U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे इंडियन बैंक के दौलतपुर शाखा में बचत खाता मोहम्मद करीम पुत्र मोहम्मद कयूम अंकित है, जबकि अन्य पहचान अभिलेखों में अब्दुल करीम पुत्र अब्दुल कयूम अंकित है। अतः यह स्पष्ट किया जाता है कि मोहम्मद करीम एवं अब्दुल करीम दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं तथा मुझे इन दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है। **अब्दुल करीम पुत्र अब्दुल कयूम निवासी ग्राम– कूकनगर ग्रंट, थाना– खोंडारे, तहसील–मनकापुर जनपद – गोंडा**

सूचना

मैं **नजमा पुत्री तैयब अली निवासिनी ग्राम भीखनपुर, पोस्ट रानीगंज, थाना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जिला–अमेठी उ0प्र0** मेरा वास्तविक नाम नजमा पुत्री तैयब अली है परन्तु हिन्दू धर्म के व्यक्ति राजेन्द्र से विवाह कर अपना नाम बदलकर मंजू रख लिया था जो मेरे आधार कार्ड में अंकित है परन्तु अपने पति राजेन्द्र से छाड़ी छूटा हो चुका है जिसके पश्चात् शपथिनी ने पुनः इस्लाम धर्म में आकर अपना पूर्व नाम नजमा रख लिया है। यह कि मैं सार्वजनिक रूप से घोषणा करती हूँ कि मुझे नजमा पुत्री तैयब अली के नाम से माना व जाना जावे।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मोतीलाल विद्यामंदिर इंटर कालेज मालीपुर तहसील जलालपुर जनपद अम्बेडकरनगर में एक शीशम और दो सागौन का पुराना पेड़ है।सूचना प्रकाशित होने के बाद इसकी नीलामी किया जाना है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्था 24 फरवरी को विद्यालय कार्यालय में उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है। अधिक बोली लगाने वाले को मौका दिया जायेगा।बोली को निरस्त करने का अधिकार प्रधानाचार्य और प्रबंधक को होगा।

प्रधानाचार्य — **पुरुषोत्तम ओझा**
प्रबंधक — **आनंद कुमार यादव**

कार्यालय
अधिशासी अभियन्ता
लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ।
3 / 435 ए विश्वास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

पत्रांकः–233 / ल0डा0न0ख0ल0 / ई–टेण्डर / दिनॉक : लखनऊ : 07.02.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्याः–58 / अधि0अभि0 / ल0डा0न0ख0ल0 / 2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से खण्ड के अन्तर्गत जनपद रायबरेली के विकास खण्ड डीह में स्थापित फागूपुर पम्प नहर पर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई–टेण्डरिंग के माध्यम से सिंचाई विभाग, उ0प्र0 में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो / फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है। सिंचाई विभाग उ0प्र0 में सिविल "बी" श्रेणी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार फिक्स दरों पर दिनांक 24.02.2026 को प्रातः 10:00 बजे से 06.03.2026 को अपराहन्न 11:00 बजे तक ऑनलाइन ई–निविदाएं निर्धारित बिड फार्म यथा (1) तकनीकी बिड एवं (2) फाइनेन्शियल बिड में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन दिनांक 06.03.2026 को अपराहन्न 01:00 बजे अधिशासी अभियन्ता लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ के कार्यालय मे समिति एंव उपस्थित ठेकेदारो के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने के दशा मे यह निविदा अगले कार्यदिवस मे उसी समय खोली जायेगी। बिड जमा करने का विस्तृत विवरण ई–निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन निविदा के साथ निर्धारित श्रेणी के पंजीकरण प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र (IDT-1), हैसियत प्रमाण पत्र (IDT-2), तथा स्वघोषणा प्रमाण पत्र (IDT-3), रू0 100.00 मात्र के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित कराकर उक्त सभी की पठनीय स्कैण्ड प्रति ऑनलाइन निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी तथा न्यूनतम होने की स्थिति में उपरोक्त समस्त अभिलेखों की मूल प्रति उपलब्ध कराना होगा। एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

ई–निविदा हेतु प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि ई–निविदा पोर्टल पर केवल ऑनलाइन रूप से ही जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र में निर्धारित तकनीकि विशिष्टियों / शर्तों में कोई विचलन / परिवर्तन मान्य नहीं होगा। निविदा हेतु कार्य एवं अन्य विवरण निम्नानुसार हैः–

क0सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	1st class brick lining work 1:4 cm in bed and both side wall in main canal with 100% new bricks chainage 0.675 km to 1.00 km including all cost of material, labour, tool and plant etc. as per bill of quantity at Phagoopur pump canal district Raebareli.	11.47	0.229	25 Days	766.00	सिविल मे "बी" या उच्च श्रेंणी
Note- GST applicable as per rule.						

ई–निविदा से संबंधित समस्त बिड डाक्यूमेन्ट ई निविदा की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 24.02.2026 प्रातः 10:00 बजे से 06.03.2026 की अपराहन्न 11:00 बजे तक निविदा डाक्यूमेन्ट का मूल्य अनलाइन जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। यह निविदा / बिड सूचना सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http:// irrigation.up .nic. in एंव www.idup.gov.in पर उपलब्ध है।

UP - 246683 दिनांक: 20/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधिशासी अभियन्ता
लघु डाल नहर खण्ड, लखनऊ

सम्भागीय कार्यालय उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन फल सब्जी मण्डी स्थल उतरौला रोड, देवीपाटन (गोण्डा)

पत्रांकः नि0– देवी0 (गोण्डा) / (निविदा प0/2026–861 दिनांकः– 21.02.2026

ई–प्रोक्यूरमेंट अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक– नि0 देवी0 (गोण्डा) (निविदा प0)/2025–461 दिनांकः 25.09.2025, पत्रांकः–542 दिनांकः– 17.10.2025, पत्रांकः 591 दिनांकः 04.11.26 पत्रांकः 642 दिनांकः–19.11.2025 एवं पत्राकः–551 दिनांकः 25.10.2025 पत्रांकः 615 दिनांकः– 14.11.2025 एवं पत्रांकः–657 दिनांकः– 01.12.2025 के द्वारा जनपद बहराइच के अन्तर्गत गड्ढा मुक्तिकरण योजनान्तर्गत सम्पर्क मार्गो के मरम्मत /अनुरक्षण कार्य (05 वर्षीय अनुरक्षण सहित) हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ ठेकेदारों / फर्मो से अलग–अलग तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की गयी थी, आमंत्रित निविदा में कोई भी निविदा प्राप्त न होने वैध निविदा प्राप्त न होने के कारण पुनः पाँचवी बार दिनांकः–06.03.2026 को आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते निविदादाता कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में एवं वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर जानकारी प्राप्त कर सकते है। ई–निविदा के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर दिनांकः 23.02.2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांकः–05.03.2026 की सायं 5.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। कार्यो की तकनीकी बिड दिनांकः–06.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मरम्मत/ 05 वर्षीय अनुरक्षण सहित कार्य की कुल लागत रू0 लाख में	निविदा शुल्क (जी0एस0टी0 सहित)	धरोहर धनराशि (रु0लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेणी
मण्डी समिति, मिहीपुरवा के क्षेत्रान्तर्गत						
1	सम्पर्क मार्ग गूढ झाला पिच रोड से भोला कुण्डा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.50 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077477_5)	25.12	4484.00	2.52	4 माह	''द''

नोटः –

1. निविदादाता निविदा शुल्क की धनराशि का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित) उपनिदेशक (निर्माण) के खाता भारतीय स्टेट बैंक की शाखा (नवीन फल एवं सब्जी मण्डी स्थल) गोण्डा के खाता संख्या 30394521872 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट /आर0टी0जी0एस0 कराना होगा। निविदा शुल्क की धनराशि नान रिफन्डेबल है,एवं धरोहर धनराशि जमानत खाता संख्या 30394522015 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट /आर0टी0जी0एस0 कराना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि का यू0टी0आर0 नम्बर निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।
2. निविदा से सम्बन्धित सभी नियम एवं शर्ते तथा अन्य विवरण आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है।
3. लोक निर्माण विभाग के पत्र संख्या 3689सी–UPRML/ मूल/2023 दिनांक 17.02.2024 के अनुसार सम्पर्क मार्ग के कार्यो में 05 वर्षीय अनुरक्षण हेतु भुगतान प्रक्रिया का पालन किया जायेगा।
4. मार्ग पर प्रीमिक्सिंग एवं सीलकोट का कार्य मिक्साल से कराया जायेगा।
5. –शेष नियम एवं शर्ते यथावत् रहेंगी।

उप निदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, देवीपाटन (गोण्डा)

यह एक जबरदस्त मैच होने वाला है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका कोई आसान टीम नहीं है, वे पक्का मुकाबला करेंगे। और यह 2024 के वर्ल्ड कप फाइनल का रिपीट है, इसलिए हर कोई इसका इंतजार कर रहा है।

- रवि शास्त्री

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 22 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सुपर-8 में आज

टीम	समय
इंग्लैंड-श्रीलंका	दोपहर 3 बजे
भारत-दक्षिण अफ्रीका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

वीनस विलियम्स को इंडियन वेल्स में वाइल्ड कार्ड मिला

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को अगले महीने दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल और युगल ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। यह 45 वर्षीय खिलाड़ी 2024 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। उस समय भी उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था लेकिन वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी। वीनस तीन बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। उन्होंने 2001 की एक विवादित घटना के बाद 2002 से लेकर 2016 तक इस प्रतियोगिता का बहिष्कार किया था।

संन्यास के नौ साल बाद वापसी करेंगे मेवेदर

लॉस एंजिलिस। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने कहा है कि वह नौ साल के अपने संन्यास को समाप्त करके इस साल गर्मियों में प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में वापसी करेंगे। मंगलवार को 49 वर्ष के होने वाले मेवेदर ने 2017 के बाद से कोई पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला नहीं लड़ा है। तब उन्होंने कॉनर मैकग्रेगर को हराया था। इस मुकाबले के बाद मेवेदर (50-0, 27 नॉकआउट) ने अपने करियर में तीसरी बार संन्यास की घोषणा की थी। पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन मेवेदर का रिंग में कोई सानी नहीं है। उन्होंने अब तक हर पेशेवर मुकाबला जीता है। संन्यास लेने के बाद भी वह प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लेते रहे हैं।

बांठिया-डोंस्की ने युगल का खिताब जीता

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के सिद्धांत बांठिया और बुल्गारिया के अलेक्जेंडर डोंस्की की जोड़ी ने दिल्ली ओपन युगल खिताब जीत लिया। एकल ड्रॉ में पांचवीं वरीयता प्राप्त ब्रिटेन के ओलिवर क्रॉफोर्ड का सामना यूनान के गैर वरीय स्टेफानोस साकेलारिडिस से होगा। बांठिया और डोंस्की ने दूसरी वरीयता प्राप्त भारत के निकी पूनाचा और इंडोनेशिया के प्रूय्या इसारो को 4-6, 6-4, 12-10 से हराया। यह बांठिया के कैरियर का दूसरा एटीपी चैलेंजर युगल खिताब है। उन्होंने दोनों खिताब डोंस्की के साथ ही जीते हैं।

अर्जेंटीना के एचेवेरी सेमीफाइनल में

रियो डी जेनेरियो। अर्जेंटीना के आठवें सीडेड टॉमस मार्टिन एचेवेरी शुक्रवार को पुर्तगाल के जैमे फारिया को 7-6 (7-4), 6-4 से हराकर रियो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। एचेवेरी ने अपने पहले सर्व पर 80% पॉइंट जीते और नौ एस लगाकर जॉकी क्लब ब्रासीलीरो की आउटडोर क्ले कोर्ट पर दो घंटे और चार मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड नंबर 147 फारिया अपने पांच ब्रेक पॉइंट मौकों में से किसी को भी भुना नहीं पाए और 21 अनफोर्स्ड गलतियां कीं। एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एचेवेरी का मुकाबला 87वीं रैंक के विट कोप्रिवा से होगा, जिन्होंने अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल को 6-4, 6-4 से हराया।

तिलक और सूर्यकुमार को संभालनी होगी जिम्मेदारी

टी-20 विश्व कप : द. अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 का मैच आज

एडेन मार्करम (कप्तान)

सूर्यकुमार यादव (कप्तान)

अहमदाबाद, एजेंसी

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन मार्करम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है।

दोनों टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है। टीम को इन दोनों ऑलराउंडर से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अभिषेक के लगातार दो बार ऑफ स्पिनरों के हाथों आउट हुए हैं और इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मार्क्रम पावरप्ले में ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने का फैसला करते हैं या नहीं। भारतीय टीम के लिए भले ही अभिषेक की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन पहले चरण में तिलक की लचर बल्लेबाजी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

- दक्षिण अफ्रीका के पास है मजबूत गेंदबाजी आक्रमण, जो लेगा भारत की कठिन परीक्षा

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नार्किया, क्वेना मफाका, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ।

टीम मैनेजमेंट अभिषेक के लगातार कम स्कोर से परेशान नहीं : कप्तान

अहमदाबाद। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ओपनर अभिषेक शर्मा का साथ दिया है, जो अभी चल रहे टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, क्योंकि टीम रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले सुपर 8 मैच की तैयारी कर रही है। सूर्यकुमार ने साफ किया कि टीम मैनेजमेंट अभिषेक के लगातार कम स्कोर से परेशान नहीं है। भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की काबिलियत पर अपना भरोसा दोहराया और उम्मीद जताई कि टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ ही टॉप रैंक वाला टी20 बल्लेबाज जल्द ही अपनी फॉर्म में वापस आ जाएगा। सूर्या ने कहा मुझे उन लोगों की चिंता है जो अभिषेक के फॉर्म को लेकर परेशान हैं; मुझे उनकी चिंता है। वे अभिषेक के फॉर्म को लेकर इतने परेशान क्यों हैं? लेकिन मैं उन टीमों के बारे में सोचता हूं जो उसके खिलाफ खेलने वाली हैं।

काली मिट्टी की पिच पर होगा मैच, स्पिन की उम्मीद कम

अहमदाबाद। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को सुपर आठ चरण का मैच नियमित काली मिट्टी पर खेला जाएगा, जिससे स्पिनरों को शायद मदद नहीं मिले और इससे टीम प्रबंधन के सामने दुविधा हो गई है कि अतिरिक्त स्पिनर को चुने या तेज गेंदबाज का। अक्षर पटेल टीम में वॉशिंगटन सुंदर की जगह ले सकते हैं। डैथ ओवरों में अर्शदीप सिंह की उपयोगिता को देखते हुए भारतीय टीम तीसरे स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को शामिल करने से पहले काफी सोच विचार करेगी। मोटेरा मैदान पर सभी तीन तरह की पिचें हैं, लाल मिट्टी, काली मिट्टी और मिश्रित मिट्टी की। इस मैच के लिये काली मिट्टी की पिच तैयार की गई है जिससे अच्छा उछाल मिलेगा। इससे घास पूरी तरह से छांट दी गई है। मोटेरा में क्रिकेट खेलते आये गुजरात के एक पूर्व कप्तान ने कहा कि इससे स्पिनरों को टर्न नहीं मिलेगी।

सुपर-8 का पहला मुकाबला बारिश से रद्द

पल्लेकल, एजेंसी

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप सुपर आठ ग्रुप दो का मैच शनिवार को बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया। इससे दोनों टीमों को एक एक अंक बांटना पड़ा। हल्की बूंदाबांदी के बीच पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया था। लेकिन अचानक तेज बारिश होने लगी जिससे मैच रद्द करने का फैसला लेना पड़ा।

पाकिस्तान ने टीम में ख्वाजा नफे की जगह फखर जमां को शामिल किया था। वहीं न्यूजीलैंड टीम में तीन बदलाव किये गए थे। कप्तान मिचेल सेंटनेर पेट के संक्रमण से उबरकर टीम में लौटे जबकि लॉकी फर्ग्यूसन और ईश सोढी को भी अंतिम एकादश में शामिल किया गया। अब पाकिस्तान को 24 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। न्यूजीलैंड टीम 25 फरवरी को श्रीलंका से खेलेगी।

मैच रद्द होने से न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के लिए राह कठिन हो सकती है जिन्हें सुपर आठ में दो दो मैच और खेलने हैं। श्रीलंका के मौसम को देखते हुए अगर आगे कोई मैच रद्द होता है या हार का सामना करना पड़ता है तो सेमीफाइनल के रास्ते बंद हो सकते हैं।

टॉस के बाद बारिश शुरू होने के कारण मैदान को ढक दिया गया।

- पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को मिला 1-1 अंक

एक हार पड़ सकती है दोनों टीमों के लिए भारी

अगर पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड की टीम अपने अगले दो मैच जीत जाती है तो वह सेमीफ़ाइनल में पहुंच जाएंगे लेकिन एक हार उन्हें तीन अंकों तक सीमित कर सकती है, जिससे उनपर बाहर होने का खतरा बढ़ जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ पिछली शृंखला के प्रदर्शन से प्रेरणा लेगा इंग्लैंड

पल्लेकल (श्रीलंका), एजेंसी

अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली इंग्लैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट से पहले शृंखला में क्लीन स्वीप करने के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। इंग्लैंड ने इसी महीने की शुरुआत में श्रीलंका को टी20 शृंखला में 3-0 से हराया था और वह सुपर आठ के मैच में अपने इस प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेगा।

इंग्लैंड का टी-20 विश्व कप में प्रदर्शन अभी तक प्रभावशाली नहीं रहा है। उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार मिली थी। सह-मेजबान श्रीलंका ने आयरलैंड और ओमान पर जीत के साथ शुरुआत की। उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके उसे आठ विकेट से हराया। लेकिन गुरुवार को कोलंबो में अपने आखिरी ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे से हारने के बाद श्रीलंकाई टीम की लय बिगड़ गई। दोनों टीमों के लिए यह एक नई शुरुआत होगी, जिसमें श्रीलंका घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। दूसरी तरफ इंग्लैंड उस स्थान पर अपनी लय वापस हासिल करने की कोशिश करेगा जहां उसने कुछ दिन पहले अच्छा प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड ने लीग चरण के अपने सभी मैच भारत में खेले हैं और श्रीलंका लौटकर खुश होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक जड़ने वाले श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। वह इस टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका और इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक।

टीम

इंग्लैंड : हैरी ब्रुक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका : दासुन शनाका (कप्तान), कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, कुसल परेरा, पवन रत्नायके, चैरिथ असालंका, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, दुशमंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

टी-20 शृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक जीत

एडिलेड, एजेंसी

भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को यहां निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रनों से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला अपने नाम की।

मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को छह विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया। फिर भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया।

इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवेर में नौ विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की युवा स्पिनर श्री चरणी (तीन विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए।

जीत का जश्न मनाती भारतीय महिला टीम।

जेमिमा के रवैये से लय हासिल करने में मिली मदद: मंधाना

एडीलेड। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रौड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरूआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली जिसके दम पर भारत ने आस्ट्रेलिया को तीसरे टी20 मैच में शनिवार को 17 रन से हराया। मंधाना ने 82 रन बनाये जबकि जेमिमा ने 59 रन की पारी खेली और दोनों ने 121 रन की साझेदारी करके भारत को छह विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने आस्ट्रेलिया को नौ विकेट पर 159 रन पर रोक दिया। मंधाना ने मैच के बाद कहा जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी। उसने आकर तीन चार चौके लगाये और मुझे लय हासिल करने के लिये समय मिल गया। उन्होंने कहा ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता।

कलह

विश्व कप न खेलने का मलाल, बोले-तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया गया

पूर्व खेल सलाहकार पर भड़के बांग्लादेश के सहायक कोच

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के सहायक कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरुल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया और मौजूदा टी-20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी के संबंध में अपना रुख बदल दिया। सलाहुद्दीन ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के फैसले को स्वीकार करना बेहद मुश्किल था। उन्होंने दावा किया कि टीम के दो सदस्य मानसिक रूप से बुरी तरह टूट गए थे।

नजरुल ने शुरू में यह दावा किया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत की यात्रा न करने का फैसला सरकार ने लिया था। लेकिन अपने पद से इस्तीफा देने के बाद वह इससे मुकर गए और उन्होंने कहा था कि यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों ने लिया था।

सलाहुद्दीन ने पत्रकारों से कहा उन्होंने सरासर झूठ बोला। मैं भी एक शिक्षक हूं और शिक्षक आम तौर पर कम झूठ बोलते हैं। वह इस तरह खुलेआम झूठ बोलेंगे। मैं सचमुच इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। मैं खिलाड़ियों को अपना चेहरा कैसे दिखाऊंगा। उन्होंने तो एकदम यू-टर्न ले लिया। सलाहुद्दीन ने कहा कि फैसला लेने में खिलाड़ियों की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, वह ढाका विश्वविद्यालय में शिक्षक हैं। मेरे देश के सर्वोच्च शिक्षण संस्थान का कोई व्यक्ति इस तरह का झूठ बोल रहा है। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। हम इसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने पहले कुछ कहा और बाद में अपने बयान से पलट गए। बांग्लादेश ने अपने मैच खेलने के लिए भारत आने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में उसकी जगह शामिल किया गया था। सलाहुद्दीन ने कहा कि टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने के बाद खिलाड़ी बेहद निराश थे। उन्होंने कहा विश्व कप में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है और उनका सपना एक पल में चकनाचूर हो गया। मैं जानता हूं कि हमारे दो खिलाड़ी पांच दिन तक सदमे में रहे। वे पूरी तरह से टूट चुके थे।

सहायक कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन।

आईसीसी का राजस्व मॉडल है प्रतिकूल : नीदरलैंड्स

नई दिल्ली। नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड के सदस्य राशिद शाह का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का मौजूदा वाणिज्यिक मॉडल एसोसिएट देशों के प्रतिकूल है क्योंकि इसमें अधिकांश हिस्सा टेस्ट खेलने वाले देशों को दिया जाता है। वर्ष 2024 से 2027 तक के चक्र में आईसीसी के राजस्व का लगभग 40 प्रतिशत यानी अनुमानित 231 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष भारत को मिलेगा। आईसीसी अपने राजस्व का सबसे बड़ा हिस्सा भारत से हासिल करता है जिसमें मीडिया अधिकार प्रमुख हैं। शाह ने हालांकि बीसीसीआई की उपलब्धियों और योगदान की प्रशंसा की।